राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- सम्मान और सुरक्षा के लिए शिक्षा जरूरी - 12

जीएसटी दरों में कटौती का लाभ आम लोगों को - 12

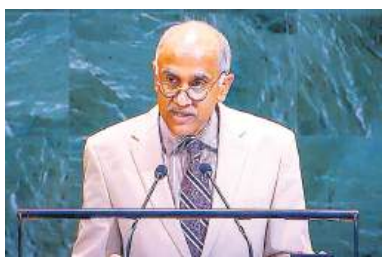

यूक्रेन युद्ध के परोक्ष परिणाम ग्लोबल साउथ के देशों पर डाल रहे हैं असर - 13

यूएस ओपन में सबालेंका और अनिसिमोवा के बीच होगी खिताबी भिड़ंत - 14

आज का मौसम

33.0° अधिकतम तापमान

27.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.51

सूर्यास्त 06.23

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 01:41 उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2082

शनिवार, 6 सितंबर 2025, वर्ष 35, अंक 219, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

फर्जीवाड़ा को लेकर सेबी ने किया आगाह

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को निवेशकों को आगाह किया कि वे सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर उसके नाम से प्रसारित हो रहे धोखाधड़ी वाले संदेशों और सूचनाओं को लेकर सतर्कता बरतें। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों से कहा कि वे ऐसे संदेशों के आधार पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने या धनराशि देने से बचें। सेबी ने कहा कि उसके संज्ञान में कई ऐसे मामले आए हैं जिनमें धोखेबाजों ने सेबी अधिकारियों के रूप में खुद को पेश करने के साथ प्रतीक चिह्न (लोगो), लेटरहेड और मुहर का दुरुपयोग किया तथा फर्जी ई-मेल आईडी बनाकर संदेश भेजे।

वैष्णो देवी यात्रा 11वें दिन भी स्थगित

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर के लिए यात्रा शुक्रवार को लगातार 11वें दिन भी स्थगित रही। 26 अगस्त को भूस्खलन के बाद यात्रा स्थगित कर दी गई थी। इस भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गई थी और 20 अन्य घायल हो गए थे। हालांकि दस दिन की भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के बाद मौसम में काफी सुधार हुआ है और धूप निकली है, लेकिन अधिकारियों ने अभी तक यात्रा को फिर से शुरू करने पर कोई फैसला नहीं लिया है। इस बीच, माता वैष्णो देवी मंदिर के आधार शिविर जम्मू और कटरा के बीच शुरू की गई लोकल ट्रेन सेवाएं निलंबित रहीं।

छह माओवादियों पर प्राथमिकी दर्ज

मेदिनीनगर। झारखंड के पलामू में पुलिसकर्मियों के साथ हुई मुठभेड़ के संबंध में तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) के छह सदस्यों के खिलाफ शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि इस मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी शहीद हो गए और एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, टीएसपीसी के स्वयंभू जोनल कमांडर शशिकांत गंझू, कार्यकर्ता मुखदेव यादव, उमेश सिंह खरवार, रोहिणी गंझू, कुलदीप और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के केदल गांव में गुरुवार रात करीब साढ़े 12 बजे सुरक्षा बलों और प्रतिबंधित टीएसपीसी संगठन के सदस्यों के बीच मुठभेड़ हुई थी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के इंजन में आई खराबी, इमरजेंसी लैंडिंग

इंदौर (मध्यप्रदेश), एजेंसी

- **विमान को इंदौर में एहतियातन उतारा गया, सभी 161 यात्री सुरक्षित**

दिल्ली से इंदौर आ रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान को एक इंजन में तकनीकी खराबी की सूचना के बाद यहां देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे पर शुक्रवार को एहतियातन उतारा गया और इसमें सवार सभी 161 यात्री सुरक्षित हैं।

हवाई अड्डे के निदेशक विपिनकांत सेठ ने बताया कि इंजन में तकनीकी खराबी की सूचना मिलने पर हमने तमाम एहतियात बरतते हुए इस वायुयान को इंदौर के हवाई अड्डे पर सुबह 09:55 बजे उतारा। निर्धारित समय के मुताबिक इस विमान को सुबह 09:35 बजे इंदौर हवाई अड्डे पर उतरना था। उन्होंने बताया कि उड़ान संख्या आईएक्स 1028 वाले इस विमान का चालक दल और इसमें सवार सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। विमान के पायलट ने एटीसी को पैन-पैन संकेत भेजा जिसके बाद एसओपी के तहत हवाई अड्डे पर अग्निशमन और चिकित्सा के इंतजाम किए गए।

हमने भारत-रूस को चीन के हाथों खो दिया : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

- **टैरिफ वॉर के बीच एससीओ समिट के बाद नरम पड़े अमेरिकी राष्ट्रपति के तेवर**
- **ट्रुथ सोशल पर लिखा- चीनी राष्ट्रपति पुतिन और किंग जोंग के साथ रच रहे साजिश**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा, लगता है कि हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। यह बात ऐसे समय में कही गई है जब अमेरिकी टैरिफ (शुल्क) को लेकर भारत और अमेरिका के संबंध पिछले दो दशक से भी ज्यादा समय में संभवतः सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर ट्रंप का यह पोस्ट ऐसे समय में आया है जब कुछ ही दिन पहले चीन के शहर तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच गर्मजोशी से हुई बातचीत ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया। अमेरिका के राष्ट्रपति ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। साथ में उनका भविष्य दीर्घकालिक और समृद्ध हो! ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत कर दिए जाने के बाद नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों में खटास आ गई है,पिछले कुछ दिनों में, व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो सहित ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारियों ने भारत पर निशाना साधने के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया है।

अमेरिका के खिलाफ साजिश रचने का लगाया आरोप

ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति पर पुतिन और उत्तर कोरिया के किम जोंग उन के साथ मिलकर अमेरिका के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कृपया व्लादिमीर पुतिन और किम जोंग उन को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं दें, क्योंकि आप अमेरिका के खिलाफ षड्यंत्र रच रहे हैं।

भारत ने पीटर नवारो की टिप्पणियां की खारिज

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए नई दिल्ली पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों को गलत और भ्रामक बताते हुए शुक्रवार को खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने नवारो द्वारा दिए गए गलत और भ्रामक बयानों को देखा है और हम उन्हें स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं। पिछले सप्ताह, नवारो ने भारत पर क्रेमलिन के लिए तेल धन शोधन केन्द्र होने का आरोप लगाया था। भारत रूसी हथियार खरीदना जारी रखे हुए है, जबकि उसने अमेरिकी रक्षा कम्पनियों से संवेदनशील सैन्य प्रौद्योगिकियों को स्थानांतरित करने और भारत में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने का आग्रह किया था।

आतंकवादी कहीं भी होगा, उसे ढूंढ़कर मारा जाएगा: चौहान

सीडीएस बोले- युद्ध व अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता

- **गोरखपुर में भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी में रखे विचार**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने कहा कि युद्ध में सफलता प्राप्त करने के लिए सरप्राइज एक महत्वपूर्ण फैक्टर होता है। भारतीय सेनाओं ने हर बार दुश्मन को सरप्राइज कर अपना टारगेट पूरा किया। आतंकवादी कहीं भी हो, उसे ढूंढ़कर मारा जाएगा। उन्होंने आने वाले समय में नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी की जरूरत भी गिनाई। कहा कि युद्ध व अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता।

गोरखपुर में शुक्रवार को भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां विषयक संगोष्ठी के मुख्य अतिथि सीडीएस जनरल चौहान ने कहा कि समग्र रूप से राष्ट्र की सुरक्षा के लिए तीन घटक भूमि की सुरक्षा, विचारधारा की सुरक्षा और नागरिकों की सुरक्षा महत्वपूर्ण होते हैं। कहा कि सैन्य तत्परता के लिए रक्षा संसाधनों, अनुसंधान एवं विकास के साथ रणनीतिक संस्कृति अहम होती है। जनरल चौहान ने एक जर्मन विद्वान के उद्धरण के हवाले से कहा कि अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में युद्ध, राजनीति का ही विस्तार है। सैन्य क्षमता की मजबूती इस बात पर भी निर्भर होती है कि किसी राष्ट्र ने शांतिकाल में रक्षा क्षेत्र में कितना खर्च किया। सीडीएस ने बताया कि उरी सर्जिकल स्ट्राइक में भारत ने जमीन के रास्ते जाकर आतंकी ठिकानों को बर्बाद किया, बालाकोट में एयर स्ट्राइक का सहारा लिया जबकि पहलगाम हमले के बाद लो एयर स्पेस, ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। बालाकोट हमले के बाद भारत और पाकिस्तान दोनों ने अलग अलग सीख ली। पाकिस्तान ने एयर डिफेंस पर ध्यान दिया तो भारत ने लंबी दूरी तक हमला करने वाले हथियारों पर। सीडीएस ने यह भी कहा कि 'न्यू नॉर्मल' नीति ऐसी स्थिति होती है जो संकट खत्म होने के बाद बनती है। जैसे कोविड के बाद वर्क फ्रॉम होम और नोटबंदी के बाद डिजिटल लेनदेन की अभ्यस्तता। पर, न्यू नॉर्मल में यह स्पष्ट है कि आतंकवाद और बातचीत, व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते।

ऑपरेशन सिंदूर में कम थी आमने-सामने की लड़ाई

सीडीएस चौहान ने कहा कि राजनीतिक नेतृत्व से सैन्य बलों को दिशा मिलती है। ऑपरेशन सिंदूर में नेतृत्व से क्लियर कट दिशानिर्देश था कि आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाना है, नागरिक ठिकानों को नहीं। दुश्मन के किसी भी उकसावे पर सेना को जवाबी कार्रवाई की खुली छूट दी गई थी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का मकसद सिर्फ बदला लेना नहीं था, धैर्य का स्तर भी बढ़ाना था। ऑपरेशन सिंदूर ऐसा पहला युद्ध तहस जिसमें दुश्मन से आमने सामने की लड़ाई काफी कम थी। इसमें न फ्रंट था और न रियर। ऑपरेशन सिंदूर अभी ऑफिशियली टर्मिनेट नहीं किया गया है।

सीमा विवाद राष्ट्र की सुरक्षा में पहली चुनौती

सीडीएस ने कहा कि भारत में राष्ट्र की सुरक्षा की पहली चुनौती सीमा विवाद की है। पाकिस्तान और चीन से हुई लड़ाइयां सीमा विवाद का ही परिणाम हैं। पाकिस्तान की तरफ से प्रॉक्सी वार, पड़ोसी देशों में अस्थिरता और युद्ध के बदलते स्वरूप अन्य चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध का स्वरूप अब विकेंद्रित होता जा रहा है। भविष्य में नई तकनीकी आधारित, रोबोटिक्स और मानवरहित युद्ध हो सकते हैं।

दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में बाढ़, नोएडा के सेक्टरों में घुसा पानी

बारिश से पहाड़ी राज्यों से लेकर मैदानी इलाकों तक तबाही

- **दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही**
- **हिमाचल में 350 श्रद्धालुओं को हेलीकॉप्टरों से निकाला गया**

नई दिल्ली, एजेंसी

नोएडा में यमुना नदी के उफान के कारण जलमग्न हुआ क्षेत्र।

बारिश के कारण पहाड़ी राज्यों से लेकर मैदानी इलाकों तक तबाही आ गई है। यमुना का उफनता पानी दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा में तबाही मचा रहा है। दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जिससे यहां कई इलाकों में बाढ़ की चपेट में आ गए। नोएडा में सेक्टर-135 और सेक्टर-151 डूब गए हैं। कई इलाके में 3 से 4 फीट पानी भर गया। उत्तर दिल्ली के मजनू का टीला की तंग गलियों में पानी घुस आया, जिससे दर्जनों घर और दुकानें जलमग्न हो गईं और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

यमुना नदी में आई बाढ़ ने फरीदाबाद में भारी तबाही मचाई है और बाघपुर के मोहना पुल के पास सड़कें क्षतिग्रस्त होने के कारण गांवों का संपर्क पूरी तरह टूट गया है। फरीदाबाद और पलवल जिलों के 20 से अधिक गांवों के लोगों का उत्तर प्रदेश में आवागमन बंद हो गया है। इन गांवों को उत्तर प्रदेश के जेवर से जोड़ने वाले मोहना पुल की सड़कें क्षेत्र में बाढ़ के कारण ध्वस्त हो गई हैं।

वहीं पंजाब में बाढ़ में मरने वालों की संख्या गुरुवार को बढ़कर 43 हो गई। राज्य के 23 जिलों के 1,655 गांवों में 3.55 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। 1.71 लाख हेक्टेयर जमीन पर लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। हिमाचल में मणिमहेश यात्रा मार्ग पर फंसे करीब 350 श्रद्धालुओं को भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों के जरिए भरमौर से चंबा पहुंचाया गया। चंबा जिले के विभिन्न भागों में, विशेषकर भरमौर विधानसभा क्षेत्र में सैकड़ों तीर्थयात्री अब भी फंसे हुए हैं। इस विधानसभा क्षेत्र का अगस्त के अंतिम सप्ताह में भारी बारिश के कारण हुए कई भूस्खलनों और अचानक आई बाढ़ की वजह से सड़क संपर्क टूट गया है। चंबा के उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने कहा कि वायुसेना के दो हेलीकॉप्टरों को सेवा में लगाया गया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा का भी अनिल अंबानी पर धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

- **एसबीआई, बीओआई भी पूर्व में लगा चुके हैं आरोप**

एसबीआई और बैंक ऑफ इंडिया के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा ने दिवालिया रिलायंस कम्युनिकेशंस के ऋण खाते को धोखाधड़ी वाला घोषित किया है। रिलायंस कम्युनिकेशंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसे बैंक ऑफ बड़ौदा से दो सितंबर को एक पत्र मिला जिसमें कंपनी एवं उसके प्रवर्तक अनिल अंबानी के ऋण खाते को धोखाधड़ी वाला वर्गीकृत करने के उसके फैसले की जानकारी दी गई है।

इसमें कहा गया कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने कंपनी को 1,600 करोड़ रुपये और 862.50 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा स्वीकृत की थी। ऋणदाताओं के पत्र के अनुसार, कुल 2,462.50 करोड़ रुपये में से 28 अगस्त तक 1,656.07 करोड़ रुपये बकाया थे। रिलायंस कम्युनिकेशंस ने कहा कि इस खाते को पांच जून 2017 से एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया गया है। रिलायंस कम्युनिकेशंस कॉर्पोरेट दिवाला समाधान कार्यवाही से गुजर रही है और कंपनी को अपने नियंत्रण में लेने तथा अपनी देनदारियों को चुकाने के लिए उपयुक्त व्यक्ति की तलाश है। बैंक ने पत्र में कहा कि वर्तमान में एनसीएलटी द्वारा अनुमोदित कोई सक्रिय समाधान योजना नहीं है। धोखाधड़ी की घोषणा फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट में निष्कर्षों/टिप्पणियों पर आधारित है और यह वर्गीकरण न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप है। अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने कहा कि बीओबी की कार्रवाई 12 साल से भी अधिक पुराने मामलों से संबंधित है।

बीओबी की कार्रवाई से कारोबार पर असर नहीं

नई दिल्ली। रिलायंस पावर ने कहा कि रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) की कार्रवाई का उसके कारोबारी संचालन और वित्तीय प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। शेयर बाजार को बताया कि वह एक अलग और स्वतंत्र सूचीबद्ध इकाई है, जिसका रिलायंस कम्युनिकेशंस से कोई व्यावसायिक या वित्तीय संबंध नहीं है।

विस्फोटक के साथ 14 अतंकियों के मुंबई में घुसने की धमकी

मुंबई। मुंबई यातायात पुलिस नियंत्रण कक्ष को एक संदेश मिला जिसमें दावा किया गया है कि 14 आतंकवादी 400 किलोग्राम आरडीएक्स के साथ शहर में घुस आए हैं और उन्होंने इसे वाहनों में रख दिया है, एक अधिकारी ने बताया कि गणेश उत्सव के 10वें दिन अनंत चतुर्दशी के लिए पुलिस सुरक्षा इंतजाम कर रही है, इस बीच यातायात पुलिस नियंत्रण कक्ष को गुरुवार को व्हाट्सएप हेल्पलाइन पर धमकी भरा संदेश मिला। संदेश भेजने वाले ने इसमें 'लश्कर-ए-जिहादी'' नामक संगठन का नाम लिखा है। उसने दावा किया कि 14 आतंकवादी शहर में घुस आए हैं और 34 वाहनों में 400 किलोग्राम आरडीएक्स रखा है, जिससे देश दहल जाएगा।

बंदरों ने 2 माह के बच्चे को पानी भरे ड्रम में डाला, मौत

(मछरेहटा) सीतापुर। सूरजपुर गांव में पलंग पर सो रहे दो महीने के बच्चे का शव ड्रम में मिला। घटना के समय बच्चे की मां नहाने गई हुई थी। परिजनों का दावा है कि बंदरों के झुंड ने बच्चे को पलंग से उठाकर पानी भरे नीले ड्रम में डाल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

मछरेहटा थाना क्षेत्र के सूरजपुर निवासी अनुज कुमार के मुताबिक गांव में पिछले कई दिनों से बंदरों के झुंड उत्पात मचा रहे हैं।

- **परिजनों का दावा- चारपाई पर सोते समय उठाकर ले गए थे बंदर**

घटना के समय वह गांव में मजदूरों से निर्माण कार्य को लेकर बातचीत करने निकला था। पत्नी सविता पलंग पर दो माह के बच्चे को सुलाकर नहाने चली गईं। तभी बंदरों का झुंड नीचे उतरा ओर बच्चे को ड्रम भरे पानी में डुबो दिया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

66 करोड़ की धोखाधड़ी में शिल्पा और राज के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर

मुंबई। मुंबई पुलिस ने 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके व्यवसायी पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि शहर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने एलओसी जारी किया, क्योंकि शिल्पा और उनके पति अंतर्राष्ट्रीय यात्राएं करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री और उनके पति के खिलाफ 14 अगस्त को जुहू थाने में एक कारोबारी से ऋण-सह-निवेश सौदे में कथित तौर पर लगभग 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया गया था।

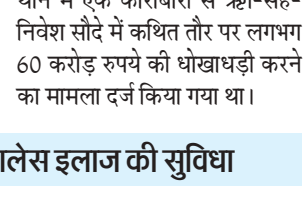

पहल

शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री योगी की ऐतिहासिक घोषणा, शिक्षामित्र, अनुदेशक और रसोइयों को भी कैशलेस इलाज की सुविधा

प्रदेश के नौ लाख शिक्षकों को मिलेगा कैशलेस इलाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के शिक्षकों को ऐतिहासिक सौगात दी। उन्होंने घोषणा की कि प्रदेश के सभी शिक्षकों को अब कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस योजना का लाभ बेसिक, माध्यमिक, सहायता प्राप्त और उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों के साथ-साथ शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों को भी मिलेगा।

उन्होंने विपक्ष के तमाम दुष्प्रचारों पर प्रहार करते हुए कहा कि एक समिति शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय पर विचार कर रही है।

लखनऊ के लोकभवन सभागार में इस्लामिया गर्ल्स इंटर कालेज बरेली की प्रधानाचार्या चमन जहां को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह व्यवस्था लगभग नौ लाख परिवारों को राहत देगी और शिक्षकों को इलाज के लिए अब आर्थिक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि तय समय सीमा में इस सुविधा को लागू किया जाए। लोक भवन में कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने चयनित शिक्षकों को सम्मानित कर टैबलेट वितरित किए और स्मार्ट क्लास का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल टेक्नोलॉजी के माध्यम से शिक्षा को नई दिशा देने का कार्य तेजी से हो रहा है। प्रदेश के 2204 विद्यालयों को टैबलेट, और 1236 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की शुरुआत हो चुकी है। योगी ने कहा कि 2017 से पहले यूपी बोर्ड परीक्षाएं नकल के लिए कुख्यात थीं। लेकिन आज सीसीटीवी निगरानी, पारदर्शिता और समयबद्ध परिणाम के चलते यूपी बोर्ड देश के श्रेष्ठ बोर्डों में गिना जाने लगा है। उन्होंने कहा कि एक माह में परीक्षा परिणाम देना अब यूपी की पहचान बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत प्रारंभ की गई 'बाल वाटिका' में अब तक 5000 केंद्रों पर 25,000 बच्चों का नामांकन हो चुका है। इसे पोषण मिशन और आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ा गया है, ताकि बच्चे शिक्षा के साथ स्वस्थ भी रहें। 'निपुण भारत मिशन' के तहत बच्चों की भाषा और गणितीय दक्षता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

शिक्षामित्रों के मानदेय पर विचार

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में बढ़ोतरी के लिए उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति की रिपोर्ट आने के बाद सरकार सकारात्मक निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि ये सभी कार्मिक शिक्षा अभियान में कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहे हैं, ऐसे में सरकार उनके हितों की अनदेखी नहीं कर सकती।

नवाचार करने वाले शिक्षकों का होगा प्रचार-प्रसार

मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के अधिकारियों से कहा कि शिक्षकों के नवाचारों को प्रकाशित कर स्कूलों तक पहुंचाया जाए। इससे अन्य शिक्षक भी प्रेरित होंगे और सरकारी विद्यालयों की छवि बदलेगी। उन्होंने कहा कि आज कई सरकारी स्कूल कॉन्वेंट स्कूलों को टक्कर दे रहे हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 6 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

प्रतापगढ़ के धार्मिक स्थलों का होगा विकास

अमृत विचार, लखनऊ : धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक धरोहरों के विकास के लिए प्रतापगढ़ में 8 करोड़ रुपये की आठ परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन योजनाओं के तहत जिले के प्रमुख मंदिरों, धामों और बौद्ध स्थलों के आसपास पर्यटक सुविधाओं का विस्तार और विकास किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि स्वीकृत विकास कार्यों में नगर पालिका बेल्हा, सुगता नन्द बौद्ध बिहार, राम जानकी मंदिर, ग्राम सभा बुआपुर (रूपपुर), बौद्ध बिहार, बाबा घुईसरनाथ धाम, मां दुर्गा मंदिर, नरसिंह धाम मंदिर (गंगा तट), बाबा अवधेश्वरनाथ धाम मंदिर (गंगा तट) तथा मां ज्वाला देवी धाम सिद्धपीठ शामिल हैं। प्रत्येक धार्मिक स्थल को पर्यटन विकास के लिए एक-एक करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत हुई है।

आज कई बड़ी सौगात देंगे मुख्यमंत्री योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को परिवहन विभाग के जरिए प्रदेशवासियों को कई सौगातें देंगे। आयोजन शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जूपिटर हॉल में होगा। कार्यक्रम में परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह भी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 1.5 लाख जनसेवा केंद्रों (सीएससी) के माध्यम से परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराने की भी शुरुआत करेंगे। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री सरल परिवहन हेल्पलाइन 149 की भी करेंगे। आईआईटी खड़गपुर, परिवहन विभाग, परिवहन निगम व सीएससी के मध्य एमओयू होगा। इसके अलावा कई अन्य सुविधाओं का लोकार्पण करेंगे।

मेरे वाहन पर आठ लाख का जुर्माना : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पुलिस पर जनता से वसूली करने का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि मेरी गाड़ी का ओवर स्पीड में आठ लाख रुपये का चालान कर दिया है। सपा अध्यक्ष शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की तरफ से जो गाड़ी हमें दी गई है, वो चलने की हालत में नहीं है। भाजपा सरकार जनता से वसूली कर रही है। बिना सुविधाएं जमकर टैक्स वसूला जा रहा है। अखिलेश यादव ने जीएसटी की दरों में कमी करना चुनावी हथकंडा बताया।

मतदेय स्थलों पर अब लंबी नहीं होगी मतदाताओं की लाइन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रत्येक मतदेय स्थल पर 1500 मतदाताओं के मानक को कम कर किया 1200
- मतदाता सूची भी बड़ी नहीं होगी और सत्यापन व रखरखाव हो जाएगा आसान
- 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं का शत प्रतिशत सत्यापन हो

अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रति मतदेय स्थल पर 1500 मतदाताओं के मानक को कम कर अब 1200 मतदाता कर दिया है। इससे अब चुनाव के दिन मतदेय स्थलों पर मतदाताओं की भीड़ कम होगी और लंबी लाइनें नहीं लगेंगी। अब चुनाव के दौरान मतदाता मतदेय स्थल पर ज्यादा देर तक प्रतीक्षा किए बगैर आसानी से अपना मत डाल सकेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने इस बाबत जानकारी साझा करते हुए कहा कि मतदाता सूची भी बड़ी नहीं होगी और बीएलओ के लिए मतदाता सूची का सत्यापन एवं रखरखाव करना आसान हो जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी मतदेय स्थलों पर न्यूनतम आश्वासित सुविधाएं उपलब्ध कराईं जाए, जिसमें पीने का साफ पानी, महिला एवं पुरुष मतदाताओं के लिए अलग-अलग शौचालय, पर्याप्त फर्नीचर की व्यवस्था, मतदेय स्थल पर पर्याप्त बिजली की व्यवस्था, दिव्यांग मतदाताओं की व्हीलचेयर के लिए मतदेय स्थल पर स्थायी रैम्प उपलब्ध हो।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा।

उन्होंने कहा कि 83 साल की आयु से अधिक उम्र के सभी वयोवृद्ध मतदाताओं का शत प्रतिशत सत्यापन कराया जाय, जिससे ऐसे मतदाताओं की वास्तविक संख्या का पता चल सके, जिससे वर्ष 2027 के चुनाव में घर पर रहकर वोट डालने के लिए पात्र अधिकतम मतदाताओं की संख्या का सही आंकलन किया जा सके।

त्रुटिरहित सूची समेत महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ाने के निर्देश

अमृत विचार : आगामी विधान सभा निर्वाचन के मद्देनजर मतदाता सूचियों को त्रुटिरहित एवं शुद्ध बनाने की कवायद तेज होने वाली है। आयोग ने मतदाता सूचियों में मतदाताओं की धुंधली, काली, अस्पष्ट तथा मानक के अनुरूप न पाये जाने वाली फोटो को यथाशीघ्र हटा कर उनके स्थान पर स्पष्ट व मानकानुसार फोटो अपलोड करने और दोहरी प्रविष्टियों को हटाने व मतदाताओं के मकान संख्या को सही से अंकित कराये जाने के निर्देश दिये। दरअसल, वर्तमान मतदाता सूचियों में मतदाताओं के नामों में त्रुटि होने, मतदाता की फोटो त्रुटिपूर्ण होने, मकान नम्बर की जगह शून्य दर्ज होने जैसे उदाहरण सामने आए हैं, ऐसे में सभी बीएलओ को ऐसी त्रुटियों को सही कराने के लिए मतदाताओं से फार्म-8 भरवाकर एक माह के भीतर मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के निर्देश दिये। खासकर अयोध्या जिले के लिए यह भी कहा गया है कि जनसंख्या के लिंगानुपात के अनुरूप मतदाता सूची में महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ायी जाए।

17 तक कर सकेंगे दावे और आपत्तियां

अमृत विचार : मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि मऊ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से सम्बन्धित सभी मतदाता अपना नाम मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उप्र. लखनऊ की वेबसाइट (ceouttarpradesh.nic.in) पर देख सकते हैं। जो व्यक्ति अर्हता तिथि 1 जुलाई को या उससे पूर्व अर्ह हो चुके हैं और उनका नाम किसी कारणवश प्रकाशित आलेख्य नामावली में अभी शामिल नहीं हो पाया है, तो निर्वाचक नामावली में नाम शामिल किए जाने को अपना आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 356-मऊ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में दावे और आपत्तियां 17 सितम्बर तक प्राप्त की जाएंगी।

बलरामपुर और श्रावस्ती आईजीआरएस में अव्वल

अमृत विचार, लखनऊ : आईजीआरएस की अगस्त माह की रिपोर्ट में प्रदेशभर में बलरामपुर और श्रावस्ती ने बराबर अंक प्राप्त कर पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि शाहजहांपुर ने दूसरा और हमीरपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। आईजीआरएस द्वारा हर माह जिलों के राजस्व कार्यों, विकास कार्यों और जन शिकायत की सुनवाई की रिपोर्ट जारी की जाती है। अगस्त माह की रिपोर्ट के अनुसार बलरामपुर और श्रावस्ती ने मानक पूर्णांक 140 के सापेक्ष 137 अंक प्राप्त कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह शाहजहांपुर ने दूसरा, हमीरपुर ने तीसरा और पीलीभीत ने चौथा स्थान प्राप्त किया है। वहीं सोनभद्र 5वें पायदान पर है। टॉप टेन जिलों में बरेली, अमेठी, हाथरस, औरैया और चंदौली शामिल हैं।

राज्य पुरस्कार से 81 शिक्षक सम्मानित

शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री ने 2204 माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को वितरित किए टैबलेट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 1236 स्कूलों में स्मार्ट क्लास से डिजिटल शिक्षा की ओर बड़ा कदम

अमृत विचार : शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ स्थित लोकभवन में शुक्रवार को बेसिक और माध्यमिक शिक्षा से जुड़े कुल 81 शिक्षकों को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। इस दौरान प्रदेश के 2204 माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को टैबलेट भी वितरित किए गए, जबकि 1236 स्कूलों में स्मार्ट क्लास का लोकार्पण कर डिजिटल शिक्षा की ओर बड़ा कदम बढ़ाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के वाहक हैं। शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों को मंच मिलना चाहिए। उन्होंने एससीईआरटी द्वारा तैयार की गई बाल कहानी संग्रह 'गुल्लक', हस्त पुस्तिका 'बाल वाटिका', नवाचारों की पुस्तिका 'उद्गम' का विमोचन किया। साथ ही 'उद्गम' के डिजिटल प्लेटफॉर्म की शुरुआत भी की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 1236 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में स्थापित स्मार्ट क्लास का भी लोकार्पण किया और पांच विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को इस बाबत मंच से प्रमाण पत्र प्रदान किया। इनमें बांदा के अजय प्रकाश सिंह, गाजीपुर के दिनेश यादव, गोरखपुर की किरणमई तिवारी, ललितपुर की अंजना वर्मा और गोरखपुर से विश्वप्रकाश सिंह शामिल थे। कार्यक्रम में मुख्य सचिव दीपक कुमार, महानिदेशक कंचन वर्मा सहित सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे।

लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्मार्ट क्लास का लोकार्पण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में मंत्री गुलाब देवी और संदीप सिंह।

सम्मानित शिक्षक

- **बेसिक शिक्षा :** संतोष कुमार सिंह (भदोही), रेनू सिंह (मेरठ), मोहिनी श्रीवास्तव (लखीमपुर), डॉ. रीना मिश्रा (प्रयागराज), प्रमोद कुमार सिंह (गोरखपुर)
- **माध्यमिक शिक्षा :** रामप्रकाश गुप्त (हमीरपुर), कोमल त्यागी (गाजियाबाद), चमन जहां (बरेली), जंगबहादुर (जौनपुर), डॉ. वीरेन्द्र पटेल (गोरखपुर)

सम्मान कार्यक्रम के मुख्य बिंदु

- बेसिक शिक्षा के 66 और माध्यमिक शिक्षा के 15 शिक्षक सम्मानित।
- चयनित शिक्षकों को 25,000 की धनराशि, प्रशस्ति पत्र, मां सरस्वती की प्रतिमा और शाल भेंट की गई।
- गुल्लक पुस्तक के जरिए नैतिक मूल्यों और ज्ञान को सहज रूप से बच्चों तक पहुंचाने का प्रयास।
- समर कैंप और पौधरोपण पर आधारित शैक्षिक लघु फिल्म का भी प्रदर्शन हुआ।

बालिकाओं की शिक्षा प्राथमिकता : संदीप सिंह

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि स्मार्ट क्लास, आधुनिक पद्धतियों और समावेशी कंटेंट के जरिए सरकार हर बच्चे तक समान व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने में सफल हो रही है। बालिकाओं की शिक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शिक्षक जीवन का मार्गदर्शक : गुलाब देवी

माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन का मार्गदर्शक होता है। योगी सरकार ने नकल पर पूरी तरह नियंत्रण पाया है, अब नकल माफिया को आजीवन कारावास तक का प्रावधान है।

8 लाख नये वृद्धा पेंशनरों का किया जाएगा सत्यापन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में वृद्धा पेंशन की दूसरी किस्त आने से पहले 15 दिन में कुल 67.50 लाख लाभार्थियों का घर-घर पारदर्शिता से सत्यापन करना समाज कल्याण विभाग के लिए चुनौती से कम नहीं है। समय को देखते हुए इस वर्ष बढ़े आठ लाख लाभार्थी और पहली किस्त का ट्रांजेक्शन फेल होने वाले 1.11 लाख लाभार्थियों का सत्यापन कराया जाएगा।

वृद्धा पेंशन का मई और जून में सत्यापन कराकर कुल 67.50 लाख लाभार्थियों को जुलाई में पहली किस्त मिली थी। अब इन्हें दूसरी किस्त अक्टूबर में मिलेगी। इससे पहले 15 सितंबर तक सभी लाभार्थियों का सत्यापन कराने के निर्देश मिले हैं। ऐसे में समाज कल्याण विभाग इस वर्ष शामिल हुए नये आठ लाख लाभार्थियों का ही सत्यापन कराने की तैयारी में है, क्योंकि नये लाभार्थी एक वर्ष के अंतराल में जुड़े हैं और उनका सत्यापन शुरुआती दौर में हुआ था। वहीं, पहली किस्त 1.11 लाख लाभार्थियों के गलत खाता नंबर, एनपीसीआई व आधार से लिंक न होने के कारण ट्रांजेक्शन फेल हो गए।

पूर्वोत्तर रेलवे ई-ऑक्शन नोटिस सं0 LJN-PRKG-14-25

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा0), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस के ई-ऑक्शनिंग के माध्यम से ई-ऑक्शन आमंत्रित की जाती है-

क्र.स	लाट सं	कार्य का विवरण
1	PARKING-LJN-GKP-MX-143-25-1 (Parking - Mixed)	**गोरखपुर** स्थित **रेल म्युज़ियम-कम-हैरिटेज प्लाज़ा** में संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका **03 वर्ष** हेतु।
2	PARKING-LJN-BRK-MX-87-24-1 (Parking - Mixed)	**बहराईच** स्टेशन के मेन प्रवेश द्वार सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका **03 वर्ष** हेतु
3	PARKING-LJN-CLJ-MX-139-25-1 (Parking - Mixed)	**कर्नैलगंज** स्टेशन के मेन प्रवेश द्वार सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका **03 वर्ष** हेतु
4	PARKING-LJN-STP-MX-29-23-1 (Parking - Mixed)	**सीतापुर जं0** स्टेशन के मेन प्रवेश द्वार सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका **03 वर्ष** हेतु
5	PARKING-LJN-GTNR-PCCV-142-25-1 (PCCV-Mixed Parking)	**गोमतीनगर** स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार सर्कुलेटिंग एरिया स्थित पीसीसीवी पार्किंग (ऑटो, टैक्सी ई-रिक्शा) कम संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 06 माह हेतु।

निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई-ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। ireps पोर्टल पर दिये गये तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई-ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होंगी। सभी लॉट के लिये ई-ऑक्शन दि0-19-09-2025, 12:00 बजे प्रारंभ होकर 19-09-2025, 13:10 बजे बंद होगी। इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। अर्नेस्ट मनी की राशि (10%) का भुगतान केवल IREPS पॉर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे-डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा, नियम व शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in (E-Auction module) पर उपलब्ध है।

मुजाधि/वाणिज्य-132 मंडल रेल प्रबन्धक(वा0) लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

एक पेड़ गुरु के नाम के तहत किया गया पौधरोपण

प्रतापगढ़, अमृत विचार : लालगंज तहसील के करपात्री धाम भटनी में शुक्रवार को स्वामी करपात्री जी सेवा संस्थान ट्रस्ट के प्रस्ताव पर शासन से स्वीकृत एक पेड़ गुरु के नाम अभियान की अनोखी पहल शुरू की गई। इसके तहत पौधरोपण किया गया। स्वामी करपात्री जी सेवा संस्थान के पदाधिकारियों के साथ डिप्टी रेंजर व वनकर्मियों ने तालाब की सरकारी जमीन पर बरगद, पाकड़,पीपल आदि के पौधे लगाए। अभियान के तहत लगाए गए 40 पौधों को सुरक्षित रखने के लिए ट्री गार्ड भी लगाए गए। अभियान के तहत लगाए गए पौधों को संरक्षित रखने के लिए ट्रस्ट के सदस्यों ने संकल्प लिया। इस मौके पर ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस के तिवारी, डिप्टी रेंजर कालाकांकर रेंज अवध विहारी, सदस्य देवेंद्र नारायण मिश्र, अरुण मिश्र, राजेश तिवारी आदि रहे।

राज्य अध्यापक पुरस्कार से नवाजी गईं वंदना सिंह

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार : विद्यालय में बच्चों को पढ़ाई के नए प्रयोग से आगे बढ़ाने वाली शिक्षिका वंदना सिंह को शिक्षक दिवस पर राज्य अध्यापक पुरस्कार से नवाजा गया। सीएम योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाबो देवी व बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने सम्मानित किया। बीएसए भूपेंद्र सिंह सहित शिक्षकों ने फोन से उन्हें बधाई दी। परिजनों ने खुशी जताते हुए एक दूसरे का मुंह मीठा कराया।

पट्टी तहसील के लालधर पट्टी ईशनपुर की वंदना सिंह बाबा बेलखरनाथ धाम ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय सोनाही की प्रभारी प्रधानाध्यापक हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालय सोनाही में साल 2002 में सहायक शिक्षिका के तौर पर नियुक्त हुईं थी। उस समय स्कूल में महज 49 बच्चे पंजीकृत थे। उन्होंने अपनी मेहनत व पढ़ाई की नवीन प्रयोगों से बेहतर परीक्षा परिणाम दिया। टीचिंग लर्निंग मटेरियल (टीएलएम) के प्रयोग से पढ़ाई को रोचक बनाया। स्कूल में आज छात्र संख्या तीन गुना बढ़ गई। इस समय 159 बच्चे स्कूल में पढ़ाई कर रहे हैं। वंदना की लगन व मेहनत के चलते बीते साल हुई राष्ट्रीय आय योग्यता आधारित परीक्षा में नौ बच्चे चयनित हुए। बेहतर शिक्षण शैली को लेकर तत्कालीन डीएम नितिन बसंल भी वंदना को सम्मानित कर चुके हैं। उन्होंने चैप्टर वाइज पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) बनाया है, जिसे बच्चे स्वयं शिक्षक की तरह पढ़ाते हैं। इनके पति आशुतोष सिंह भी प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक हैं। विभागीय अधिकारियों,शिक्षक संगठन एवं शिक्षकों ने बधाई दी।

बारिश से ढहा कच्चा घर विवाहिता की गई जान

प्रतापगढ़, अमृत विचार : लालगंज के रानीगंज कैथोला के पास गुरुवार देर रात दर्दनाक हादसा हुआ। बारिश से बभनपुर में कच्चा घर ढह जाने से उसकी मोटी दीवार के मलबे में पूरा परिवार दब गया। हादसे में 22 वर्षीय सोनम शर्मा पत्नी प्रमोद शर्मा की मौत हो गई। परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद की बात कही। रानीगंज कैथोला बाजार में सतीश शर्मा फुटपाथ पर बाल काटने की दुकान चलाते हैं। उसी से परिवार का भरण - पोषण होता है। परिवार कच्चे घर में रहता था, जिस पर टिन की छत थी व दीवारें पुरानी व कच्ची थीं। बरसात के कारण सीलन से गुरुवार रात करीब 12 बजे घर गिर गया। उस वक्त सब सो रहे थे। दीवार के मलबे में सतीश शर्मा की 50 साल की पत्नी अन्नू देवी, 22 साल की बड़ी बेटी सविता, 18 साल का पुत्र अजय,15 साल की छोटी बेटी अनीता सब दब गए। चीख-पुकार मच गई। घर के बाहरी हिस्से में रहे राम आसरे बच गए।

दुष्टों के संहार से सुरक्षित रहेगा राष्ट्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ, अमृत विचार : मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नागरिकों के संरक्षण और दुष्टों का संहार करके ही कोई राष्ट्र सुरक्षित रह सकता है। सुरक्षा के माहौल में ही स्मृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

वे शुक्रवार को गोरखपुर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 56वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समसामयिक विषयों पर आयोजित संगोष्ठी श्रृंखला के पहले दिन 'भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां' विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे थे। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने आचार्य चाणक्य के एक उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि कोई राष्ट्र वाह्य रूप से सुरक्षित हो और आंतरिक रूप से सुरक्षित न हो तो उसे अराजक राष्ट्र माना जाता है। ऐसा अराजक राष्ट्र शीघ्र समाप्त होने के कगार पर होता है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र तारिक अंसारी का चाल चलन ठीक न होने और उसके गलत आचरण से क्षुब्ध होकर उसे अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके द्वारा किए गए कृत्यों का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। हमारा उससे कोई लेना देना नहीं है। **नफीस अहमद पुत्र इमाम बख्श नि. मोहल्ला मकनियापुरा महोबा, जि0 महोबा**

सूचना

मेरे आधार कार्ड में पिता का नाम पदम प्रकाश बागड़ी है, जबकि शैक्षिक अभिलेखों में पिता का नाम पदम बागड़ी अंकित है। पदम प्रकाश बागड़ी एवं पदम बागड़ी दोनों नाम मेरे पिता के ही है। **रोहित बागड़ी पुत्र श्री पदम प्रकाश बागड़ी निवासी 4/2, किराना बाजार, पुराना कोठा पार्चा, फर्रूखाबाद उ0प्र0**

सूचना

मैंने अपना नाम ABIDA ALI से बदलकर ABID ALI रख लिया है भविष्य में मुझे ABID ALI के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O ABBASALEE R/O PURE LONIYAN ORIPUR, AMETHI

सूचना

मेरी छोटी पुत्री आत्मिका सिंह के पासपोर्ट में त्रुटिवश नाम आत्मिका दर्ज है जबकि आधार कार्ड में आत्मिका सिंह दर्ज है जो कि सही है, पासपोर्ट में आत्मिका सिंह दर्ज करना आवश्यक है। **मुकेश कुमार पुत्र प्रेमशंकर निवासी ए.165 आवास विकास कॉलोनी, थाना दही, जनपद उन्नाव।**

सूचना

मैंने अपना नाम SHAHIDA ALI से बदलकर SHAHID ALI रख लिया है भविष्य में मुझे SHAHID ALI के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O ABID ALI R/O PURE LONIYAN ORIPUR, AMETHI

सूचना

मैंने अपना नाम FAISAL AHMAD से बदलकर FAISHAL AHMAD रख लिया है भविष्य में मुझे FAISHAL AHMAD के नाम से जाना व पहचाना जाये S/O SAGIR AHMAD R/O C-628/89G GAZIPUR INDIRA NAGAR, LUCKNOW

सूचना

मेरी बड़ी पुत्री आंशिका सिंह के पासपोर्ट में त्रुटिवश नाम आंशिका दर्ज है जबकि आधार कार्ड में आंशिका सिंह दर्ज है जो कि सही है, पासपोर्ट में आंशिका सिंह दर्ज करना आवश्यक है। **मुकेश कुमार पुत्र प्रेमशंकर निवासी ए.165 आवास विकास कॉलोनी, थाना दही, जनपद उन्नाव।**

सूचना

मैं **सैय्यद अमीर हैदर रिजवी पुत्र रजा अब्बास, निवासी- ग्राम अब्दुल्लाहपुर शाहजादपुर अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर,** मेरे पिता का वास्तविक नाम RAZA ABBAS है। जबकि मेरे हाईस्कूल अंकपत्र सन 2021 अनुक्रमांक 23102887 में पिता का नाम SAYED RAZA ABBAS RIZVI है। जो त्रुटिपूर्ण है। अतः मेरे हाईस्कूल अंकपत्र में पिता का नाम SAYED RAZA ABBAS RIZVI के स्थान पर RAZA ABBAS अंकित किया जाय।

बच्चों के भविष्य को आकार देते हैं शिक्षक

शिक्षक दिवस पर डीआईओएस ने प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को किया सम्मानित

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार : शिक्षक समाज का वास्तविक निर्माता होता है। वह बच्चों के भविष्य को आकार देते हैं। माध्यमिक विद्यालयों में बेहतर शिक्षा का माहौल बनाकर बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा दी जाए। उक्त बातें शिक्षक दिवस पर डीआईओएस ओमकार राणा ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को सम्मानित करते हुए कही।

इसके पूर्व सर्वपल्ली डा. राधाकृष्णन एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम को शुभारंभ किया गया। डीआईओएस ने कहा कि विद्यालयों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए। बालक-बालिकाओं के अलग शौचालय के साथ ही स्टाफ के लिए भी व्यवस्था कराई जाए। कार्यक्रम को सह जिला विद्यालय निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद, कुलश्रेष्ठ तिवारी, डा.आम्रपाली द्विवेदी, प्रधानाचार्य स्कंद तिवारी आदि ने संबोधित किया। इसके बाद जनपद के राजकीय, एडेड एवं वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के 120 प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को शाल एवं सम्मानपत्र देकर सम्मानित किया गया। जिन प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया उनमें जीजीआईसी की प्रधानाचार्य गीता यादव, अमर जनता इंटर कालेज की प्रधानाचार्य डा. स्निग्धा पांडेय, डा. आम्रपाली द्विवेदी, जीआईसी कांपा के प्रधानाचार्य डा. विंध्याचल सिंह, रामराज इंटर कालेज के प्रधानाचार्य रमेश चंद्र मिश्र, पीबी इंटर कालेज के प्रधानाचार्य डा. अनूप कुमार सिंह, रमेश कुमार तिवारी, विशाल सिंह, डा. मो. अनीस समेत 120 प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

सम्मानित किये गए शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यों के साथ डीआईओएस ओमकार राणा। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

महाकुंभ 2025 पर हुई निबंध प्रतियोगिता

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : कस्बा स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में शुक्रवार को महाकुंभ 2025 आपकी दृष्टि में कैसा था विषय पर निबंध प्रतियोगिता हुई। प्रांतीय योजना के तहत सुरेश मणि सिंह का आगमन हुआ। उन्होंने विद्यालय की समस्त गतिविधियों का निरीक्षण किया और शिक्षा की बेहतरी के लिए आवश्यक निर्देश दिये। पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष रामशरण साहू, उत्कर्ष प्रताप सिंह, पवन गुप्ता अमित वर्मा सहित सहित अनेक भैया बहनों ने आचार्यों को अंग वस्त्र देकर सम्मान किया। निबंध प्रतियोगिता प्रधानाचार्य ओम प्रकाश की देखरेख में संपन्न हुई।

धूमधाम से निकली विसर्जन शोभा यात्रा

सिद्धौर, बाराबंकी, अमृत विचार : गणेश महोत्सव के अंतिम दिन हवन पूजन के बाद धूमधाम से विसर्जन शोभा यात्रा निकाली गई। कोठी थाना क्षेत्र के सेमरावां ग्राम पंचायत में चल रहे सात दिवसीय गणेश महोत्सव के अंतिम दिन आज हवन पूजन व आरती के पश्चात भगवान श्री गणेश की मूर्ति विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में गणेश जी की दिव्य झांकी आकर्षण का केंद्र रही। डीजे शंख घंटा घड़ियाल भांगड़ा नृत्य में शामिल भक्त अंबीर गुलाल उड़ाते गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आना के नारे लगाते रहे। समाज सेवियों द्वारा प्रसाद वितरण कर मूर्ति विसर्जन शोभा यात्रा का स्वागत किया गया। इस मौके पर रामनरेश, दीपू, जय सिंह, गुड्डन सिंह, शिवम सिंह, सुरेश त्रिपाठी, राजा, गोलू राम जी अवस्थी आदि भक्तगण मौजूद रहे।

भंडारे में भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : अनंत चतुर्दशी पर्व के उपलक्ष्य में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए डलमऊ से गंगाजल लेकर लौटे कांवरियों के लिए शुक्रवार को बाबा प्रेमदास कुटी पर सर्राफा व्यापारी द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन आलोक तिवारी, भाजपा मंडल महामंत्री संतोष श्रीवास्तव, करुणेश द्विवेदी, देवानंद तिवारी सहित कस्बा हैदरगढ़ सहित आसपास के कांवरियों एवं शिव भक्तों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

जश्न के माहौल में धूमधाम से निकाला गया जुलूस-ए-मोहम्मदी

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर शुक्रवार को शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में दीन-ए-मोहम्मदी के झंडे शान और शौकत के साथ उठाए गए। अंजुमनों का स्वागत करने के लिए जगह-जगह स्टाल लगाए गए। वहीं देवा मजार को रंग-बिरंगी झालरों से सजाया गया। सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम रहे।

शहर में दीन-ए-मोहम्मदी के झंडे का जुलूस सट्टी बाजार में स्थित पानी टंकी से मौलाना की तकरीर के बाद उठाया गया। जुलूस में अंजुमनों की ओर से नाते पाक पढ़कर मोहम्मद मुस्तफा और मदहे सहाबा को याद किया गया। बंकी नगर पंचायत में जुलूस निकाला गया। जुलूस में शामिल मुस्लिम समुदाय के लोग सरकार की आमद मरहबा के नारे लगाते चल रहे थे। जैदपुर कस्बे में भी झंडे निकाले गए। कोठी प्रतिनिधि के अनुसार थाना क्षेत्र अंतर्गत शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद कोटवा लाखोपुर बुधनई गांव होते हुए पैगंबर इस्लाम हजरत मोहम्मद के जन्मदिन पर मरकजी जुलूस निकाला गया। बिना किसी भेदभाव के सभी धर्म के लोग शामिल रहे। यह जुलूस मुख्य मार्ग होते हुए बक्सावां गांव पहुंच कर समाप्त हुआ। इसके बाद महिलाओं एवं पुरुषों को मिठाई बांटी गई। इस मौके पर जाबिर अली, खलील मोहम्मद, मुमताज अहमद, मोहम्मद आदिल, रिजवान, शाहिद आदि मौजूद रहे।

जुलूस में शामिल मुस्लिम समुदाय के लोग। ● अमृत विचार

रामसनेहीघाट प्रतिनिधि के अनुसार कस्बा में शुक्रवार को जुलूस निकाला गया। जुलूस धरौली से शुरू होकर भिटरिया, तहसील होते हुए शहीद मर्द बाबा की मजार सुमेरगंज तक पहुंचा। सुरक्षा व्यवस्था की कमान सीओ रामसनेहीघाट जटा शंकर मिश्रा ने संभाली, वहीं नायब तहसीलदार उमेश द्विवेदी, कोतवाली प्रभारी अंकित त्रिपाठी और अन्य पुलिस बल भी मौजूद रहा।

मसौली प्रतिनिधि के अनुसार पैगम्बर- ए-इस्लाम हजरत मुहम्मद के यौमे पैदाइश की याद में गांव-गलियों में रोशनी की गयीं। क़स्बा बांसा शरीफ में दरगाह हज़रत सैय्यद अब्दुर्रज्जाक शाह से जुलूस निकाला गया। जुलूस अपने निर्धारित मार्गों से भ्रमण करते हुए ईदगाह तक गया। इसी क्रम में क़स्बा बड़ागांव मे बड़ी चौक से झंडा जुलुस निकाला गया जिसका समापन हजरत काजी शहाबुद्दीन औलिया के आस्ताने पर हुआ। हैदरगढ़ प्रतिनिधि के अनुसार, बरचौरा में निकले जुलूस का लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कार्यक्रम में पप्पू सिद्दीकी, शब्बीर पहाड़ी, सभासद आसिफ कुरेशी, सरवर सिद्दीकी, रजा खान, छोटे अय्यूब कुरैशी उर्फ मुनीम, जाहिद हाफिज, बाबू शाह समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। सिरौलीगौसपुर प्रतिनिधि के अनुसार, बदोसरांय में अंजुमन-ए-सैदाए मुस्तफा की ओर से जुलूस निकाला गया। यह जुलूस सूफी संत हजरत मलामत शाह तकिया से प्रारंभ होकर गली-कूचों से होते हुए शाम को संपन्न हुआ। हाफिज व कारी नजमुद्दीन कादरी ने संबोधित किया। जुलूस मार्ग पर जगह-जगह पुष्पवर्षा और मिष्ठान्न वितरित किया गया। जुलूस के दौरान युवाओं ने पुलिसकर्मियों को बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के लिए फूलमालाएं पहनाकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर हाफिज मुस्ताक मतीन, प्रधान निसार मेहंदी, अब्दुल वारिस, कफील कुरेशी, मो.काशिफ, हाजी नफीस सहित सैकड़ों अकीदतमंद शामिल हुए।

धरे गए छेड़छाड़ करने वाले सगे भाई

सूरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : कॉलेज छात्रा से सरेराह छेड़छाड़ करने वाले आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी सगे भाई है। मोहम्मदपुर खाला थाना के एक गांव की छात्रा गुरुवार की दोपहर कॉलेज से घर जा रही थी।

तभी बाइक सवार दो युवकों ने उसके संग सरेराह छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया था। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक की खोजबीन शुरू कर दी। वहीं शुक्रवार को पुलिस ने दोनों युवकों को पकड़ लिया है। पकड़े गए युवक इसी थाना के मौसंडी निवासी इस्लामुद्दीन और शाहरूख हैं। थानाध्यक्ष आशुतोष मिश्रा ने बताया कि दोनों को न्यायालय से जेल भेज दिया गया है।

साथी को सिपाही के थप्पड़ मारने से भड़के कांवरिये

मार्ग जाम कर घंटों किया प्रदर्शन, कार्रवाई केआश्वासन पर माने

संवाददाता, हैदरगढ़, बाराबंकी

अमृत विचार : औसानेश्वर मंदिर मार्ग पर शुक्रवार दोपहर उस समय हंगामा हो गया जब एक कांवरिये को पुलिसकर्मी ने थप्पड़ मार दिया। इस घटना के बाद सैकड़ों कांवरियों ने हैदरगढ़-कोठी मार्ग को जाम कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। करीब पांच घंटे तक कांवरिये प्रदर्शन करते रहे। अफसरों ने कांवरियों से माफी मांगी और सिपाही के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया, तब मामला शांत हुआ।

अमेठी के थाना शिवरतनगंज क्षेत्र से दो हजार से अधिक कांवरियों का जत्था डीजे और ढोल-नगाड़ों के साथ डलमऊ से गंगाजल लेकर औसानेश्वर मंदिर जा रहा था। इसी जत्थे में पेंडारा गांव निवासी पिंटू मौर्य अपनी वैन में ठंडा पानी भरकर कांवरियों को पिला रहा था। जब वह वाहन लेकर मंदिर मार्ग पर बढ़ा तो ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने

हैदरगढ़-कोठी मार्ग जाम कर प्रदर्शन करते कांवरिये। ● अमृत विचार

सुरक्षा कारणों से उसे रोक दिया। इसी दौरान एक सिपाही ने पिंटू को थप्पड़ मार दिया। पिटाई से आहत पिंटू घर लौट गया, लेकिन इसकी जानकारी साथी कांवरियों को मिलने के बाद माहौल गरमा गया। कांवरियों ने मंदिर मोड़ पर सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस बीच आरोपित सिपाही मौके से फरार हो गया। सूचना पर एसडीएम राजेश विश्वकर्मा, सीओ समीर कुमार सिंह और कोतवाल अभिमन्यु मल्ल पुलिस बल के साथ पहुंचे। अधिकारियों ने कांवरियों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह आरोपी सिपाही को मौके पर बुलाकर माफी मंगवाने की मांग पर अड़े रहे। एएसपी रितेश कुमार सिंह भी औसानेश्वर मंदिर पहुंचे, इसके बाद अफसरों ने कांवरियों से माफी मांगते हुए दोषी पुलिसकर्मी पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद कांवरियों का आक्रोश शांत हुआ।

स्कूल वैन का गेट खुलने से दो बच्चे घायल

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : छुट्टी के बाद बच्चों को लेकर घर जा रही एक स्कूल वैन का खराब गेट अचानक खुल जाने से दो बच्चे हाईवे पर गिरकर घायल हो गए।

क्षेत्र के कस्बा गणेशपुर निवासी शिवम अग्रवाल का छह वर्षीय पुत्र गौरिक और बड़नपुर निवासी दान सिंह का छह वर्षीय पुत्र अक्षत बुढ़वल चौराहा स्थित एसबीपीएम स्कूल में यूकेजी के छात्र हैं। गुरुवार को छुट्टी के बाद दोनों बच्चे करीब एक दर्जन अन्य छात्रों के साथ वैन से घर लौट रहे थे। वैन राजा बाजार मार्ग के समीप पहुंची, अचानक गेट खुल गया और दोनों गिर पड़े। वैन चालक ने घायल बच्चों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। परिजनों ने विद्यालय प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया। एसबीपीएम स्कूल के प्रबंधक संतोष तिवारी ने बताया कि वैन का गेट खराब नहीं था। किसी बच्चे ने अंदर से खोल दिया था। बच्चों को मामूली चोटें आईं। उनके माता-पिता की मौजूदगी में इलाज करवाया गया। बीएसए रमेश चंद्रा ने बताया कि घटना संज्ञान में आई है। स्कूल से बात कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एबीवीपी ने निकाला मशाल जुलूस

लाठीचार्ज का मामला

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : श्रीरामस्वरूप विश्वविद्यालय के बाहर एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में शुक्रवार की शाम अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत मशाल जुलूस निकाल कर अपना विरोध दर्ज कराया।

विभाग संगठन मंत्री आकाश शुक्ला के नेतृत्व में यह जुलूस छाया चौराहे से प्रारंभ होकर गुरुद्वारा, लखपेड़ा बाग चौराहा होते हुए सतरिख नाका चौराहा पर संपन्न हुआ। इसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए। पदाधिकारियों ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग उठाने वाले छात्रों पर पुलिसिया लाठीचार्ज निंदनीय है। कार्यकर्ताओं ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर आकाश शुक्ला, देवेंद्र प्रताप सिंह, कार्तिकेय मिश्रा, योगेश सिंह, आदर्श सिंह, प्रांशी वाजपेई, स्तुति, ईशा गुप्ता, जिज्ञासा, विश्वजीत, दीपू पाठक, शशांक गुप्ता, शशांक मिश्रा, शिवम मिश्रा, दिव्यांशु प्रताप सिंह, पुलकित आदि थे।

लाठीचार्ज के विरोध में मशाल जुलूस निकालते एबीवीपी के पदाधिकारी।

माहौल बिगाड़ने वाले दो युवकों को पुलिस ने दबोचा

रोहित।

उदय।

बाराबंकी, अमृत विचार : श्री राम स्वरूप यूनिवर्सिटी के बाहर लाठीचार्ज कांड के बाद कार्रवाई का दौर जारी है। एबीवीपी की तहरीर पर कोई निर्णय तो नहीं हुआ लेकिन अपर सचिव की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट के आधार पर कोतवाली पुलिस ने दो युवकों को दबोचा है। इन्हें माहौल बिगाड़ने का जिम्मेदार माना गया है। शहर कोतवाली पुलिस ने उदयराज तिवारी व रोहित कुमार सिंह निवासी ग्राम हडौरी थाना कोतवाली नगर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में रोहित सिंह का नाम अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में भी शामिल था। हालांकि तीन नाम और भी दिए गए लेकिन अब तक एबीवीपी की तहरीर पर पुलिस द्वारा कोई निर्णय नहीं किया जा सका है। एबीवीपी की ओर से पुलिस को दी गयी तहरीर में आरोप लगाया गया था कि रोहित आदि ने वहां पर अराजकता फैलाई। इसके बाद माहौल खराब हुआ और पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इस मामले में पूर्व में ही चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किया जा चुका है वहीं अन्य की भूमिका की जांच की जा रही।

सोते समय वृद्ध पर बांका से हमला, हालत गंभीर

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम डमौल में आपसी विवाद के चलते एक वृद्ध पर रात में सोते समय बांका से जानलेवा हमला कर दिया गया। हमले में गंभीर रूप से घायल वृद्ध को पहले जिला अस्पताल, बाद में लोहिया अस्पताल लखनऊ रेफर किया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

ग्राम डमौल निवासी आशाराम ने 3 सितम्बर की रात लगभग 8 बजे हुए पारिवारिक विवाद में बीच-बचाव कराकर समझौता करा दिया था। इसके बाद वह घर के आंगन में सोने चले गए। बताया जाता है कि इसी रंजिश के चलते देर रात करीब 1:30 बजे गांव के ही श्रवण व अर्जुन वहां पहुंचे। आरोप है कि अर्जुन ने आशाराम को पकड़ लिया और श्रवण ने उनके सिर पर बांका से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से आशाराम मौके पर ही बेहोश हो गए। परिजनों ने घायल को जिला अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया। परिजनों का कहना है कि हमलावर जाते समय जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। सूचना पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक पर जानलेवा हमला

बाराबंकी, अमृत विचार : शहर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक पर जानलेवा हमला किया गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। महादेव सिटी में रहने वाला अखिलेश कुमार मंगलवार देर रात सिंह पेट्रोल पंप के पीछे से बाहर निकले थे। इसी दौरान पेनापुरवा निवासी जितेंद्र पुत्र रामनरेश अपने चार अज्ञात साथियों के साथ पहले से घात लगाए बैठा था। आरोप है कि उन्होंने मिलकर अखिलेश को घेर लिया हमला कर दिया।। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रेमिका से मिलने आया युवक झुलसा

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : लोनीकटरा थाना क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार को प्रेमिका से मिलने आया नगराम थाना क्षेत्र के गुरु बक्स खेड़ा निवासी राजेश संदिग्ध दशा में झुलस गया। राजेश का गांव की एक युवती से से शादी से पहले से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती की शादी हो गयी है। प्रेम संबंध की जानकारी पति को मिलते ही उसने युवती को मायके भेज दिया। तब से वह करीब एक वर्ष से मायके में रह रही है। उसके दो बच्चे भी हैं। इसी बीच शुक्रवार को युवती ने राजेश को बुलाया। मुलाकात के दौरान युवती के पिता रामचंद्र ने दोनों को देख लिया। इसी दौरान राजेश ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का प्रयास किया। हालांकि राजेश का आरोप है कि उस पर पेट्रोल डालकर आग शालिनी के पिता ने लगाई। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने झुलसे राजेश को अस्पताल भिजवाया और शालिनी व उसके पिता को हिरासत में ले लिया है।

डिवाइडर से टकराए डंपर में लगी आग

● चालक और खलासी ने कूदकर बचाई अपनी जान

संवाददाता, निन्दूरा, बाराबंकी

अमृत विचार : लखनऊ -महमूदाबाद मार्ग पर दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जगह- जगह डिवाइडर बनाए गए हैं लेकिन अभी तक सड़क व डिवाइडर पर कई जगह रिफ्लेक्टर नहीं लगाए गए हैं। जिसके चलते वाहन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं।

शुक्रवार देर रात बड्डूपुर थाना क्षेत्र के रीवा सीवा गांव के निकट महमूदाबाद की तरफ से आ रहा एक डंपर डिवाइडर में जा घुसा।यह डंपर सीतापुर से कानपुर गिट्टी लादने जा रहा था। डंपर की रफ्तार इतनी तेज था कि टक्कर के बाद उसमें आग लग गई। हादसे में चालक व खलासी ने कूद कर जान बचाई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया लेकिन

धू-धूकर जलता डंपर।

तब तक डंपर का अगला हिस्सा जलकर राख हो गया। एक सप्ताह में दूसरी बार हादसा हुआ है। बीते 28 अगस्त को रीवा सीवा चौराहे के निकट ही एक डंपर इसी डिवाइडर में जा घुसा था। डंपर मौरंग खाली कर वापस लौट रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि डिवाइडर के साथ सड़क का चौड़ीकरण तो कर दिया गया है लेकिन सड़क पर रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई है।

घटने लगा जलस्तर, कटान शुरू

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : एक बार फिर लाल निशान से 47 सेमी ऊपर जाकर सरयू नदी का जलस्तर घटने लगा है। हालांकि नदी घटने पर भी किनारों पर कटान जारी रखते हुए नुकसान कर रही है। तटबंध की ओर निकल चुके ग्रामीण अब टकटकी लगाए नदी की ओर देख रहे हैं। वहीं गांवों में घुस चुके पानी ने खेत, घर जलमग्न कर रखा है जिससे पशुओं के चारे की दिक्कत भी बढ़ गई है।

बता दें कि पहाड़ों पर हुई बारिश व नेपाल से सटे दो बैराजों से छोड़े गए पानी से सरयू नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ना शुरु हो गया। नदी के लाल निशान से करीब 47 सेमी ऊपर तक जाकर ठहरा जलस्तर फिर से घटने लगा है। यही स्थिति गत 7 अगस्त को भी सामने आई थी। उस समय भी 47 सेमी ऊपर जाने के बाद जलस्तर घटना शुरु हो गया था। तटबंध पर रुके ग्रामीण अभी गांव वापस

कटान के मुहाने पर झोपड़ी। ● अमृत विचार

● लाल निशान के ऊपर 47 सेमी पहुंच गया था सरयू का जलस्तर

लौटने का इरादा बना ही रहे थे कि एक बार फिर नदी ने अपने उतार चढ़ाव वाले स्वभाव से रूबरू करा दिया। वर्तमान में जलस्तर घटना तो शुरू हो गया है लेकिन दर्जनों गांवों की दुश्वारियां जस की तस हैं। गांवों में खेत, जमीन, घर, पंचायत घर, स्कूल पानी से घिरे हुए हैं। जलस्तर बढ़ते देख ग्रामीणों ने यहां से पलायन करना शुरू कर दिया था और प्रशासन ने जगह छोड़ने की चेतावनी भी दी। पानी घटने से प्रशासन ने तो राहत की सांस ली लेकिन ग्रामीणों के सामने दुरूह स्थिति है।

शिक्षक दिवस | विभिन्न शिक्षण संस्थानों में सम्मानित किये गये गुरुजन

शिक्षा को समाज सुधार का साधन मानते थे डॉ. राधाकृष्णन

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार जिलेभर में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। विभिन्न शिक्षण संस्थानों व प्रतिष्ठानों में आयोजित कार्यक्रमों में शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

बीएसए कार्यालय में मुख्य समारोह आयोजित हुआ। इसमें जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत ने डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों, शिक्षिकाओं, वार्डन एवं व्यायाम शिक्षकों को सम्मानित किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष देव, जिला समन्वयक बालिका शिक्षा पुनीत मणि त्रिपाठी, जिला समन्वयक मध्याह्न भोजन डॉ. पीयूष श्रीवास्तव, राहुल शुक्ला, एमआईएम इंचार्ज पंकज वर्मा, ऋषि टंडन, विजय, देवेंद्र आदि मौजूद रहे। संचालन जिला स्काउट मास्टर राजेंद्र त्रिपाठी ने किया।

शिक्षक दिवस पर सम्मानित किये गये गुरुजन। ● अमृत विचार

इसी क्रम में सपा कार्यालय पर शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित हुआ। जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद ने शिक्षकों को सम्मानित किया। पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप ने अपने निवास पर शिक्षकों को सम्मानित किया। रामनगर प्रतिनिधि के अनुसार रामनगर पीजी कॉलेज में प्राचार्य प्रो. कौशलेंद्र विक्रम मिश्र की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्राचार्य ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन केवल शिक्षक ही नहीं बल्कि आदर्श मार्गदर्शक थे, जिन्होंने शिक्षा को जीवन का आधार और समाज सुधार का साधन माना। हैदरगढ़ प्रतिनिधि के अनुसार ओमप्रकाश अवस्थी के प्रतिष्ठान पर शिक्षक दिवस मनाया गया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय कमेला में बच्चों ने कक्षाओं को सजाकर शिक्षकों का अभिनंदन किया। रामसनेहीघाट प्रतिनिधि के अनुसार, यूनिवर्सल गर्ल्स इंटर कॉलेज, कोटवा सड़क में उपप्रबंधक हुकुम सिंह वर्मा ने शिक्षकों को समाज का वास्तविक निर्माता बताया। प्रधानाचार्या माधवी शुक्ला ने छात्राओं से गुरुजनों का सम्मान करने का आह्वान किया। वहीं, मालिनपुर स्थित एक निजी संस्थान में भाजपा एमएलसी अंगद सिंह ने शिक्षकों को सम्मानित करते हुए कहा कि यह दिन हमें शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है।

भूमि विवाद में चलीं लाठियां, कई घायल

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम बिलखिया में शुक्रवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने से करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर भिजवाया। पहले पक्ष के घायल व्यक्तियों में नेकपाल (52), छब्बा (35), रामकरण (26) और संदीप (22) की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं कमलेश (64) और सूरज (18) का इलाज स्थानीय सीएचसी पर चल रहा है। दूसरे पक्ष के घायलों में लायक राम (32) और बबलू (40) निवासी सेमराय की हालत नाजुक होने पर उन्हें भी जिला अस्पताल भेजा गया।

जन्मदिन पर सपा जिला प्रवक्ता को बधाई देते गोप व अन्य लोग। ● अमृत विचार

सपा जिला प्रवक्ता को जन्मदिन पर दी बधाई

बाराबंकी, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रधान के जन्मदिन के अवसर पर उन्हे बधाई दी गई। पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप द्वारा अपने आवास पर व पार्टी के जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ जिला पार्टी कार्यालय एवं पूर्व विधान परिषद सदस्य राजेश यादव राजू ने निरीक्षण भवन गेस्ट हाउस में साथियों संग प्रवक्ता को गुलदस्ता, अंग वस्त्र भेंट किया व केक खिलाकर जन्मदिन की बधाई दी। सभी ने वीरेंद्र प्रधान के स्वस्थ होने की कामना की। इस अवसर पर पूर्व विधायक रामगोपाल रावत, जिला उपाध्यक्ष कामता प्रसाद यादव, जिला कोषाध्यक्ष प्रीतम सिंह वर्मा, व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष निर्मल वर्मा, पूर्व अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ जसवंत यादव, छात्र सभा महासचिव नितिन वर्मा, कार्यालय सचिव राजकुमार वर्मा, सानू सिंह राठौड़, बलराम सिंह, सुरेश चंद्र गौतम, संतोष रावत, अनिल यादव, शांति ओम, संतोष कुमार वर्मा, डॉक्टर ओम कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार,6 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

युवक का मिला शव हत्या की आशंका

सीतापुर,अमृत विचार : रामपुर कलां थाना क्षेत्र में थाने से महज 500 मीटर दूर सड़क किनारे एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। देर शाम युवक की हुई पहचान रामपुर कलां गांव निवासी आशीष मिश्रा पुत्र राघवेन्द्र मिश्रा के रूप में हुई। परिवार के लोगों का दावा है कि आशीष की हत्या की गई, इसमें हाथ उसके दोस्तों का है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की है। दोस्तों के फोन बंद बताए जा रहे हैं।

नूर सबा को मिला उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान

नूर सबा को सम्मानित करते बीएसए।

लहरपुर,अमृत विचार : शहर बाजार प्राथमिक विद्यालय की इंचार्ज प्रधान अध्यापिका नूरसबा खातून को जिला स्तरीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी अभिषेक आनंद व भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला की उपस्थिति में किया गया। बेसिक अधिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालय शहर बाजार लहरपुर की इंचार्ज प्रधान अध्यापिका नूरसबा खातून, मुशीर अहमद प्रधान अध्यापक डिंगुरापुर, आदित्य कुमार राठौर, मधुशील शुक्ला इंचार्ज प्रधानाध्यापक, संध्या वर्मा को सम्मानित किया गया।

प्रशिक्षण में सिखाई गयीं नई शिक्षण की विधाएं

सीतापुर,अमृत विचार : पिसावां कस्बे के राजकीय कन्या इंटर कालेज चल रहे पांच दिवसीय एफएलएन एवं नवविकसित एनसीईआरटी आधारित पाठ्यपुस्तकों पर समझ विकसित करने के लिए प्रशिक्षण में शिक्षकों को आसान विद्याएं सिखाई गईं। एआरपी अमित कुमार त्रिवेदी ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसाओं को लागू करने के लिए निपुण भारत मिशन गतिमान है, इस मिशन के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों को हमसभी को 2026-27तक प्राप्त किया जाना है। उन्होंने बताया कि कुल 852 शिक्षकों एवं शिक्षामित्रों में अभी तक 100-100 के 6 बैचों के ट्रेनिंग दी जा चुकी है। पाठ्यक्रम को निर्धारित माह में ही पूरा किया जाना चाहिए। प्रशिक्षण में शोभित श्रीवास्तव एआरपी अंग्रेजी, विकास बाजपेई एआरपी सामाजिक विज्ञान, अम्बुज कुमार त्रिवेदी आदि मौजूद थे।

मूड़ाकला गांव पहुंची फाइलेरिया टीम

सीतापुर,अमृत विचार : पिसावां में फाईलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत केंद्र सरकार की टीम मूड़ाकला पहुंची। टीम ने एमडीए प्रोग्राम की समीक्षा करते हुए इंकार लोगों को जागरूक भी किया। टीम ने सर्वप्रथम संचालित फाईलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का फीड बैक लिया। इसके साथ ही मूडाकला गांव में पर्यवेक्षण किया। टीम द्वारा एएनएम शिवांगी पांडेय, आशा बहु सुनीता देवी, सीएचओ आदेश कुमार के अन्य कार्यों की स्थलीय समीक्षा भी की गई। टीम द्वारा गांव में भ्रमण करते हुए फाइलेरिया की दवा न खाने वाले लोगों को सम्बन्धित बीमारी, लक्षण आदि के विषय में भी जानकारी दी गई।

चांदपुर व गोहरी गांव में फैल रहा संक्रमण

मिश्रिख (सीतापुर),अमृत विचार : मिश्रिख क्षेत्र के ग्राम पंचायत अटवा के मजरा चांदपुर और गोहरी गांवों में बुखार का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। करीब 80 घरों में 50 से अधिक लोग बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। लोग बिना जांच के ही दवाइयों का सेवन करने को मजबूर हैं। ग्रामीण हर्ष, राजाराम, अतुल, रामजीवन, प्रमोद, भाईलाल, सुरजीत और दीपक का दावा है कि कई सालों से गांव में सफाईकर्मी नहीं आए और न ही एंटीलार्वा का छिड़काव हुआ है। दोनों गांवों में बड़ी संख्या में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग बुखार, खांसी, जुकाम और सिरदर्द से पीड़ित हैं।

समाचार पत्र वितरक के निधन पर शोक

खैराबाद,अमृत विचार : कस्बे में पिछले 25 वर्षों से अखबार वितरण सेवा में लगे नफीस बेग का अचानक आए बुखार से निधन हो गया। वे 70 वर्ष से अधिक उम्र के थे। नफीस बेग का पूरा जीवन कस्बे में समाचार पत्र वितरण में बीता। उनके निधन की खबर पाकर बड़ी संख्या में समाज से जुड़े हर वर्ग के लोगों ने उनके घर पहुंचकर शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। रामू कनौजिया, जयमल सिंह, अंकित गुप्ता, शिबली रियाज, रवि जायसवाल, पुतान, कुलदीप जायसवाल, प्रकाश शुक्ला आदि ने शोक व्यक्त किया।

जुलूस के दौरान ऊंट पर सवार होकर निकलती अंजुमन। अमृत विचार

कोट चौराहे पर मौजूद घुड़सवार नौजवान। अमृत विचार

जुलूस ए मोहम्मदी में शामिल बच्चे। अमृत विचार

सरकार की आमद मरहबा-मरहबा, रसूल की आमद मरहबा

जुलूस-ए-मोहम्मदी में शामिल रहे ऊंट-घोड़े, अंजुमनों ने किया प्रतिभाग, पुलिस और पीएसी भी रही मुस्तैद

अमृत विचार टीम,सीतापुर

अमृत विचार : पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब की यौम-ए-पैदाइश पर शहर से लेकर कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों ईद मिलाद-उन-नबी के मौके पर जश्न मना। पुराना शहर, खैराबाद कस्बा, बिसवां, महमूदाबाद सहित अन्य स्थानों पर गलियां और सड़कें झूमरों, झालरों और बल्बों की रोशनी से जगमगा उठीं। जगह-जगह नातख्वानी हुई और फिजाएं सरकार की आमद मरहबा और जश्ने आमद-ए-रसूल के नारों से देर रात तक गूंजती रहीं।

पुराने शहर में कमेटी की ओर से बड़ी संख्या में अंजुमनें शामिल हुईं, ऊंट, घोड़ों के साथ परचम फहराते हुए बच्चे भी शामिल हुए। पुराना शहर के मुख्य मार्गों से होता हुआ जुलूस मोहल्ला कोट पर समाप्त हुआ। नातख्वानी के साथ-साथ रसूल-ए-पाक के बताए गए रास्तों पर चलने की हिदायत दी गई। सुरक्षा में कई थानों की पुलिस के साथ पीएसी भी हमराह रही। इस दौरान मुजीब अहमद, कारी सलाहुद्दीन, अकील अंकल, जावेद, तनवीर, शाहनवाज सहित अन्य मौजूद थे।

खैराबाद में शेखसरांय से निकला जुलूस : खैराबाद कस्बे में बड़ी संख्या में अंजुमन कस्बे के मोहल्ला शेखसरांय में जमा हुईं। यहां से जुलस ऊंट, घोड़े, चौपहिया वाहन और बाइकों के साथ पुराना शहर की ओर रवाना हुआ। रास्ते में जगह-जगह अंजुमनों का स्वागत फूल-मालाओं के साथ किया गया। इस दौरान जश्ने ईद मिलादुन्नबी जिंदाबाद, रसूल की आमद मरहबा जैसे नारे गूंजते रहे। अंजुमनों ने नातें पेश कीं।

वाहनों पर लहराया तिरंगा : पुराने शहर पहुंची अंजुमनों के वाहनों पर तिरंगे और इस्लामिक परचम थे। किसी ने बाइक सजा रखी थी, कई ऐसे भी थे जो घोड़े पर विभिन्न पोशाकों में सवार थे। ऊंच भी सजे-धजे थे। गुलाब और गेंदा से सजे वाहन जश्न की रौनक बढ़ा रहे थे।

महमूदाबाद कस्बे में जुलूस को रवाना करते नगर पालिका अध्यक्ष। अमृत विचार

महमूदाबाद में चेयरमैन ने दिखायी हरी झंडी

महमूदाबाद। कस्बे के बेलदारी टोला मोहल्ला स्थित मदरसा नूरुल उलूम कादरिया से हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस पर झंडा जुलूस निकाला गया। जुलूस का नेतृत्व मौलाना नूरुलहुदा ने किया, जबकि चेयरमैन अमीर आराफात ने फीता काटकर हरी झंडी दिखाते हुए जुलूस को आगे रवाना किया। जुलूस अपने कदीमी मार्ग ठठेरी रोड, बस स्टॉप, राजा रोड, पैगंबरपुर, चिकमंडी चौहरा, बीबीपुर रोड और कुरैशी टोला से होता हुआ असलम सेक्रेट्री के दरवाजे पर जाकर संपन्न हुआ। सदरपुर, इमलिया, सिधौली, बाड़ी, पैंतेपुर, बेलहरा, सेवता, फतेपुर और सूरतगंज समेत दूर दराज से आई अंजुमनों ने जुलूस में प्रतिभाग किया। नात पढ़ने वालों को पुरस्कृत किया गया।

पुराने शहर में मुख्य मार्ग पर सजीं झालरें।

तंबौर में निकलीं आकर्षक झांकियां

तंबौर,अमृत विचार : कस्बा तंबौर में जुलूस- ए- मोहम्मदी का जुलूस निकाला गया। जुलूस में काबा, मस्जिद-ए-नबवी, घोड़े समेत अन्य आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं। इस मौके पर आजम बैग, सदाकत अली, शेख जिया उल्ला, रेहान खान सभासद, जईम खान, खालिद मंसूरी, नफीस अहमद सहित अन्य मौजूद थे।

माता अनुसुइया की कथा का रसपान

लहरपुर,अमृत विचार : नगर के मोहल्ला काजी टोला में स्थित श्री योगेश्वर महादेव मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में प्रवाचिका साध्वी शिवांगी शास्त्री नैमिष धाम ने उपस्थित श्रद्धालुओं को माता अनुसुइया की कथा का रसपान कराया। मंदिर प्रांगण में श्रीमद् भागवत कथा की अमृत वर्षा करते हुए उन्होंने कहा कि नारद मुनि ने माता पार्वती, सरस्वती और माता लक्ष्मी को माता अनुसूइया के पतिव्रत सतीत्व के बारे में बताया। जिस पर ईर्ष्या वश तीनों ने अपने पति ब्रह्मा, विष्णु, महेश को माता अनुसुइया की परीक्षा लेने के लिए कहा। देवियों के आग्रह पर त्रिदेव ने साधु भेष रखकर माता अनुसुइया की परीक्षा लेनी चाही लेकिन माता के द्वारा अपने पतिव्रत धर्म की शक्ति से तीनों देवताओं को पहचान लिया। इस मौके पर राजेंद्र राजपूत, पंकजपुरी, श्रीराम कपूर, रामशरण पुरी, सहित भारी संख्या में श्रद्धालु महिलाएं बच्चे उपस्थित थे।

श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

जलविहार में श्रीकृष्ण की लीलाओं का मंचन

सेवता,अमृत विचार : चन्द्रसेनी के हनुमान मंदिर पर जल विहार महोत्सव धूम-धाम से मनाया गया। श्री कृष्ण जन्माष्टमी जलविहार में भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश भगवान की पूजा अर्चना के बाद की गई। वृंदावन के मशहूर कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक झांकी दिखाई गई। श्रीकृष्ण लीला, शिव विहाव, कृष्ण सुदामा मिलन, कंस वध, नरसिंह अवतार, हिरणाकश्यप वध आदि झांकियां दिखाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप संत त्यागी महाराज रहे। इस दौरान सांसद राकेश राठौर, बिसवां पूर्व विधायक महेंद्र कुमार सिंह यादव, चंद्रकुमार मिश्रा बापू, तौकीर अहमद लल्लन, जिला पंचायत सदस्य पवन सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कुत्तों के झुण्ड का हमला, 12 लोग जख्मी

संवाददाता लहरपुर, सीतापुर

अमृत विचार : कुत्तों का झुण्ड दहशत बढ़ाने के साथ हमले भी करने लगा है। लहरपुर कस्बे के तीन मोहल्लों में झुण्ड हमलावर हुआ और 12 लोगों को जख्मी कर दिया। सभी का उपचार स्वास्थ्य केंद्र में हो रहा है। पालिका प्रशासन का दावा है कि कुत्तों को पकड़ने का अभियान चलाया जाएगा। लहरपुर कस्बे के मोहल्ला छावनी की साबरीन पुत्री नाजिम खां अपने घर के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान कुत्ते ने छपटकर उसके हाथ को बुरी जख्मी कर दिया।

शोर सुनकर बचाने आईं कय्यूम की 25 वर्षीय पत्नी सीमा जख्मी हो गईं। बताते हैं कि भीड़ ने झुण्ड को दौड़ाया तो कुत्ते भाग निकले, रास्ते में 15 राहिल को बुरी तरह काटकर जख्मी कर दिया। पाटनदीन चौराहे पर पहुंचे बसहिया टोला निवासी उत्कर्ष पुत्र दिनेश को भी नहीं छोड़ा। इसी क्रम में लोखरियापुर के रियाज (38), अब्दुल रहमान (4) और मोहम्मद अनीस को शरीर के कई हिस्सों पर काट लिया। अलबटनपुर निवासी 40 वर्षीय श्रीकेशन के मुताबिक, उस पर भी कुत्तों के झुण्ड ने हमला कर दिया, किसी तरह जान बच सकी। मोहल्ला चिक्की टोला निवासी 7 वर्षीय शोएब और मोहल्ला मीरा टोला निवासी 7 वर्षीय निहारिका को भी घायल किया। काजी टोला निवासी उत्कर्ष कुमार (10) और सुल्तानापुर शाहपुर निवासी फैजान (16) को भी काटकर घायल कर दिया। सभी का परिजनों द्वारा स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर उपचार कराया। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी अनूप राय का कहना है कि पालिका के पास कुत्तों को पकड़ने के कोई संसाधन उपलब्ध नहीं है, फिर भी अभियान चलाकर कुत्तों को पकड़ने का प्रयास कराया जाएगा।

स्वास्थ्य केंद्र में उपचार कराने आए किशोरी व अन्य।

तीन साल बाद मिला बीमा का लाभ

रेउसा,अमृत विचार : विकासखंड के असईपुर के राजकुमार पुत्र सोनासर यादव की लगभग 3 साल पहले शारदा नदी में डूब कर मौत हो गई थी। बैंक टीम द्वारा पैरवी करने के तीन साल बाद बीमा का क्लेम बीमा मिल गया। बैंक अधिकारी करुणेश वर्मा ने मृतक के बच्चों की एफडी करवाई, इस दौरान शाखा प्रबंधक संजय कुमार, बैंक कृषि अधिकारी करुणेश वर्मा, बैंक अधिकारी अमरीश कुमार मौजद थे।

चोरों ने समेटा नकदी व सामान

संदना,अमृत विचार : संदना थाना क्षेत्र के मोहकमगंज और कोदिकापुर में चोरों ने धावा बोला। रामसागर के मुताबिक, वह अपनी पत्नी बच्चों के साथ बरामदे में सो रहा था। शातिरों ने घर में रखी 30 हजार नकदी, पत्नी के जेवरात तथा कुछ कीमती कपड़े चोरों ने समेट लिये, बाद में कोदिकापुर निवासी लक्ष्मण के घर को निशाना बनाया, यहां नकब लगाने के दौरान गृहस्वामी की आंख खुल गई। चीख पुकार के बीच शातिर फरार हो गए। उधर, कोतवाली नगर के पुराना शहर में शरीफ अंसारी की कार सिटी स्टेशन के करीब खड़ी थी। इसी दौरान चोर वाहन के चारों टायर चुरा ले गए।

हादसे में युवक गंभीर

लहरपुर,अमृत विचार : तंबौर मार्ग पर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिंगनापुर के निकट बहेरवां मोड़ पर एक अज्ञात चौपहिया वाहन की चपेट में स्कूटी सवार आ गया। सड़क हादसे में 30 वर्षीय शुभम त्रिपाठी गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक को जिला अस्पताल में भर्ती है जहां हालत गंभीर बतायी जा रही है।

गौशाला में तीन गोवंश मृत मिले, कई कमजोर

गोवंशों को दूसरी गौशाला भिजवाते ब्लॉक अधिकारी। अमृत विचार

संवाददाता पहला, सीतापुर

- बीडीओ के आदेश पर विकास पहला की ग्राम पंचायत कंदई महिमापुर का हुआ निरीक्षण तो खुला राज, गोवंश किये गए स्थानांतरित

अमृत विचार: शिकायतों के बाद कंदई महिमापुर की स्थिति का निरीक्षण हुआ तो अधिकारी दंग रह गए। गौशाला के भीतर तीन गोवंश मृत अवस्था में मिला। आधा दर्जन से अधिक गोवंश बेहद कमजोर थे। ऐसे में इन्हें दूसरी गौशाला में स्थानांतरित कराया गया। केयर टेकर और ग्राम प्रधान से जवाब तलब किया गया है। दरअसल, विकास खण्ड क्षेत्र पहला की कई गौशालाओं में अनियमितता की शिकायतें मिल रही थीं। इसको लेकर बीडीओ विकास कुमार ने सख्त निर्देश दिये। ऐसे में दोपहर बाद ग्राम पंचायत अधिकारी सुनील कुमार अधीनस्थों के साथ कंदई महिमापुर गौशाला पहुंचे। ग्राम पंचायत अधिकारी के मुताबिक, मौके पर तीन गौवंश मृत अवस्था में मिले, छह से अधिक गौवंश बेहद कमजोर थे। हरा चारे की व्यवस्था नहीं थी। ऐसे में 130 गोवंश स्थानांतरित कराए गए है। रिपोर्ट विभागीय अफसरों को प्रेषित की जा रही है। केयर टेकर और ग्राम प्रधान से जवाब तलब किया जा रहा है।

मंत्री ओपी राजभर का पुतला जलाते एबीवीपी के सदस्य। अमृत विचार

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने मंत्री राजभर का फूंका पुतला

रामपुर मथुरा, सीतापुर, अमृत विचार : रामपुर मथुरा के संगत तिराहे पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर मंत्री राजभर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ। इस दौरान मंत्री का पुतला भी फूंका गया। विरोध-प्रदर्शन जिला संयोजक अमन दीक्षित के तिवारी, नगर उपाध्यक्ष राकेश मिश्रा और नगर उपाध्यक्ष हर्ष तिवारी के नेतृत्व में किया गया। भारी संख्या में छात्रों में एकत्रित होकर संगत तिराहे से ओपी राजभर का पुतला लेकर नारे लगाते हुए ओपी राजभर को बर्खास्त करो, पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद, छात्र एकता जिंदाबाद के नारे लगे।वहीं,हरगांव कस्बे में एबीवीपी की ओर से मंत्री ओमप्रकाश राजभर के विरोध प्रदर्शन हुआ। चौराहे के करीब प्रदर्शनकारियों ने छात्र नेता आकाश अवस्थी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन करते हुए मंत्री का पुतला फूंका गया। इस दौरान ओम प्रकाश राजभर के विरोध में जमकर नारे लगे। इस दौरान गृह सचिव संजय कुमार को बर्खास्त करने की भी मांग की गई।

बहराइच मार्ग पर पहुंचा पानी, आवागमन बाधित

बाढ़-कटान

- लखीमपुर- बइराइच हाईवे पर पॉलीथीन बनी लोगों का सहारा
- तंबौर में सड़क पर पहुंचा पानी, रामपुर मथुरा में कटान तेज

संवाददाता तंबौर / लहरपुर

गांव के बाहर मुख्य मार्ग पर पानी में फंसा वाहन। अमृत विचार

लखीमपुर-बहराइच मार्ग पर सड़क किनारे झिल्ली डालकर रहते परिवार।

अमृत विचार: बैराजों से छोड़े गए पानी से शारदा नदी का जलस्तर पानी बढ़ चला है। भदफर, रमुवापुर, चंदवासोत, मंझरी, पासिन, मंझरी, कारिंदा, घोसियाना, टिकौना, तेजवापुर, बेलवा, डिंगरा, पट्टी दहेली, रमपुरवा, बेलवा पुरा, रतौली, सोंसरी, मुशियाना, रतौलीडीह, अमरनगर, गुरेला आदि कई दर्जनों गांव में बाढ़ का पानी घुस गया। भदफर क्षेत्र में पानी भर जाने से भारी संख्या में ग्रामीण पलायन कर लखीमपुर बहराइच हाईवे पर पॉलिथीन तान कर रह रहे हैं। उधर, तंबौर इलाके में कस्बे के करीब पानी पहुंच गया।

अहमदाबाद पश्चिमी में सड़क पर पानी आ गया। ऐसे में आवाजाही की समस्या बन गई। अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह ने बताया कि सभी स्थानों पर बाढ़ चौकी और आश्रय स्थल सक्रिय हैं, निगरानी रखी जा रही है।

जलस्तर 118.70 पहुंचा, कटान तेज : रामपुर मथुरा के शुकुलपुरवा के नागेश्वर पुरवा के पास धीरे-धीरे घाघरा नदी ने कटान कर पहुंचना शुरू कर दिया है, जिससे ग्रामीणों में भय व्याप्त है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 0.30 मीटर नीचे बह रहा है। रामपुर मथुरा क्षेत्र के कई गांव बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं।

कई विद्यालयों में कटा केक, कहीं रही विचारों की धूम

शिक्षक दिवस

- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को किया गया याद, विद्यालयों सहित अन्य स्थानों पर हुए विविध आयोजन

अमृत विचार टीम, सीतापुरः

केट काटने के दौरान उपस्थित शिक्षकगण व छात्र। अमृत विचार

जूट बैग देकर शिक्षक को सम्मानित करते बैंक शाखा प्रबंधक। अमृत विचार

अमृत विचार: जनपद में विद्यालयों और अन्य स्थानों पर शिक्षक दिवस पर आयोजन हुए। कई स्थानों पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद करते हुए केक काटे गए, गोष्ठी आयोजित कर विचार भी साझा हुए।

मछरेहटा में विद्यालय में लगीं झालरें, विचार हुए साझा : संतराम सावित्रीदेवी इंटर कॉलेज गामाबाग के छात्रों ने विद्यालय को रंग- बिरंगी झालर और गुब्बारों से सजाया। प्रधानाचार्य एसपी सिंह ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन चरित्र का परिचय दिया। मिश्रीलाल कन्या इंटर कॉलेज और आरजेजे एजूकेशन प्वाइंट में भी विविध आयोजन हुए।

हरगांव में शाखा प्रबंधक ने दिये स्मृति चिन्ह : हरगांव विकास खण्ड के बेनिराजा दशरथपुर सरकारी कम्पोजित विद्यालय में शिक्षक दिवस मनाया गया। कंपोजिट विद्यालय के प्रधानाचार्य शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष रामचंद्र मिश्रा जी उपस्थित रहे। तकनीकी अनुदेशक शिक्षक विवेक कुमार ने गुरुओं के महत्व को विस्तार दिया। बैंक शाखा प्रबंधक रजनीश कुमार सिंह ने शिक्षकों और लोगों को जूट का बैग और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

डॉ. भूमिका ने बताया शिक्षा का सार : शिक्षक दिवस पर जेएस सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। संस्थान की डायरेक्टर डॉ. भूमिका योगी ने बताया कि शिक्षक शिक्षा और समाज के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे विद्यार्थियों को ज्ञान, नैतिक मूल्य और जीवन कौशल प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा अपने विचार साझा किये गए।

पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि ने किया मेले का उद्घाटन

संवाददाता खैराबाद, सीतापुर, अमृत विचार : जल विहार मेले का उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्त ने महेंद्र टोला, जोशी टोला, किसानी टोला और माखूपुर में किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वामन महोत्सव वास्तव में हमारी धरोहर है, जिनको संजोकर रखना आने वाली नस्लों की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा, राम महेंद्र, प्रवाल महेंद्र, मनोज महेंद्र, राजू टंडन, उमेश जायसवाल सहित अन्य मौजूद थे।

जल विहार में मौजूद नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि। अमृत विचार

भूमिपूजन के साथ भरत मिलाप का उद्घोष

पूजन के दौरान उपस्थित समिति अध्यक्ष व अन्य।

सीतापुर। भरत मिलाप आयोजन समिति द्वारा भरत मिलाप एवं राजगद्दी कार्यक्रम को लेकर धर्मगुरु आशीष शास्त्री द्वारा भूमि पूजन किया गया। सीमित के अध्यक्ष अमित बाजपेई एवं उपाध्यक्ष राकेश त्रिपाठी बताया कि 2 अक्टूबर को आयोजित राम कथा राम यात्रा द्वारा सुमित ओरछा एवं अन्य कवि द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। एवं पूर्व आयोजन समिति के सदस्यों के उत्तराधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अगले दिन भरत मिलाप होगा। इस अवसर पर विकास चतुर्वेदी हिन्दू, प्रदीप शुक्ला, मिश्रा सहित अन्य उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक घायल

ऊंचाहार, रायबरेली : गदागंज थाना क्षेत्र के पूरे तेलिन मजरे हमीरमऊ गांव निवासी दिलीप कुमार शुक्रवार को बाइक से किसी कार्य से ऊंचाहार आया था। डिग्री कॉलेज के सामने दूसरी बाइक से उसकी टक्कर हो गई, जिससे वह सड़क पर गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से सीएचसी में भर्ती कराया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज शुक्ल ने बताया कि घायल युवक का इलाज किया जा रहा है।

समाजसेवियों ने बंदर का किया अंतिम संस्कार

महराजगंज, रायबरेली : बछरावां मार्ग स्थित महिला अस्पताल की छत पर मृत बंदर का शव मिलने पर समाजसेवियों ने हनुमान गढ़ी मंदिर के पास उसका अंतिम संस्कार कर दिया। इस मौके पर संदीप वैश्य, सूर्य प्रकाश, जमुना प्रसाद, घनश्याम चौरसिया, संजय कुमार, सभासद जमुना, संतोष मौर्या, मोहित सोनी, विष्णु प्रकाश श्रीवास्तव, आजाद श्रीवास्तव, बृजेश यादव, अमर पाल, जगजीवन आदि लोग मौजूद रहे।

पीथूपुर में लोक अदालत 8 को

लालगंज, रायबरेली : सरकार के द्वारा ग्रामीणों को अपने गांव में ही न्याय दिलाने के उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्र में लोक अदालत लगाई जाएगी। यह जानकारी देते हुए लालगंज ग्राम न्यायालय के न्यायाधीश देवेश कुमार ने बताया कि सरेनी ब्लॉक के ग्राम पीथूपुर में आठ सितंबर को दोपहर डेढ़ बजे से लोक अदालत लगाई जाएगी।

दुर्गा पूजा समिति की बैठक सम्पन्न

रायबरेली : शारदीय नवरात्र के करीब आते ही दुर्गा पूजा का आयोजन करने वाली समितियां तैयारी करने मे लग गई है। फतेपुर दुर्गा पूजा समिति ने एक बैठक का आयोजन किया। बैठक मे दुर्गा पूजा का पंडाल सजाने व पूजा अर्चना की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। आयोजक आरपी सिंह ने बताया की हमेशा की तरह मूर्ति स्थापना के साथ 22 सितम्बर से माता रानी की पूजा अर्चना शुरू कर दी जाएगी। वहीं एक अक्टूबर को भव्य भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। पूजा पंडाल मे आचार्य आशुतोष तिवारी के द्वारा पूजा-अर्चना कराई जाएगी। यहां आदित्य विक्रम सिंह, अविनाश सिंह, विनय सिंह, विशाल महाजन, विवेक सिंह, शनि सिंह, संदीप सिंह, संतोष सिंह, प्रीतम सिंह, विपिन सिंह, शुभम सिंह मौजूद रहे।

विकसित राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों की होती है अहम भूमिका : संजय

शिक्षक दिवस पर जिले के 36 शिक्षकों को किया गया सम्मानित, समारोह को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अवध प्रांत के सह प्रांत कार्यवाह ने संबोधित किया

राइजिंग चाइल्ड स्कूल की प्रधानाचार्य सीमा श्रीवास्तव को सम्मानित करते मुख्य अतिथि।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती मनाते शिक्षक व बच्चे। अमृत विचार।

एनएसपीएस सलेथू में प्रधानाध्यापक का पदभार ग्रहण करती हाईस्कूल की टॉपर छात्रा खुशी चौरसिया।

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार: शिक्षक दिवस पर भारत विकास परिषद की ओर से ज़िले का नाम रोशन करने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मानित किया गया। शहर के मलिकमऊ कॉलोनी स्थित एक बैंक्वेट हाल में राष्ट्रपति और राज्यपाल द्वारा पुरस्कृत शिक्षक-शिक्षिकाओं का अभिनंदन किया गया। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव ने सम्मानित किए गए शिक्षकों को शुभकामनाएं दी।

समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अवध प्रांत के सह प्रांत कार्यवाह संजय सिंह ने सभी शिक्षकों को सम्मानित करते हुए कहा कि शिक्षक किसी भी विकसित राष्ट्र के निर्माण में सबसे अहम भूमिका का निर्वहन करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बदलते परिवेश में शिक्षा को रुचिकर और मनोरंजक तरीक़े से प्रस्तुत करने से बच्चे विषय को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। संचालन विवेक सिंह के द्वारा किया गया। इस अवसर पर लक्ष्मीकांत शुक्ला, तारा श्रीवास्तव डॉ. आरबी श्रीवास्तव, डॉ. चम्पा श्रीवास्तव, शशिकांत शर्मा, सीमा श्रीवास्तव, प्रेरणा श्रीवास्तव, सविता सिंह, अजय सिंह, ठाकुर सिंह, अनामिका सिंह सहित 36 शिक्षकों का अंग वस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अम्बरीश अग्रवाल, नवल किशोर वाजपेयी, उमेश अग्रवाल, राकेश कक्कड़, विनोद अग्निहोत्री, राकेश मिश्रा, देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, राजा राम मौर्य आदि मौजूद रहे।

बच्चों के भविष्य का निर्माता है शिक्षक : राकेश

सरेनी, रायबरेली : सरस्वती बाल मंदिर इंटर कॉलेज लखनापुर में धूमधाम से शिक्षक दिवस मनाया गया। प्रबंधक राकेश त्रिवेदी ने बताया कि शिक्षक बच्चों के उज्जवल भविष्य का निर्माता है। इस मौके पर क्षेत्रीय प्रबंधक अरविन्द मिश्रा, प्रधानाचार्य काली किशोर, अभिषेक निगम, विवेक दत्त तिवारी, रंजीत, हितेश, अजय, दिनेश पाल, रमेश तिवारी, विष्णुकांत, मन्नूलाल, पूनम, कु. दिशा, कु. आयुषी, गुलाम, दिलीप, विनोद, सुशील सिंह, सुशील यादव, सुरेशवीर, अखिलेश, निखिलेश, चंद्रेशेखर आदि लोग मौजूद रहे।

सरस्वती बाल मंदिर इंटर कॉलेज में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित करते शिक्षक।

ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारी।

कांग्रेसियों ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को किया याद, शिवगढ़, रायबरेली: भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर कांग्रेसियों ने ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय शिवगढ़ में कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश यादव ने की। इस अवसर पर जिला सचिव एवं शिवगढ़ ब्लॉक प्रभारी पल्टू पासी ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन एक महान शिक्षाविद् एवं आदर्श राष्ट्रपति रहे, जिनके विचार आज भी समाज को प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक दिवस के रूप में उनकी जयंती हम सभी के लिए गौरव का विषय है। इस मौके पर अखिलेश शुक्ला, श्री पराग रावत, अश्वनी अवस्थी, संजय सिंह, प्रेम गुप्ता, दिनेश चौधरी, सत्येंद्र रावत, राम किशोर मौर्य और अशोक यादव आदि मौजूद रहे।

छात्रों को गुरु की महिमा से कराया अवगत, महराजगंज, रायबरेली: क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय मोन में शिक्षक दिवस मनाया गया। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद करते हुए शिक्षिका गीता श्रीवास्तव व प्रधानाध्यापक ऊषा सिंह ने छात्रों को गुरू की महिमा से अवगत कराया। अध्यापक नंद कुमार ने बताया कि वे युवाओं के मन को सही दिशा देने का काम करते थे। इस मौके पर शिक्षिका श्वेता श्रीवास्तव, पवन कुमार, मनीष सिंह, अनुपम पाण्डेय, मोहिनी सिंह, पूनम साहू आदि मौजूद रहे।

छात्रा खुशी बनी एक दिन की प्रधानाध्यापक, महराजगंज, रायबरेली: क्षेत्र के सलेथू स्थित न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल की हाई स्कूल की टापर छात्रा खुशी चौरसिया को एक दिन के लिए प्रधानाध्यापक बनाया गया। वर्ष 2025 में उसने बोर्ड परीक्षा में तहसील स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय परिवार सहित क्षेत्र को गौरवान्वित किया था। प्रधानाध्यापक राजीव सिंह का कहना है कि मेधावियों का सम्मान बच्चों को और आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। देश के राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। इस मौके पर उसे एक दिन के लिए प्रधानाध्यापक बनाकर स्कूल के प्रबन्धन से लेकर पठन पाठन तक के देखरेख की जिम्मेदारी दी गई है।

बच्चों ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

संवाददाता, रायबरेली, अमृत विचार : न्यू स्टैंडर्ड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स द्वारा शिक्षक दिवस पर डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 138 वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन कर एनएसजीआई ने अपने परिवार के शिक्षकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए एनएसजीआई के अध्यक्ष इंद्रेश विक्रम सिंह और संस्थापक-प्रबंधक डॉ शशिकांत शर्मा ने सभी शाखाओं के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों के साथ माँ सरस्वती का पूजन कर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और मदर टेरेसा के चित्र पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से हुई तत्पश्चात एनएसजीआई परिवार के शिक्षकों को बेस्ट मदर टीचर, बेस्ट हाउस इंचार्ज, डायनेमिक टीचर, बेस्ट क्लास टीचर, को-करिकुलर एक्टिविटी टीचर जैसे पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। संस्थापक-प्रबंधक डॉ. शशिकांत शर्मा ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन ने शिक्षा के उत्थान में जो किया, वह सराहनीय है। प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति, राजीव सिंह, तारकेश्वर सिंह, कामाक्षा सिंह, इंद्र विक्रम सिंह, शिवांग अवस्थी, प्रभारी प्रधानाचार्य रुची मिश्रा, उप-प्रधानाचार्य मो. फैज़ान खान, रजनी श्रीवास्तव, गिरीश श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

एक पेड़ गुरु जी के नाम कार्यक्रम आयोजित

महराजगंज, रायबरेली : बावन बुजुर्ग बल्ला स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में शिक्षक दिवस पर "एक पेड़ गुरु जी के नाम" कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी प्राचार्य डॉ. यज्ञनाथ मिश्रा ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस मौके पर शिवम अवस्थी, मनोज पांडेय, शफक शम्सी, एमएन तिवारी, अभय त्रिपाठी, रघुवीर मिश्रा, अभिषेक श्रीवास्तव, विजय प्रकाश, विद्या भूषण गुप्ता, राधेश्याम, पीके श्रीवास्तव, एपी मिश्रा, पूनम जायसवाल आदि लोग मौजूद रहे।

"एक पेड़ गुरु जी के नाम" कार्यक्रम में मौजूद जवाहर नवोदय विद्यालय के शिक्षक व बच्चे।

बच्चों को सही-गलत का भेद समझाते हैं शिक्षक

सरेनी, रायबरेली : दुर्गाजंली पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस समारोह बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। समारोह का संचालन कार्य कक्षा आठ की छात्रा अल्शिफा और कक्षा 6 के छात्र साहिल ने किया। प्रधानाचार्या पूजा शुक्ला ने बच्चों को गुरु और शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि शिक्षक बच्चों को सही और गलत का भेद समझाते हैं। कार्यक्रम में बच्चों ने अपने-अपने क्लास टीचर को सम्मानित किया और शिक्षको के लिए कविता गीत आदि प्रस्तुत किया। प्रबंधक सुशील कुमार को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष दुर्गा बक्श सिंह, शिक्षक सतीश कुमार, रामबली शर्मा, अमित, आरती, दिव्या, आकांक्षा, साक्षी, खुशी, रीमा, रिद्धिमा, पूनम, लक्ष्मी, शिवानी रहीं।

दुर्गाजंली पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम मौजूद शिक्षक व बच्चे।।

भाजपा नेता ने शिक्षकों का किया सम्मान

लालगंज, रायबरेली : ऐहार गांव में शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। भाजपा नेता चंदन त्रिवेदी ने कहा कि गुरुजनों के प्रति हृदय तल की गहराइयों से प्रस्तुत किए गए सम्मान की भावना हमें वैश्विक मान प्रदान करती है। समाजसेवी और भाजपा नेता चंदन त्रिवेदी ने सभी शिक्षकों का माल्यार्पण और अंगवस्त्र से सम्मान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री बालेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी झिलमिल महाराज ने की। वरिष्ठ समाजसेवी श्याम मनोहर शुक्ला ने कहा कि कहा कि शिक्षक समाज निर्माण की नीव है। भाजपा नेता अनूप पांडे और आरएसएस के धर्म जागरण जिला सहसंयोजक सुशील शुक्ला ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक शिक्षक संघ के मंत्री कीर्ति मनोहर शुक्ला ने किया। इस अवसर पर उत्तम मिश्रा, जितेंद्र मोहन त्रिपाठी, दीपू दीक्षित, विकास मिश्रा, मृदुलेश तिवारी, सज्जन मिश्रा, धीरेंद्र मिश्रा, देवेश अग्निहोत्री, अखिलेश पांडे, झब्बू बाजपेई, संजू शुक्ल, शिवम बाजपेई, मोनू मिश्रा, राजेंद्र तिवारी, बबुआ आदि मौजूद रहे।

समारोह में सम्मानित किए गए शिक्षक।

शिक्षक दिवस पर गुरुजनों ने रखा उपवास

संवाददाता, रायबरेली

मांगे न पूरी होने से शिक्षक दिवस पर उपवास पर बैठे नाराज शिक्षक। अमृत विचार

- **शिक्षकों ने की मांग, सरकार हमारी बुढ़ापे की लाठी पेंशन को कर दे वापस**

अमृत विचार: शिक्षकों पर एक के बाद एक थोपे जा रहे सरकारी आदेश, विद्यालय मर्जर सहित पुरानी पेंशन की मांग को लेकर गुरुजनों ने शिक्षक दिवस पर उपवास रखा। एनएमओपीएस के राष्ट्रीय आह्वान एवं अटेवा के प्रदेशीय आह्वान पर शुक्रवार को शिक्षकों ने विकास भवन, कस्बों व घरों पर उपवास रखा। ऑल टीचर्स इंप्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन (अटेवा) के बैनर तले सैकड़ों शिक्षकों ने सरकार की नीतियों के खिलाफ रोष व्यक्त करते हुए उपवास रखा। शिक्षकों ने यूपीएस का विरोध करते हुए शिक्षकों ने कहा कि सरकार से हमें न ही एनपीएस चाहिए और न ही यूपीएस चाहिए, हमें सिर्फ और सिर्फ सरकार से अपने बुढ़ापे की लाठी के तौर पर ओपीएस यानि पुरानी पेंशन चाहिए। सैकड़ों गुरुजनों ने सरकार से इस पेंशन को वापस लेते हुए हमारा स्वाभिमान कहीं जाने वाली पुरानी पेंशन दिलाए जाने की मांग की।

जिला संयोजक इरफान अहमद ने कहा कि शिक्षक दिवस, जो सामान्यतः शिक्षकों के सम्मान और उनके योगदान को स्मरण करने का दिन होता है। अटेवा पुरानी पेंशन बचाओ मंच के आह्वान पर जिले के शिक्षकों और कर्मचारियों ने पांच सितंबर को शिक्षक दिवस पर सामूहिक उपवास रखकर सरकार की नीतियों के प्रति विरोध जताया। जिला महामंत्री राजकुमार गुप्ता ने 25 नवंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली "पेंशन अधिकार महारैली" में अधिक से अधिक शिक्षकों की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। राज्य कर्मचारी संघ अध्यक्ष संजय मधेशिया ने आंदोलन को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया। उपवास कार्यक्रम का संचालन जिला कोषाध्यक्ष अन्जनी कुमार मौर्य ने किया। इस मौके पर मोहम्मद नसीम, अविनाश यादव, योगेन्द्र गुप्ता, तुलसीराम, प्रवेश यादव, अनवर अली, अनिल यादव, इन्द्रसेन, अमित, सितांशु सोनकर, मयंक वर्मा, सतीश चौरसिया, संतोष, भगवती शर्मा, त्रिभुवन आदि रहे।

शिक्षक, लेखपाल और पंचायत कर्मियों ने भी रखा उपवास: शिवगढ़ ब्लॉक के संयोजक आशुतोष यादव के नेतृत्व में लेखपाल, शिक्षक व पंचायत कर्मियों ने उपवास रखा। घर पर ही उपवास रखकर अपनी मांग को सरकार तक पहुंचने का कार्य किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक सह संयोजक लेखपाल संघ से अभिषेक पटेल, रमेश पटेल, अनिल चौधरी, विपिन मौर्य (लेखपाल), शिवकुमार तिवारी, धर्मेंद्र द्विवेदी कानूनगो, राजेंद्र कुमार, प्रतिभा यादव, माया जायसवाल, अश्वनी कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

परंपरागत ढंग से मनाया गया ईद मिलादुन्नबी

ऊंचाहार, रायबरेली: पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की यौम-ए-विलादत के मौके पर पीलीभीत जिले में ईद मिलादुन्नबी का पर्व परंपरागत ढंग से मनाया गया। नगर में शुक्रवार को बारहवीं शरीफ पर जुलूस निकाला गया। घरों व सड़कों पर रोशनी के विशेष इंतजाम किए गए। जुलूस में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कृष्ण चंद जायसवाल, पूर्व प्रधान लालचंद कौशल, पूर्व सभासद नाजिर हैदर, पूर्व चेयरमैन मो. सल्लन आदि रहे।

जुलूस का दरगाह पर भव्य स्वागत, बछरावां, रायबरेली: बछरावां में बड़ी अकीदत के साथ मुस्लिम भाइयों ने ईद ए मिलाद उन नबी का जुलूस निकाला। जुलूस बाजार की जामा मस्जिद से जुलूस शुरू होकर बछरावां नगर के मुख्य मार्गों से होकर सैयद शाह बाबा की दरगाह पर पहुंचा। दरगाह पर पहुंचने पर जुलूस का फूलों की वर्षा करके स्वागत किया गया। जुलूस में निजामुद्दीन मंसूरी, बछरावां नगर पंचायत अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह उर्फ रामजी, जिम्मी, भैयय्न हुसैन, शहाबुद्दीन, ननकऊ, राजू, रेशू, तुषार, इमरान, अट्टू, तुषार, इकराम, जाबिर, मिनहाज, मेराज, शमीम कुरेशी, मुन्ना समेत बड़ी संख्या में लोग एकत्रित रहे।

ईद मीलादुन्नबी पर निकले जुलूस-ए-मोहम्मदी में उमड़े लोग

ईद मीलादुन्नबी पर सुपर मार्केट पास निकलता जुलूसे मोहम्मदी। अमृत विचार

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार: पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के जन्म दिवस पर जिले भर में जश्न का माहौल रहा। शुक्रवार को शहर से लेकर गांव तक लोगों ने खुशी और अकीदत के साथ ईद मीलादुन्नबी का त्योहार मनाया। इस मौके पर रायबरेली शहर में पारंपरिक विशाल जुलूसे मोहम्मदी निकाला गया, जिसमें बच्चों, महिलाओं, उलमा-ए-किराम और विभिन्न अंजुमनों व मदरसों ने बढ़-चढ़कर शिरकत की।

सुबह करीब साढ़े आठ बजे यह मरकजी जुलूस एदारा-ए-शरैया खिन्नी तल्ला से मौलाना कारी पीर अब्दुल वदूद की सरपरस्ती में शुरू हुआ, जो खोया मंडी, कैपरगंज, घंटाघर, रेलवे स्टेशन, डबल फाटक और जहानाबाद से होता हुआ पुनः खिन्नी तल्ला चौराहे पर जाकर सलातो सलाम और दुआ के साथ संपन्न हुआ। जुलूस का नेतृत्व मौलाना अरबी उल अशरफ प्रबंधक एदारा-ए-शरैया कर रहे थे। रास्ते भर लोगों ने जगह-जगह लंगर और सबील के स्टॉल लगाए थे। अंजुमनों की ओर से सजाई गई मक्का और मदीना की झांकियां खास आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। राष्ट्रीय जागरूक मुस्लिम मोर्चा की तरफ से आफताब अहमद उर्फ रज्जू खान द्वारा अंजुमनों को सम्मानित किया गया। जिसमें पहला पुरस्कार अंजुमन रजाए मुस्तफा छोटा घोसियाना को दूसरा अंजुमन आशिकाने मुस्तफा बहराना को और तीसरा अंजुमन गुलामाने मुस्तफा खतराना को दिया गया।

जुलूस में दारुल उलूम हबीबिया गुलशने रजा जगपाल ताल, दारुल उलूम गुलशने मदीना गल्ला मंडी, जामिया मदीनतुल उलूम आजाद नगर, मदरसा इस्लामिया अहले सुन्नत, दारुल उलूम गरीब नवाज खसपरी, मदरसा दारुल उलूम कादरी चक भीखमपुर, मदरसा गुलशन ए मखदूमिया जफर नगर, अंजुमन वारसिया कप्तान का पुरवा, अंजुमन महानंदपुर इंदिरा नगर, अंजुमन कबूल आलम शाह कबूलियन मुंशीगंज, मदरसा अनवारूल उलूम गौसिया नया पुरवा निराला नगर, मदरसा गौसिया रौनक उल इस्लाम रायपुर, मदरसा महमूदिया ताड़तला सब्जी मंडी, मदरसा महमूदिया फैजुल उलूम लोधवामऊ, मदरसा फरीदिया पब्लिक स्कूल आजाद नगर, मिलाद कमेटी टाउन हॉल आदि शामिल रहे।

बैंती में शानो-शौकत से निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

शिवगढ़, रायबरेली : क्षेत्र के ग्राम पंचायत बैंती में शुक्रवार को बारह रबी अल-अव्वल के मौके पर ईद मिलाद-उन-नबी का पर्व शानो-शौकत के साथ मनाया गया। हाफिज मोहम्मद सकील की सदारत व हजरत कारी मोहम्मद इमरान की कयारत में मस्जिद परिसर से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। सुबह 6 बजे मोटरसाइकिलों के काफिले के साथ शुरू हुआ जो सैय्यद बाबा की मजार से होकर जयचन्दपुर, शिवली होते हुए हजरत सैय्यद शाह बाबा की दरगाह पहुंचा। इसके बाद पुलिस की निगरानी में जुलूस को डीजे के साथ पूरे कस्बे में घुमाया गया, जो अपरान्ह डेढ़ बजे मस्जिद प्रांगण में जाकर समाप्त हुआ। हजरत कारी मोहम्मद इमरान ने कहा कि पैगम्बर मोहम्मद साहब का जन्म अज्ञानता और अंधकार को दूर कर मानवता को सच्चाई व ज्ञान का संदेश देने के लिए हुआ। इस मौके पर लेखपाल अभिषेक पटेल, मस्जिद के पेश इमाम मोहम्मद असीर, प्रधान प्रतिनिधि जानकीशरण जायसवाल, शौकत अली, रहमत अली, कांग्रेस के जिला सचिव गौरव मिश्रा आदि मौजूद रहे।

शानो-शौकत से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकालते मुस्लिम समुदाय के लोग।

जागरूक किया

साइबर अपराधों से बचने को जागरूकता ही है उपाय

साइबर अपराधों से लोग हो रहे ठगी का शिकार

नीरज श्रीवास्तव, रायबरेली

अमृत विचार: साइबर अपराधों से जागरूकता के लिए सरकार द्वारा काफी प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन अपराधी ऐसे-ऐसे नए हथकंडे अपना रहे हैं। जिससे लोग कई बार उनका शिकार बन जाते हैं।

हालांकि जानकारी होने पर पुलिस साइबर अपराध के पीड़ितों को उनका पैसा वापस दिलाने का भी प्रयास करती है। एसपी डॉ. यशवीर सिंह के मुताबिक 2024 से लेकर अब तक साइबर थानों के माध्यम से 94 लाख की रिकवरी की गई है। जबकि विभिन्न खातों में दो करोड़ 23 लाख रुपए फ्रीज कराए गए हैं। पुलिस व बैंक अधिकारियों के मुताबिक इससे बचने के लिए जागरूकता बहुत जरूरी है।

एसपी की फेसबुक आईडी बनाकर की गई धोखाधड़ी: कुछ दिन पहले धोखेबाजों ने जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह की फेसबुक आईडी बनाकर धोखाधड़ी का प्रयास किया था। एसपी के संज्ञान में मामला आते ही साइबर अपराधी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस उनके ऊपर गैंगस्टर लगाने की तैयारी भी कर रही है।

लोग डर से या अज्ञानतावश जब अपनी गोपनीय जानकारी साझा करते हैं, तभी इसका शिकार होते हैं। अगर लोग सजग हैं तो इससे आसानी से बच सकते हैं। रीकेवाईसी के नाम पर भी लिंक भेज दिया जा रहा। इसलिए किसी भी अनजाने लिंक पर क्लिक न करें और अपनी निजी जानकारी किसी से शेयर न करें।

-रूपेश दुबे, एलडीएम, रायबरेली।

सभी थानों में साइबर हेल्प डेस्क बनाई गई है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर दोबारा इसको नए एप्स व सॉफ्टवेयर के माध्यम से सुनियोजित तरीके से शुरू किया गया है। साइबर अपराधों के लिए हेल्पलाइन नंबर 1930 व पोर्टल भी जारी हुआ है। जिसके माध्यम से आम जनमानस शिकायत दर्ज करा सकता है। साइबर अपराधों से रोकथाम के लिए सतर्कता जरूरी है।

-डॉ. यशवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक, रायबरेली।

अवैध असलहा के साथ युवक गिरफ्तार

लालगंज, रायबरेली: जगतपुर भिचकौरा गांव के एक युवक की अवैध असलहे के साथ फोटो वायरल हुई थी। मुखबिर की सूचना पर युवक को पांडेपुर के पास से पकड़ा गया है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पकड़ा गया युवक शुभम द्विवेदी पुत्र गुरु प्रसाद द्विवेदी जगतपुर भिचकौरा गांव का रहने वाला है। उसके पास से 315 बोर का देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। युवक को जेल भेज दिया गया है। इस मामले में उपनिरीक्षक निखिल यादव ने पकड़े गए शुभम द्विवेदी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया है।

बाइक की टक्कर से वृद्ध की मौत

संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)

अमृत विचार: सड़क के किनारे मवेशी चरा रहे सरिस्तापुर निवासी लोधेश्वर यादव (60) पुत्र महादेव यादव को बाइक सवार व्यक्ति ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दौरान इलाज जिला अस्पताल में लोधेश्वर की मौत हो गई।

मृतक के पुत्र रामचंद्र यादव ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि उनके पिता रोज की तरह सड़क के किनारे मवेशी चरा रहे थे, तभी बाइक सवार युवक ने उनके पिता को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। मुकदमा दर्ज कर जांच-पड़ताल की जाएगी।

होटल में घुसा डंपर, बड़ा हादसा टला

अमावां, रायबरेली, अमृत विचार : मिल एरिया थाना क्षेत्र में रायबरेली-प्रयागराज हाईवे पर आईटीआई मोड़ के पास लखनऊ की ओर जा रहा एक ट्रक ओवरब्रिज से उतरकर आईटीआई मोड़ के पास बने डिवाइडर कट से यू-टर्न लेकर प्रयागराज की ओर जाने के लिए ट्रक को मोड़ रहा था। मोड़ने के लिए उसने ट्रक को बैक किया। इस दौरान पीछे से पत्थर लेकर आ रहे एक डंपर के चालक ने अचानक बैक होकर बीच सड़क पर पहुंच गए ट्रक में टक्कर बचाने के प्रयास किया, लेकिन डंपर अनियंत्रित हो गया और सामने बने एक होटल में बाहरी हिस्से में घुस गया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। दुर्घटना के बाद डंपर का चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना के बाद कई घंटे तक रोड पर जाम की स्थिति बनी रही। इस संबंध में इंस्पेक्टर अजय कुमार राय ने बताया कि घटना को लेकर अब तक तहरीर नहीं मिली है।

दुर्घटनास्थल पर खड़ा क्षतिग्रस्त डंपर।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 6 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

फंदे पर लटकता मिला युवक का शव, हड़कंप

बछरावां, रायबरेली : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रामपुर मजरे सुदौली में शुक्रवार सुबह झांसी जनपद के समथर थाना क्षेत्र के बरनावा गांव के रहने वाले राकेश कुमार (27) पुत्र श्यामसुंदर अपने भाई रवि के साथ किराए के मकान पर रहकर पानी पुरी बेचने का काम करते थे। रवि ने बताया कि शुक्रवार की सुबह वह सोकर उठा तो उसे कमरे में पंखे में साड़ी के फंदे के सहारे उसका भाई राकेश कुमार लटका हुआ था, जिसे देखकर उसके होश उड़ गए। आनन-फानन में वह फांसी के फंदे से उसे उतारा और जब देखा तो राकेश कुमार की मृत्यु हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं कोतवाल राजीव सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, गृहस्थी खाक

शिवगढ़, रायबरेली : बीती गुरुवार की रात शिवगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बैंती में तासुक अली पुत्र सिकन्दर अली के घर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग से फ्रिज, स्टेबलाइजर, चार बोरी गेहूं, एक बोरी चावल, कपड़े, बिस्तर, अनाज सहित एक लाख से अधिक की गृहस्थी जलकर खाक हो गई। इसके साथ ही कमरा भी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना देर रात की बताई जा रही है। चीख पुकार सुनकर दौड़े स्थानीय ग्रामीणों ने मीटर के पास से केबल हटाकर घण्टों की कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग बुझाई। पहुंचे हल्का लेखपाल अभिषेक पटेल ने बताया कि हुए नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट तहसील प्रशासन को भेज दी गई है।

जवाबी आल्हा का हुआ आयोजन

शिवगढ़, रायबरेली : क्षेत्र के बलेथा तिराहे पर समाजसेवी राकेश कुमार की ओर से जवाबी आल्हा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मशहूर आल्हा गायक रमेश कुमार और शिल्पा रानी ने वीर रस से ओतप्रोत आल्हा गाकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। करीब तीन घंटे चले इस जवाबी आल्हा कार्यक्रम में कभी रमेश कुमार बाजी मारते नजर आए तो कभी शिल्पा रानी ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम के अंत में निर्णायकों ने दोनों कलाकारों के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए बराबरी का दर्जा देकर उन्हें सम्मानित किया। यहां कृपाशंकर, जितेंद्र कुमार, राजेंद्र कुमार, लेखई नेता सहित क्षेत्र के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

अचानक लगी आग से तीन गोवंशों की मौत

अमेठी : शुक्रवार की सुबह लगभग 2:30 भेटुआ ब्लॉक के मई ग्रामसभा अंतर्गत दुनिया का पुरवा गांव में शुक्रवार तड़के बड़ा हादसा हो गया। गांव निवासी ओम प्रकाश तिवारी पुत्र वृंदावन तिवारी के घर पर जहां जानवर बांधे जाते हैं, वहां अचानक आग लग गई। आग लगने से तीन गोवंश मौके पर ही जलकर मर गए, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना सुबह करीब 3 बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही भेटुआ ब्लॉक प्रमुख आकर्ष शुक्ला मौके पर पहुंचे और पीपरपुर कोतवाली पुलिस को जानकारी दी। साथ ही ग्रामीणों ने पशु विभाग को फोन कर बताया, जिस पर पशु चिकित्साधिकारी संतोष वर्मा मौके पर पहुंचे और मृत गोवंश का पोस्टमार्टम कराने व घायल गाय व बछड़े का उपचार किया। सरकारी डॉक्टर से संपर्क न होने पर पीड़ित ने निजी चिकित्सक बुलवाकर इलाज कराया। ओम प्रकाश ने अज्ञात के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। उनका कहना है कि आग लगना स्वाभाविक नहीं हो सकता, क्योंकि वहां न तो कोई चूल्हा था और न बिजली का तार। किसी ने जानबूझकर आगजनी की है।

खेत में मिला किसान का शव, हड़कंप

खेत में खाद डालने निकला था जमुवारी गांव का किसान, जताई गई हत्या की आशंका

संवाददाता, मुसाफिरखाना (अमेठी)

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के पूरे कंगाल गांव के सिवान स्थित खेत में शुक्रवार की सुबह एक किसान का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान जमुवारी गांव निवासी कुंवर बहादुर सिंह (55) पुत्र शिवसरन सिंह के रूप में हुई। किसान गुरुवार की दोपहर खेत मे खाद डालने के लिए निकला था।

कुंवर बहादुर सिंह की फाइल फोटो।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार दोपहर 2 बजे जमुवारी गांव निवासी कुंवर बहादुर सिंह खेत में खाद डालने निकले थे। शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने खेत में खोजबीन की तो वहां खाद की बोरी, साइकिल, चप्पल और अंगोछा पड़ा मिला लेकिन कुंवर बहादुर का कुछ पता नहीं चला। इसके बाद देर रात लगभग साढ़े तीन बजे किसान के भाई समर बहादुर सिंह की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की। शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने खेत में शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो शव गुमशुदा कुंवर बहादुर सिंह का था। शव के पास एक बाल्टी भी बरामद हुई। शोक संतप्त परिजन कुछ दिन पूर्व खेत में पानी लगाने को लेकर हुए एक विवाद के आधार पर हत्या की आशंका जता रहे हैं। हालांकि पुलिस का कहना है कि अभी तक हत्या के संबंध में कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई है। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन कर जांच शुरू कर दी है।

संदिग्ध परिस्थिति में मिला अधेड़ का शव

संवाददाता, अमेठी, अमृत विचार : रामगंज-सोनारी मार्ग पर खरगीपुर मोड़ के पास शुक्रवार की सुबह संदिग्ध परिस्थिति में एक अधेड़ का शव क्षत-विक्षत हालत में मिला। मृतक की पहचान रामगंज क्षेत्र के पनवरिया मजरे अग्रेसर गांव निवासी राम बहाल कोरी (45) के रूप में हुई है। मौके पर पहुंचे परिजनों ने हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जताई है। परिजनों का कहना है कि राम बहाल कोरी की हत्या की गई है और उसका शव को यहां फेंक दिया गया है। वहीं, पुलिस का कहना है कि यह हादसा हो सकता है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी कि यह हत्या या हादसा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। वहीं प्रभारी निरीक्षक थाना रामगंज कृष्ण मोहन सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर घटना की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

रोते-बिलखते मृतक राम बहाल के परिजन।

वहीं एसएचओ विवेक सिंह ने बताया कि मृतक के भाई समर बहादुर सिंह ने रात में गुमशुदगी की सूचना दी थी। जिस पर गुमशुदगी दर्ज कर टीम को खोजबीन हेतु लगाया गया था। सुबह किसान का शव उसके ही खेत मे मिला। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा। जिसके अनुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

महिला ने खुद पर डाला पेट्रोल, पड़ोसियों ने बचाया

तिलोई अमेठी: जायस थानाक्षेत्र के कस्बा जायस के काशीराम कॉलोनी में एक महिला ने खुद पर ज्वलनशील पदार्थ (पेट्रोल) डालकर आग लगा ली। घटना शुक्रवार को उस समय हुई जब महिला का पति घर पर नहीं था। पूजा नाम की महिला ने मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण उसने यह कदम उठाया। महिला की 10 वर्षीय बेटी ने आग बुझाने का प्रयास किया। वहीं बच्ची के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पड़ोसियों ने तुरंत आग पर काबू पाया। गंभीर रूप से झुलसी महिला को पहले सीएचसी फुरसतगंज ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रायबरेली रेफर कर दिया गया। पड़ोसी रेनू के अनुसार, पूजा का मानसिक रूप से बीमारी का इलाज चल रहा है। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से महिला को अस्पताल पहुंचाया गया हैं।

तालाब में नहाने गए युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

शुकुल बाजार, अमेठी

- परिजनों ने हत्या कर शव को तालाब में फेंकने का लगाया आरोप

अमृत विचार: शुकुल बाजार थाना क्षेत्र के खालिसपुर गांव का एक युवक गुरुवार लगभग ग्यारह बजे दोस्तों के साथ तालाब में नहाने गया, जहां उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है और पूरे इलाके में शोक की लहर है। युवक के परिजनों ने युवक की हत्या कर शव को तालाब में फेंकने का आरोप लगाया है।

आकाश की फाइल फोटो।

खालिसपुर गांव निवासी आकाश शुक्ला पुत्र शिव लाल गुरुवार लगभग 11 बजे गांव के ही अक्कुल पाण्डेय, शिवा यादव और विनय यादव के साथ बाराबंकी जिले के सुबेहा थाना क्षेत्र स्थित मंगौआ गांव के अमृत सरोवर में नहाने गया था। नहाते समय आकाश अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। दोस्तों के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद व गोताखोर के सहयोग से आकाश को पानी से बाहर निकाला गया और तुरंत सीएचसी शुकुल बाजार ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंची शुकुल बाजार पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं आकाश के पिता का कहना है कि उनके बेटे की हत्या कर शव को तालाब में फेंका गया है। उनका आरोप है कि आकाश के गले और शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं। उधर, थाना अध्यक्ष अभिनेष कुमार का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला डूबने से मौत का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, आरोपों को देखते हुए पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खाद संकट के चलते किसान परेशान

संवाददाता, सिंहपुर (अमेठी)

समस्या

- निजी दुकानों पर महंगे दाम चुकाने को मजबूर किसान
- प्रभारी खाद न होने का हवाला देकर किसानों को वापस भेज रहे

अमृत विचार: तिलोई तहसील के सिंहपुर ब्लॉक में किसानों के लिए यूरिया खाद की किल्लत एक गंभीर समस्या बन गई है। धान की फसल चरम पर होने के बावजूद, साधन सहकारी समितियों में यूरिया नदारद है, जिससे किसानों में भारी रोष है। किसान मजबूर होकर निजी दुकानों से महंगे दामों पर यूरिया खरीदने को मजबूर हैं, जिससे उनकी खेती की लागत लगातार बढ़ रही है।

ग्रामीणों की जानकारी के अनुसार, साधन सहकारी समिति फूला, टेड़ई, राजापुर, पन्हौना, और सेमरौता जैसी प्रमुख समितियों पर भी यूरिया उपलब्ध नहीं है। किसानों का कहना है कि वे कई बार समितियों के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन उन्हें हर बार निराशा ही हाथ लगी है। समितियों के प्रभारी खाद न होने का हवाला देकर किसानों को वापस भेज रहे हैं।

इस स्थिति का फायदा निजी विक्रेता उठा रहे हैं, जो यूरिया की कालाबाजारी कर रहे हैं। बाजार में यूरिया तय कीमत से अधिक दामों पर बेचा जा रहा है। किसानों ने बताया कि जिस यूरिया का बैग उन्हें सरकारी समिति पर उचित दाम में मिलना चाहिए, वही उन्हें बाजार में अधिक कीमत पर खरीदना पड़ रहा है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि अगर जल्द ही समितियों में खाद की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई, तो उनकी फसलें बर्बाद हो जाएंगी, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा।

क्या बोले जिम्मेदार

जिला सहायक आयुक्त अरविन्द यादव से जब खाद की उपलब्धता की जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि जनपद में खाद की जो रैक आई उसे समितियों पर भेजा गया है। जल्द ही सभी साधन सहकारी समिति पर खाद उपलब्ध करा दी जाएगी।

86 करोड़ का भेजा प्रस्ताव, सहमति एक पर

अमेठी: अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में कई तरह के विकास कार्य कराने के लिए विभाग ने कई माह पहले 86 करोड़ का प्रस्ताव तैयार भेजा गया था। जिसमें सभी कामों को छोड़कर महज एक पर सहमति बन सकी है। जिसके तहत दो करोड़ 34 लाख रुपए की लागत से बहादुरपुर में धन मिलने के बाद सद्भाव मंडप का निर्माण कराया जाएगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी प्रभात कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री जन विकास योजना के तहत अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में कई तरह के विकास कार्य कराया जाता है। जिसके तहत विभाग ने 86 करोड़ रुपए का प्रस्ताव तैयार कर राज्य स्तरीय समिति की बैठक में प्रस्तुत किया गया था। जिसमें से सभी प्रस्तावों को छोड़कर महज एक प्रस्ताव सदभाव मंडप पर सहमति बन सकी है। जिसमें बहादुरपुर ब्लाक के गांव कैलाशपुर में दो करोड़ 34 लाख रुपए की लागत से सद्भाव मंडप शामिल है।

भाजपा और आरएसएस अनर्गल आरोप लगाकर राहुल की छवि कर रही धूमिल

संवाददाता, अमेठी

संग्रामपुर थाने में प्रदर्शन कर ज्ञापन देते कांग्रेस कार्यकर्ता। अमृत विचार

- कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार: जिला यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष शुभम सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता संग्रामपुर कोतवाली पहुंचे और सोशल मीडिया पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं देश के विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विरुद्ध की गई अभद्र टिप्पणी के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की। शुभम सिंह ने कहा कि राहुल गांधी अमेठी के बेटे हैं, यहां के हर घर से उनका पारिवारिक नाता जुड़ा है। ऐसे में उनके ऊपर की गई अपमानजनक टिप्पणी को अमेठी कांग्रेस और यूथ कांग्रेस किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। यह न केवल राहुल गांधी के मान-सम्मान पर चोट है, बल्कि अमेठी की जनता की भावनाओं का भी अपमान है।

यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष शुभम सिंह ने कहा कि जन नेता राहुल गांधी को गलत तरीके से बदनाम करने की कोशिश भाजपा और आरएसएस द्वारा लगातार की जा रही है। भाजपा और आरएसएस के लोग लगातार उन पर अनर्गल आरोप लगाकर उनकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे कांग्रेस पार्टी और अमेठी की जनता किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं करेगी। इस मौके पर यूथ कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष बृजेश मिश्रा, लोहा सिंह, सभाजीत शुक्ला, अमरेश शुक्ला, नन्हे यादव, उपाध्यक्ष दुर्गेश प्रताप सिंह, महासचिव रवि मौर्य, जिला सचिव राकेश मौर्य, अजय गुप्ता, बिन्नू सिंह, बृजेश सिंह, शिवेंद्र विक्रम सिंह, प्रभात तिवारी, भूपेंद्र सिंह समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ईद मिलादुन्नबी पर निकाला गया जुलूस-ए-मोहम्मदी

आयोजित मिलादुन्नबी के मंच पर उपस्थित लोग। अमृत विचार

संवाददाता, मुसाफिरखाना (अमेठी)

अमृत विचार : पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद के जन्मदिन के अवसर पर ईद मिलादुन्नबी का पर्व शुक्रवार को पूरे अकीदत और श्रद्धा के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान नगर सहित मस्जिदों व मदरसों को आकर्षक सजावट और रोशनी से जगमगाया गया।सुबह से ही लोगों ने मस्जिदों में नमाज़ अदा कर अमन-चैन की दुआएँ मांगीं। दिन में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया, जिसमें बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हाथों में झंडे और बैनर लिए लोग नात-ए-पाक पढ़ते हुए जुलूस में शामिल रहे। नगर में जगह-जगह शरबत, हलवा और मिठाई की सबीलें लगाकर लोगों का स्वागत किया गया।इसौली रोड पर आयोजित जश्न मिलादुनबी के मंच पर मौलाना नूरुल हसन नूरी, महमूद आलम और मौलाना मो. उमर ने हजरत मोहम्मद की सीरत-ए-पाक पर रोशनी डालते हुए इंसानियत और मोहब्बत का संदेश दिया। कहा कि पैगंबर की शिक्षाएं आज भी इंसानियत के लिए सबसे बड़ी रहनुमाई हैं।

एएसपी ने जुलूस में सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

अमेठी: बारावफात त्योहार को शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने विशेष तैयारियां की हैं। शुक्रवार को शैलेन्द्र कुमार सिंह ने जनपद में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान वह कस्बा जगदीशपुर पहुंचे और बारावफात के जुलूस में मौजूद रहकर स्थिति का निरीक्षण किया।उन्होंने वहां के धर्मगुरुओं, मस्जिदों के इमाम व मौलानाओं से मुलाकात कर वार्ता की और त्यौहार को शांति एवं भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। साथ ही लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने और आपसी सौहार्द बनाए रखने की सलाह दी।ड्यूटी में तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्कता पूर्वक ड्यूटी करने और किसी भी स्थिति में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। मौके पर क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी व पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

समाज का प्रेरणा स्रोत एवं राष्ट्र निर्माता होता है शिक्षक

सेवानिवृत्त शिक्षक दिवस पर पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित करते शिक्षक। अमृत विचार

शिक्षक दिवस पर मौजूद शिक्षक व छात्र।। अमृत विचार

संवाददाता, तिलोई (अमेठी)

शिक्षक दिवस

- छह सेवानिवृत्त शिक्षकों को किया गया सम्मानित

अमृत विचार: स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधा कृष्णन के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन शिक्षकों को सम्मानित करने की परम्परा है। शिक्षक समाज के लिए प्रेरणास्रोत और राष्ट्र निर्माता होता है। यह बातें प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने कही।

धीरेन्द्र प्रताप सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष ने रमाकान्त मौर्य महामंत्री, बृजेश कुमार सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं गुरु चरन अध्यक्ष के सामूहिक प्रयास से विकास क्षेत्र-तिलोई के छह सेवानिवृत्त शिक्षकों को उनके गृह-निवास पर पहुंचकर पुष्प गुच्छ, डायरी, कलम, मिठाई एवं अंगवस्त्र से सम्मानित करके आशीर्वाद प्राप्त किया। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में पूर्व प्रधानाध्यापक बलिभद्र सिंह (भवानी) नगर, गंगा राम मिश्र-शिवपुर(भदमर), राम अवध यादव-पूरे औसान(पाकरगांव), सिराज अहमद-पूरे रजई (भदमर), राम अवध मौर्य-चिलूली एवं राम सुख(फूला) को सम्मानित किया गया।

रानी सुषमा देवी बालिका इंटर कॉलेज में मनाया गया शिक्षक दिवस, अमेठी: शुक्रवार को रानी सुषमा देवी बालिका इंटर कॉलेज मुंशीगंज में पूर्व राष्ट्रपति, अध्यापन पेशे के प्रति सर्वाधिक प्यार व लगाव रखने वाले आदर्श शिक्षक, दार्शनिक व भारत रत्न डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस के रूप में मनाई गई। छात्राओं ने इस अवसर पर विभिन्न प्रकार की रंगोलिया व राधाकृष्णन के चित्र बनाए। प्रधानाचार्य द्वारा केक काटा गया, मिठाइयां बांटी गई तथा हाई स्कूल व इंटरमीडिएट की छात्राओं ने कविता, भाषण के माध्यम से शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की तथा जूनियर कक्षा की छात्राओं ने सामूहिक नृत्य किया। शिक्षक दिवस के मौके पर दिनभर रंगारंग कार्यक्रम तथा शिक्षकों का सम्मान का दौर चलता रहा। प्रधानाचार्य विजय कुमार चौरसिया ने सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन के संपूर्ण जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला व कहा कि शिक्षक आने वाली पीढ़ी को अपने ज्ञान व चरित्र से गढ़ते हैं।

मनरेगा का हाल | कुल 682 ग्राम पंचायतों में से 371 में नहीं हो रहा विकास कार्य और 311 ग्राम पंचायतों में 673 जगहों पर कराया जा रहा कार्य

काम न मिलने से मजदूर पलायन को हो रहे मजबूर

अरविन्द श्रीवास्तव, अमेठी

अमृत विचार: बरसात के मौसम में भी मनरेगा मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक कुल 682 ग्राम पंचायतों में से केवल 311 ग्राम पंचायतों के 673 क्षेत्रों में विकास कार्य कराया जा है। जबकि 371 ग्राम पंचायतों में कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है।

विभाग की ऑनलाइन रिपोर्ट के अनुसार जिले में बरसात के मौसम में भी जबकार्ड धारक मजदूरों को काम मिल रहा है। जबकि हर तरफ पानी अपना असर दिखा रहा है। इसके बाद भी विभाग मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास करने में लगा है। विभाग से मिली की रिपोर्ट के अनुसार जिले की 682 ग्राम पंचायतों में से 311 के 673 क्षेत्रों में कार्य कराया जा रहा है। जिसमें 4578 मजदूर काम कर रहे हैं। जिसके लिए 926 मस्टर रोल जारी किया गया है। एक मस्टर रोल में लगभग 10 मजदूर शामिल किए जा सकते हैं। वहीं 371 ऐसी ग्राम पंचायतें हैं, जिनमें काम पूरी तरह से बंद पड़ा है।

इस संबंध में उपायुक्त श्रम रोजगार शेर बहादुर के मोबाइल पर जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया गया है। जिससे किस प्रकार के काम कराए जा रहे हैं। इसकी जानकारी नहीं हो सकी है।

वहीं मनरेगा के तहत कराए जा रहे कार्यों में मजदूरी कम होने के कारण मजदूरों का इस योजना से मोहभंग हो रहा है। लोगों के पलायन की समस्या ग्रामीण क्षेत्रों में गहरा रही है, जिससे मजदूरों के परिवारों मे रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया। गांव में काम न मिलने से उनके बच्चों की पढ़ाई भी ठप हो रही है और उनके घर में राशन खत्म हो रहा है। उधर मजदूरों का कहना है कि अगर समय पर मजदूरी नहीं मिलेगी, तो मनरेगा जैसी योजना का असली मकसद ही समाप्त हो जाएगा।

ऐसे में सरकारी दावों की पोल खुल रही है। जिसमें कहा जाता है कि मनरेगा योजना से ग्रामीणों को उनके गांव में ही स्थायी रोजगार मिलेगा। लेकिन हकीकत यह है कि मजदूरों को समय पर न ही मजदूरी मिलती है और न ही निरंतर काम मिलता है। ऐसे में उन्हें गांव से पलायन करना पड़ रहा है। जबकि विभाग के अधिकारी दावा करते हैं कि गांव के लोगों को मनरेगा के तहत लगातार काम मिल रहा है, जबकि रोजी-रोटी के जुगाड़ में गांव के लोग शहर की ओर पलायन करने को मजबूर हैं।

मजदूरों की संख्या

ग्राम पंचायत	682
जॉब कार्डधारी	20352
एक्टिव जॉब कार्ड	11919
इंएक्टिव जॉब कार्ड	8433।

मनरेगा के तहत मजदूरों को नहीं मिल रहा रोजगार: ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा योजना के तहत काम न मिलने से मजदूर शहरों में दिहाड़ी के लिए परेशान हो रहे हैं। वहीं ग्रामीण गांव से पलायन करने को मजबूर हैं। कई ग्राम पंचायतों में मास्टर रोल नहीं निकलने से कार्य नहीं हो रहा है और जिससे मजदूरों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। उधर, इस समय ज्यादातर ग्राम पंचायतों में जॉब कार्डधारी बेरोजगार हैं। 429 मास्टररोल के सापेक्ष 1465 मजदूर काम कर रहे हैं। वहीं सरकारी आंकड़ों के अनुसार निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र, उचित दर विक्रेता की दुकानों के भवन निर्माण में लगे हैं। ग्राम पंचायत में जेसीबी से कच्चा काम होने से मजदूरों को काम नहीं मिल रहा है। ऐसे में वह शहर की ओर पलायन करने को मजबूर हैं।

श्रद्धा के साथ मनाया उत्तम अकिंचन्य धर्म

संवाददाता, रायबरेली

जैन मंदिर में पूजा अर्चना करते श्रद्धालु। अमृत विचार

आस्था

अमृत विचार: जैन धर्म के पर्युषण पर्व के नौवें दिन जैन समाज ने उत्तम अकिंचन्य धर्म को पूर्ण श्रद्धा और समर्पण के साथ मनाया। 'अकिंचन्य' का अर्थ है 'कुछ भी मेरा नहीं' और यह धर्म हमें सांसारिक वस्तुओं, धन और भौतिक सुखों से लगाव त्यागने का संदेश देता है।

शुक्रवार को जैन श्रद्धालु जैन मंदिर पहुंचे, जहां विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान समाज की महिलाओं ने भक्तिभाव से पूजा में हिस्सा लिया और धार्मिक गीत गाए। शुक्रवार को महापर्व पर प्रभु की शांति धारा करने का पुण्य लाभ संदीप जैन संकल्प जैन आनंद जैन एवं अजय जैन को सपरिवार प्राप्त हुआ। समाज के अध्यक्ष सुनील जैन ने उत्तम उत्तम अकिंचन्य धर्म हमें यह समझने में मदद करता है कि इस दुनिया में कोई भी चीज हमेशा के लिए हमारी नहीं है। हमारा शरीर, हमारा परिवार, हमारा घर, हमारी संपत्ति -ये सब अस्थायी हैं। सच्चा सुख और शांति इन्हीं मोह-माया के बंधन से मुक्ति होने में है। कहा कि सच्चा सुख त्याग में है और यह धर्म हमें अपनी आत्मा को शुद्ध करने का मार्ग दिखाता है।

पर्व का यह नौवां दिन आत्म-शुद्धि और निस्वार्थता का प्रतीक है। इसके बाद कल क्षमावाणी पर्व मनाया जाएगा, जहां सभी लोग एक-दूसरे से क्षमा मांगकर नए सिरे से जीवन की शुरुआत करेंगे। जैन समाज के मीडिया प्रभारी अंकित जैन ने बताया कि ये महापर्व हमें सभी मोह-माया से ऊपर उठकर आत्मा की शुद्धि पर ध्यान केंद्रित करने की प्रेरणा देता है। शनिवार को अनंत चौदस मनाया जाएगा। जैन समुदाय के लिए अनंत चतुर्दशी का दिन पर्यूषण पर्व के समापन का प्रतीक होता है। इसके बाद 7 सितंबर को क्षमावाणी पर्व मनाया जाएगा, जहां लोग माफी मांगेंगे।

न्यूज ब्रीफ

पदाधिकारियों का किया गया सम्मान

भरखनी, हरदोई, अमृत विचार। सवायजपुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा पाली मंडल के पदाधिकारियों, शक्ति केंद्र संयोजक, मोर्चों के मण्डल अध्यक्ष का पंत इंटर कॉलेज पाली में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू के निर्देशन में संपन्न हुआ। समारोह में मण्डल प्रवासी पाली जैनेंद्र प्रताप सिंह ने पदाधिकारियों, शक्ति केन्द्र संयोजक तथा मोर्चों के मण्डल अध्यक्षों का अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत किया।

एसपी ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

हरदोई, अमृत विचार। जनपद प्रयागराज में आयोजित उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक खेल प्रतियोगिता में जनपद हरदोई से खो-खो में प्रतिभाग करने वाली महिला आरक्षी दीपाली द्वारा प्रथम, आरक्षी अभिषेक कुमार, आरक्षी लोकेश यादव एवं आरक्षी विकास भाटी द्वारा तृतीय स्थान प्राप्त किया। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

राष्ट्र निर्माण की नींव तैयार करता है शिक्षक : मनोज

शिक्षक दिवस पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को दी गई श्रद्धांजलि, शिक्षक-शिक्षिकाओं को किया गया सम्मानित

संवाददाता, सांडी-हरियावां, हरदोई

सांडी समारोह में सम्मानित करतीं जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती।

हरियावां में राधाकृष्ण के चित्र पर पुष्प अर्पित करते शिक्षक। ● अमृत विचार

अमृत विचार। कस्बे के एक गेस्ट हाउस में हर वर्ष की तरह इस वर्ष शिक्षक दिवस पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष ने शिक्षकों का सम्मान किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती पीके वर्मा ने शिक्षक जगत के बारे में समझाया और अर्जुन पांड़वों को गुरु द्रोणाचार्य द्वारा दी गई शिक्षा पर प्रकाश डाला।

सांडी के नगर के एक गेस्ट हाउस पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दिनेश चन्द्र गुप्ता व अनिल गुप्ता समाजसेवी ने किया। शिक्षक समान समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त शिक्षक रामविलास पाठक व प्रधानाचार्य मुन्नार लाल पाल ने की। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में शिक्षक कैलाश चन्द्र शर्मा ने शिक्षा पर कविता कह कर शिक्षकों का स्वागत किया गया। इस मौके पर खण्ड शिक्षा अधिकारी डा. सुनील कुमार, डा. बैरिस्टर सिंह, अनवारूल हक हरिश्चंद्र कुशवाहा, सोनू यादव सहित 700 शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। हरियावां संवाददाता के अनुसार मां भगवती इंटर कॉलेज पुरेला मंसूर नगर में भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर शिक्षक दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। विद्यालय के प्रबंधक मनोज शुक्ला ने कहा कि शिक्षक समाज का मार्गदर्शक होता है, जो राष्ट्र निर्माण की नींव तैयार करता है। उन्होंने बच्चों को सदैव शिक्षा और संस्कार दोनों में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया।

पिहानी संवाददाता के अनुसार शिक्षक दिवस पर संजय गांधी मेमो इंटर कॉलेज अब्दुल्लानगर में भी शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापक डॉ मदन लाल मिश्रा व पूर्व सदस्य जिलापंचायत/प्रबन्धक दिलीप मिश्रा ने कहा कि शिक्षक समाज का मार्गदर्शक होता है, जो राष्ट्र निर्माण की नींव तैयार करता है। अतरौली कस्बे के ओआर कान्वेंट पब्लिक स्कूल में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में महाराष्ट्र से चतुर्भुज नरसी स्कूल पुणे के विभागाध्यक्ष भूगोल प्रोफेसर सुब्रत त्रिपाठी अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने छात्रों से कहा कि शिक्षा में संस्कार का होना आवश्यक है।

सपा कार्यालय में शिक्षिका को प्रशस्ति पत्र सौंपते जिलाध्यक्ष शराफत अली। ● अमृत विचार

समाज का दर्पण होता है शिक्षक : शराफत अली

हरदोई, अमृत विचार। भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती सपा कार्यालय पर मनाई गई। इस मौके पर सपाइयों ने डॉ. सर्वपल्ली के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं माल्यार्पण किया। समाजवादी शिक्षक सभा के शिक्षकों को समाजवादी शिक्षक रत्न सम्मान से भी सम्मानित किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए सपा जिलाध्यक्ष शराफत अली ने कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण होता है और समाज को अच्छा बनाने के लिए उनमें अच्छे संस्कार भी पैदा करता है। समाजवादी शिक्षक सभा के जिलाध्यक्ष डॉ. जैनुल खान ने कहा कि सपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव भी एक शिक्षक थे और उन्हें शिक्षकों के सुख-दुख की पूर्ण जानकारी थी। सपा की सरकार में शिक्षकों के मान-सम्मान एवं हितों की रक्षा की गई। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष अजय सिंह पाल, अमित बाजपेई, राहुल गुप्ता, फूलचंद वर्मा, धर्मवीर यादव सहित कई सपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में अरविंद कुमार लाल, सुरेंद्र प्रताप सिंह, घनश्याम दास, मोहम्मद सलीम, सीमा कुमारी, सुमन मुख्य रहे।

कपड़ा कारोबारी से 50 हजार की ठगी

पिहानी, हरदोई, अमृत विचार। कस्बे में एक कपड़ा व्यापारी के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। कपड़ा व्यापारी मोहम्मद इरफान से एक व्यक्ति ने खुद को सूरत का व्यापारी बताकर 50 हजार रुपये ठग लिए।मामले के अनुसार, श्याम सुंदर अग्रवाल नाम के व्यक्ति से इरफान की मुलाकात दिल्ली में हुई थी।

श्याम सुंदर ने खुद को सूरत का व्यापारी बताया और कपड़े के सैंपल भेजकर सौदा तय किया। इरफान ने एडवांस में 50 हजार रुपये का भुगतान कर दिया।श्याम सुंदर ने माल की बिल्टी भेजने का आश्वासन दिया। लेकिन वह लगातार टालमटोल करता रहा। कई दिन बीत जाने के बाद भी जब माल नहीं पहुंचा, तो इरफान को ठगी का शक हुआ। उन्होंने पिहानी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित इरफान का कहना है कि एक छोटे व्यापारी के लिए 50 हजार रुपये की धनराशि बहुत महत्वपूर्ण होती है। उन्हें अब केवल पुलिस से न्याय की उम्मीद है। पिहानी कोतवाल छोटे लाल ने बताया कि शिकायत पर जांच शुरू कर दी गई है। लेन-देन के दस्तावेजों की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

समाज का निर्माता है शिक्षक : नरेश

शिक्षक दिवस के मौके पर रफी अहमद कालेज में सम्मानित किए गए शिक्षक। ● अमृत विचार

हरदोई, अमृत विचार। रफी अहमद किदवाई इंटर कॉलेज में शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कॉलेज प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष नरेश चंद्र शुक्ल एवं प्रबंधक सुयश वाजपेयी ने दीप प्रज्ज्वलन से किया और मां सरस्वती, भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। प्रधानाचार्य डॉ. अमित वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय के छात्र प्रणव और प्रखर ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। नरेश चंद्र शुक्ल ने कहा कि शिक्षक केवल पढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज के निर्माता हैं। शिक्षक के श्रम और मार्गदर्शन से ही विद्यार्थी संस्कारित, शिक्षित और अच्छेनागरिक बन पाते हैं। पूर्व प्रबंधक अरुणेश वाजपेयी ने कहा कि आज शिक्षा जगत अनेक चुनौतियों से गुजर रहा है। बदलते सामाजिक और तकनीकी परिवेश में शिक्षकों की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। इस अवसर पर शिक्षकों को प्रमाणपत्र और स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन देशदीपक शुक्ल ने किया।

नबी करीम ने अमन व मोहब्बत का दिया पैग़ाम

संवाददाता, हरदोई

गोपामऊ जुलूस में शामिल कमेटी अध्यक्ष। ● अमृत विचार

जुलूस में शामिल मिलाद कमेटी के सदस्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार। बारावफात पर पूरे जिले में जुलूस-ए-मोहमदी बड़े ही शान ए शौकत से निकाला गया। मोहम्मद साहब के योमे पैदाइश पर होने वाले ईद मिलादुन्नबी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। गोपामऊ में परंपरागत जुलूस परचम-ए-मोहम्मदी निकाला गया। मोहल्ला बंजारा स्थित बंदगी मियां मस्जिद से सुबह 9 बजे जुलूस का आगाज़ हुआ। जुलूस की सरपरस्ती सज्जादा नशीन हज़रत मुईज़ उद्दीन चिश्ती ने की। जुलूस नगर के तय मार्गों से होता हुआ कदम रसूल मस्जिद पहुंचा, जहां नमाज़-ए-जुमा से पहले सलातो सलाम और दुआ के साथ इसका परवाने-ए-इख़्ततताम किया गया।

● शान-ए-शौकत से निकाला गया जुलूस-ए मोहम्मदी

सज्जादा नशीन हज़रत मुईज़ उद्दीन चिश्ती ने कहा कि नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की विलादत पूरी इंसानियत के लिए अमन और मोहब्बत का पैग़ाम है। उन्होंने बताया कि यह 1500वां यौमे विलादत है, जिसे अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया।

कमेटी अध्यक्ष मंज़ूर अहमद सागरी और महासचिव नफ़ीस खां ने आए मेहमानों का शुक्रिया अदा किया। चेयरमैन हाजी वली मोहम्मद ने नगर के कई स्थानों पर जलपान की व्यवस्था कराई। पूर्व चेयरमैन परवीन ख़ान की ओर से मस्जिद अबू हुरैरा से पुष्पवर्षा की गई। जुलूस में उपजिलाधिकारी सुशील मिश्रा, सीओ हरियावां अजीत कुमार सिंह, एसएचओ शिव नारायण सिंह व चौकी इंचार्ज नीरज कुमार पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे।

बिलग्राम संवाददाता कस्बे में ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर खानकाहे नसीरीया से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। यह जुलूस मोहल्ला मैदान पूरा से होकर गुजरा। खानकाहे नसीरीया चिश्तिया बिलग्राम शरीफ के सज्जादानशीन हजरत सैय्यद अफसर मियां साहब जुलूस में मौजूद रहे। अंजुमन मोहिब्बाने रसूल जुलूस व मिलाद कमेटी के सदस्यों ने भी इस धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

पिहानी संवाददाता के अनुसार जहानीखेड़ा में बारह वफात के उपलक्ष्य में भव्य जुलूस का आयोजन किया गया। ईद मिलाद उल नबी की याद में निकाले गए जुलूस में मुस्लिम समुदाय के बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल हुए। डीजे और वाहनों के साथ जुलूस जहानीखेड़ा से शुरू होकर बरबर मोड़ होते हुए भेठुआ गांव में समाप्त हुआ।

कार्यक्रम के आयोजन में हफ़ीजी समीम, तंजीब खान, शराफत अली, इस्लाम खान, साजिद खान, बबन अली, विजय प्रताप गौतम और सबील सहित अन्य क्षेत्रीय लोगों की भूमिका रही। सुरक्षा व्यवस्था के लिए एसएचओ प्रेम पाल के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा।

मल्लावां क्षेत्र के काजीटोला, ऐठाना, छत्ता, बड़ा दरवाजा मोहल्लों में रोशनी के साथ झांकियां बनाई गईं। घरो में लाइटिंग और केंडिल से रोशनी भी गई। शुक्रवार देर शाम कड़ी सुरक्षा के बीच जुलूस ए-मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस चुंगी नंबर -2 होते चौराहा पहुंचा, जहां चेयरमैन प्रतिनिधि परवेज आलम ने जुलूस का इस्तक़बाल कर जल पान आदि कराया। जुलूस छत्ता टोला से उठकर कटरा होकर राघौपुर रोड से सुभाष पार्क रोड से छत्ता टोला में पहुचकर समाप्त हुआ।

शाहाबाद संवाददाता के अनुसार यहां जुलूस शुक्रवार सुबह अनवारे मुस्तफा स्टेशन रोड से निकाला गया। इस मौके पर मुफ्ती शहादत हुसैन, जामा मस्जिद के इमाम मकसूद हुसैन भी मौजूद रहे। जुलूस का समापन जामा मस्जिद पर किया गया। अनवारे मुस्तफा के मुफ्ती शहादत हुसैन एवं जामा मस्जिद के इमाम मकसूद हुसैन ने तकरीर पेश की। तकरीर में उन्होंने भाईचारे का पैगाम देते हुए सभी से अमनो अमान बनाए रखने की अपील की। इस मौके पर कमेटी के मोहम्मद बली पीरा, इजहार खा, अजीम सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं ने डा. राधाकृष्ण को यादकर दी श्रद्धांजलि

हरदोई, अमृत विचार। अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता परिषद ने कलेक्ट्रेट परिसर में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन 137वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। अधिवक्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर राष्ट्र निर्माण में सर्वपल्ली के द्वारा किए गए कार्यों को याद किया तथा श्रद्धांजलि अर्पित की।

डा. राधाकृष्ण की जयंती मनाते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

किसानों को नहीं मिल रही खाद : डा. अरुण मौर्या

संवाददाता, पिहानी, हरदोई

सम्मेलन को संबोधित करते डा. अरुण मौर्या। ● अमृत विचार

अमृत विचार। गोपामऊ विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी का पीडीए सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन में सपा के प्रदेश सचिव और जन चौपाल प्रभारी डॉ. अरुण मौर्या ने योगी सरकार की नीतियों की आलोचना की। कहा कि किसानों को खाद तक नहीं मिल रही है। उन्होंने 69,000 शिक्षक भर्ती का मुद्दा भी उठाया। उनके अनुसार, नियुक्ति पत्र मिलने के बाद भी नौजवान मंत्रियों के चक्कर काट रहे हैं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मौर्या समाज के लोगों की हत्या होने पर भी उप मुख्यमंत्री मौन रहते हैं। महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार पर भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। पूर्व विधायक राजेश्वरी देवी ने गौशालाओं की स्थिति पर चिंता जताई। जिला उपाध्यक्ष हफीज मंसूरी ने कार्यकर्ताओं से वोटर लिस्ट पर विशेष ध्यान देने को कहा।

निजी अस्पताल में भर्ती बच्चे की मौत की मौत, हंगामा

संवाददाता, हरदोई

● इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप, पुलिस को दी तहरीर

अमृत विचार। चार साल के बच्चे को अचानक झटके आने लगे। परिजनों ने उसे एक निजी हास्पिटल में भर्ती कराया। आरोप है कि पूरी रात बच्चे तबियत बिगड़ती रही, कहने के बाद भी कोई डॉक्टर या स्वासथ्यकर्मी बच्चे को देखने नहीं आया। सुबह होते ही उसकी मौत हो गई। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है, तहरीर आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बेहटा गोकुल थाने के जसमई खेरौना निवासी शेर सिंह के चार वर्षीय पुत्र सूर्यांश की गुरुवार रात में अचानक तबियत खराब हो गई और उसे झटके आने लगे। उसे आनन-फानन में शाहाबाद के मोहल्ला माहीबाग़ में निजी हास्पिटल पहुंचाया गया, जहां उसे भर्ती तो कर लिया गया, लेकिन सही तरीके से उसकी देखभाल नहीं की गई। रात में सूर्यांश की हालत बिगड़ने लगी, बच्चे की हालत के बारे में कई बार डाक्टर को फोन किया गया, लेकिन इलाज तो दूर कोई झांकने तक नहीं पहुंचा। सुबह होने पर डाक्टर पहुंचा, बच्चे को देखते ही वह उसे कहीं और ले जाने की सलाह दी। इसके कुछ ही देर बाद बच्चे की मौत हो गई। इसका पता होते ही हास्पिटल में हंगामा होने लगा। निजी हास्पिटल के डाक्टर और स्टाफ वहां से भाग निकला। वहां पहुंची पुलिस के सामने पिता ने इलाज में लापरवाही बरतने से बच्चे की मौत होने का आरोप लगाया, साथ ही तहरीर भी दी है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल जांच की जा रही है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

डॉक्टर सोते रहे और बच्चे की सांसें टूट गईं

आरोप है कि निजी हास्पिटल में भर्ती होने के बाद भी बच्चे की तबियत बिगड़ती ही रही। पिता का कहना है कि उसने इस बारे में कई बार अस्पताल के डाक्टर को फोन कर जानकारी दी। पहले फोन ही नहीं उठा, बाद में कॉल रिसीव हुई तो कहा कि बार-बार फोनकर नींद खराब क्यों कर रहे हो, सुबह देखेंगे। शेर सिंह का कहना है कि डाक्टर अगर रात में ही उसके बच्चे को देख लेते तो शायद उसकी जान बच सकती थी।

बच्चे की मौत के बाद निजी अस्पताल सीज करती स्वास्थ्य विभाग की टीम।

सीएचसी अधीक्षक ने हॉस्पिटल में डाला ताला

बच्चे की मौत और हंगामे के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम अस्पताल पहुंची। जांच में पता चला कि हास्पिटल एक बीयूएमएस डाक्टर बिना बोर्ड के चलाता है। सीएचसी शाहाबाद के अधीक्षक डा. प्रवीण दीक्षित ने अस्पताल सीज कर दिया है।

तीन भाइयों ने महिला की पीटकर मार डाला

हरदोई, अमृत विचार। बच्चों के विवाद में दो सगे भाइयों ने महिला की बुरी तरह से पिटाई दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर तीनों हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सुरसा थाने के सथरा गांव में गुरुवार को बच्चों के बीच झगड़ा हो गया। उसी बात को लेकर तीन सगे भाइयों ने रज्जाक अली की पत्नी आलिया (40) की जमकर पिटाई कर दी, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। पुलिस ने पति रज्जाक अली की तहरीर पर गांव के मुशब्बर उर्फ गब्दू, उसके सगे भाई शेर अली व नसीम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। आलिया को मेडिकल कालेज से हायर सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया, जहां शुक्रवार को उसकी मौत हो गई।

समस्या

जल भराव होने से पनप रहे मच्छर, बीमारियों की चपेट में ग्रामीण

मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से लोग हो रहे परेशान

संवाददाता, टोंडरपुर, हरदोई

रजनीश सिंह, पंकज वर्मा, दीनदयाल

अमृत विचार। क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायतों में बदलते मौसम में मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ता नजर आ रहा है,शाम होते ही मच्छर लोगों को परेशान करना शुरू कर देते हैं, जिससे कई बीमारियों का संकट मंडरा रहा है।

इन बढ़ते मच्छरों की फौज ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है, लोग इन मच्छरों से बचने के लिए तरह-तरह के उपयोग कर रहे हैं,लेकिन मुश्किलें बढ़ती जा रहे हैं। प्रशासन इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा है, मच्छरों की बढ़ती संख्या का आलम है, कि रात ही नहीं बल्कि दिन में भी इनका प्रकोप जारी रहता है, वहीं शाम होते ही लोगों का किसी स्थान पर थोड़ी देर बैठना भी मुश्किल हो जाता है, घर हो या बाहर हर जगह मच्छरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। इसके चलते संक्रमण का खतरा बढ़ता जा रहा है, बीमारी के अभाव से लोग मच्छरदानी एवं मच्छर भगाने वाले क्रिया-कलाप कर रहे हैं।

राजेन्द्र सिंह फार्मेसी आफ़ कालेज सैदपुर टोंडरपुर के प्रो. रजनीश सिंह ने बताया कि यदि दवाइयों का छिड़काव समय-समय पर नहीं कराया गया,तो मच्छर जनहित के लोगों पर बीमारियों का संकट बढ़ता ही जायेगा।

पंकज वर्मा निवासी निजामपुर ने बताया कि लगभग प्रत्येक ग्राम पंचायतों में जल भराव की समस्या बनी हुई है। जिनमें पनपते मच्छर के आतंक से ग्रामीणों को कई बीमारियों का संकट बढ़ता जा रहा है।

बोले बीडीओ

खंड विकास अधिकारी टोंडरपुर अरविंद कुमार ने बताया कि दवाइयों के छिड़काव के लिए सभी जिम्मेदारों को बताया जा चुका है। प्रत्येक ग्राम पंचायतों में दवाओं का छिड़काव समय-समय पर कराया जा रहा है।

उमरौली निवासी दीनदयाल ने बताया कि हमारी ग्राम पंचायत में मच्छरों का आतंक बहुत अधिक है शाम होते ही मच्छरों की फौज लोगों वा वेजुबानो पर टूट पड़ते हैं। जिससे नींद तो दूर, कई बीमारियों का खतरा बना हुआ है।

ड्यूटी पर शराब पीने पर पुलिसकर्मी निलंबित

संडीला, हरदोई, अमृत विचार। थाना क्षेत्रांतर्गत डायल-112 (पीआरवी-6467) पर तैनात आरक्षी राधेश्याम को ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में सूचनाकर्ता के साथ अभद्रता करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। मामले की जांच क्षेत्राधिकारी संडीला की रिपोर्ट पर आधारित है। रिपोर्ट को संज्ञान में लेते हुए एसपी नीरज कुमार जादौन ने आरक्षी राधेश्याम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। प्रकरण की जांच क्षेत्राधिकारी लाइन को सौंपी गई है और सात दिन के भीतर विस्तृत जांच आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। एसपी ने पुलिसकर्मियों को गंभीरता से पुलिसिंग की नसीहत दी है।

बाढ़ का लिया जायजा

संवाददाता, पाली, हरदोई, अमृत विचार। गर्रा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है जिसको लेकर शुक्रवार को डीएम अनुनय झा एवं एसपी नीरज कुमार जादौन बाबरपुर गांव पहुंचे और यहां उन्होंने गर्रा नदी के बढ़ते जल स्तर का जायजा लिया तथा बाढ़ प्रभावितों को हर संभव मदद का संबंधित को निर्देश दिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी एवं ग्राम प्रधान को निर्देश दिया कि गत वर्षों की बाढ़ से जिन ग्रामीणों के मकान कट गए थे उनको पीएम आवास का लाभ दिलाया जाए तथा जिनके पास भूमि नहीं है उन्हें सरकारी भूमि का आवंटन कर पीएम आवास का लाभ दिलाया जाए। इस मौके पर सिंचाई विभाग सहित कई विभागों के अधिकारी एवं ग्राम प्रधान किशन राम मौजूद रहे।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 6 सितंबर 2025

हरदोई-उन्नाव

न्यूज ब्रीफ

सेल्समैन के साथ मारपीट कर लूट

संडीला, हरदोई, अमृत विचार। संडीला कोतवाली क्षेत्र के कताई मिल चौकी इलाके में बदमाशों ने देशी शराब ठेके के सेल्समैन पर हमला कर लूट की वारदात को अंजाम दिया। घटना में घायल सेल्समैन ने पुलिस को तहरीर दी है। कासिमपुर थाना क्षेत्र के गंगऊ गांव निवासी संदीप सिंह इंडस्ट्रियल एरिया स्थिति देशी शराब ठेके का सेल्समैन है। गुरुवार देर रात ठेका बंद करने के बाद वह बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में अज्ञात लोगों ने उसे रोककर मारपीट की और बाइक, मोबाइल फोन, बैग, आधार कार्ड व करीब 45 सौ रुपये नकद छीनकर फरार हो गए। घटना में संदीप घायल हो गया। घटना की जानकारी पुलिस को दी।

सड़क के दोनों ओर से हटाएं अतिक्रमण

शिकायत पर बेनीगंज नगर पहुंचीं एसडीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

संवाददाता, बेनीगंज, हरदोई

अधिकारियों को निर्देश देतीं संडीला एसडीएम नारायनी भाटिया।

अमृत विचार। नगर में लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण के चलते मुख्य मार्ग सहित अन्य मार्ग भी काफी संकरे होते जा रहे है, जिसके चलते नगर में आए दिन जाम की समस्या बनी रहती है, जिसकी बार-बार हो रही शिकायत पर नगर में अतिक्रमण की जांच करने पहुंची उपजिलाधिकारी सण्डीला नारायनी भाटिया ने नगर के मुख्य मार्ग पर स्थित नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष लव कुमार मिश्रा के प्रतिष्ठान के पास पहुंच कर लवकुमार मिश्रा से वार्ता की। उपजिलाधिकारी की इस प्रकार की वार्ता देख मौके पर भीड़ बढ़ने लगी, भीड़ देख उपजिलाधिकारी ने अधूरी वार्ता पूर्ण करने के लिए कोतवाली प्रांगण पहुंची जहां पर उपजिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग अवर अभियंता सुनील कुमार एवं अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत बेनीगंज दिनेश कुमार सहित राजस्व निरीक्षक अनुपम राठौर को आदेशित करते हुए कहा कि नगर के मुख्य मार्ग पर लोगों ने अतिक्रमण किया गया है, जिसे अविलम्ब हटाया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा मुख्य सड़क के बीच से दोनों ओर 11 मीटर तक टीन शेड सहित अवैध निर्माण को हटाया जाए। जिसकी निशानदेही व चिन्हांकन कराया जाए, इस मौके पर प्रशासनिक अधिकारी, स्थानीय पुलिस प्रशासन एवं नगरवासी मौजूद रहे।

उत्पीड़न से परेशान विवाहिता ने दी जान

- पुलिस ने पति सहित पांच पर दर्ज किया केस, एक आरोपी गिरफ्तार

बिलग्राम, हरदोई, अमृत विचार। थाना क्षेत्र में दहेज प्रताड़ना के एक मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामला 3 सितंबर का है, जब ग्राम तरौली निवासी ज्ञानवती ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। ज्ञानवती ने बताया कि उनकी बेटी को उसका पति जवाहर और चार अन्य लोगों ने दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया। परेशान होकर बेटी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। थाना बिलग्राम पुलिस ने ग्राम विन्धौरी निवासी मुख्य आरोपी जवाहर को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी चार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है।

महाराजा की विसर्जन यात्रा निकालते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

धूमधाम से निकाली मूर्ति विसर्जन यात्रा

सांडी, हरदोई, अमृत विचार। श्री सिद्धि विनायक सेवा समिति के द्वारा बाबा कमलेश्वर नाथ महादेव मंदिर सतमठिया में आयोजित श्री गणेश महोत्सव के 10 वें दिन सांडी के महाराजा की विसर्जन यात्रा बड़े धूम धाम से गाजे -बाजे के साथ निकाली गई। मनमोहक झांकियां शोभा यात्रा का मुख्य आकर्षण केंद्र रहीं। शोभा यात्रा गाजे बाजे के साथ गजानन महाराज का उदघोष करते हुये नगर के मुख्य चौराहों से भ्रमण करते हुए गरुण गंगा में गणपति महाराज को विसर्जित किया गया। शोभायात्रा में भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम किये गए थे।

भाजपा सरकार में आमजन परेशान

संवाददाता, हरदोई

मासिक बैठक को संबोधित करते कांग्रेस पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार। शहर कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक शहर कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए शहर अध्यक्ष अनुपम दीक्षित ने कहा कि भाजपा सरकार आम आदमी की मूलभूत मुद्दों से भटक कर देश पर तानाशाही थोपना चाह रही है। हरदोई जैसे बड़ी आबादी वाले शहर में न सड़कें ठीक है न ही स्वास्थ्य सुविधाएं ठीक है, लेकिन यहां जनप्रतिनिधि अपनी जेब भरने में लगे हैं। पूरे प्रदेश में अगर कोई सरकार के खिलाफ जनहित के मुद्दों को लेकर भी जाता है उसके खिलाफ यह मुकदमा लिख कर जेल में डालने की साजिश रचते है, लेकिन अब इनकी तानाशाही का अंत होने वाला है। इसके अलावा शहर उपाध्यक्ष उमा राजवंशी, शहर महासचिव सर्वेश कुशवाह ने भी बैठक को संबोधित किया। बैठक में कांग्रेस जिलाध्यक्ष विक्रम पांडे, पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ राजीव कुमार सिंह, अजीत विशाल सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस पार्टी की सदस्यता लेने वालो में मुख्य रूप से अंकित कुमार, राकेश कुमार, अनुराग सिंह, राहुल कुमार, लक्ष्मी वर्मा, आकाश सोलंकी, अफसर अली, सुधीर कुमार व अनूप सिंह आदि लोगों ने सदस्यता ली।

दुष्कर्म में 10 साल की जेल, 1 लाख जुर्माना

हरदोई, अमृत विचार। दुष्कर्म करने और फिर अश्लील वीडियो बना कर उसे वायरल करने के मामले में एएसजे-(4) की कोर्ट ने पुलिस और मानीटरिंग सेल की मज़बूत पैरवी के चलते जुर्म साबित पाते हुए आरोपी को 10 साल की जेल और एक लाख रुपये बतौर जुर्माना लगाने का फैसला सुनाया है। बताते चलें कि 13 मार्च 2022 को मझिला थाने में दी गई तहरीर में रतनापुर निवासी अंकित पाल पुत्र रामभजन में आरोप लगाया गया था कि उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और उसका अश्लील वीडियो बना कर वायरल कर दिया। पुलिस ने अंकित के खिलाफ केस दर्ज चार्ज शीट दाखिल की।

पिता की हत्या करने वाला बेटा गिरफ्तार

संवाददाता, हरदोई

- घरेलू विवाद में की थी जमकर पिटाई, अस्पताल में इलाज के दौरान पिता की हुई मौत

अमृत विचार। बेटे ने पिता की इतनी बेरहमी से पिटाई की कि अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मौत से पहले पिता की तहरीर पर गाली-गलौज और मारपीट में केस दर्ज किया था, लेकिन पिता की मौत के बाद पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच की जा रही है।

कोतवाली देहात के कोईलीपुरवा निवासी राजपाल को उसके बेटे विपिन कुमार ने मंगलवार को गाली-गलौज करते हुए पीटकर अधमरा कर दिया था। पुलिस ने पिता की तहरीर पर विपिन कुमार के खिलाफ गाली-गलौज और पिटाई करने का केस दर्ज करते हुए जांच शुरु कर दी,उधर गुरुवार को राजपाल की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने आनन-फानन में केस गैर इरादतन हत्या में तरमीम करते हुए हत्यारोपी बेटे विपिन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। वारदात के पीछे घरेलू वजह होना बताया जा रहा है,हालांकि पुलिस हर पहलू से जांच करते हुए गहराई से छानबीन कर रही है।

शातिर चोर चढ़ा जीआरपी के हत्थे, भेजा जेल

हरदोई, अमृत विचार। जीआरपी पुलिस द्वारा ट्रेनों और प्लेटफार्म पर मोबाइल चोरी की घटना को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा अभियुक्त के पास से एक आदद मोबाइल फोन बरामद किया है। जीआरपी थाना प्रभारी पंकज भास्कर ने बताया कि हरदोई रेलवे स्टेशन पर चलाये जा रहे विशेष अभियान में शुक्रवार को जीआरपी पुलिस ने मोबाइल चोर को पकड़ा। अभियुक्त ने अपना नाम सरवन निवासी मंगोलपुर थाना कोतवाली देहात बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से चोरी का मोबाइल फोन भी बरामद हुआ। भास्कर ने बताया कि 4 सितंबर को जितेंद्र मोहन शुक्ला निवासी सहादत नगर थाना मंझिला द्वारा शिकायती पत्र देकर बताया था कि 1 सितंबर को हरदोई रेलवे स्टेशन पर टिकट खरीदने के दौरान किसी ने उनका मोबाइल चोरी कर लिया है। इस संबंध में अभियोग पंजीकृत था, पकड़े गए अभियुक्त सरवन के पास से जितेंद्र मोहन शुक्ला का चोरी हुआ मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया है। अभियुक्त के ऊपर पूर्व में तीन अभियोग पंजीकृत है, जिसमें से दो अभियोग देहात कोतवाली में एक अभियोग शहर कोतवाली में पंजीकृत है। अभियुक्त को जेल भेजने की कार्यवाही की जा रही है।

गंगा का जलस्तर घटा, मुसीबतें बरकरार

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

श्री नगर में बाढ़ के पानी से घिरे मकान। ● अमृत विचार

अमृत विचार। पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में बारिश होने के कारण गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा था। जिस कारण नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। बुधवार से गुरुवार तक गंगा का जलस्तर स्थिर रहा। जिसके बाद शुक्रवार को जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई। इसके बावजूद निचले इलाकों में बाढ़ पीड़ितों की समस्याएं जस की तस हैं और वह लोगों नावों से आवागमन कर रहे हैं।

केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार गुरुवार शाम छह बजे गंगा का जलस्तर खतरे के निशान 113 मीटर से 13 सेंटीमीटर दूर 112.870 मीटर मापा गया था। जिसके बाद जलस्तर में गिरावट दर्ज हुई और शुक्रवार सुबह ग्यारह बजे 112.820 मीटर मापा गया। जिसके बाद दोपहर दो बजे 112.810 मीटर रहा। वहीं शाम के समय एक सेंटीमीटर बढ़ोत्तरी दर्ज की गई और जलस्तर 112.820 मीटर मापा गया। चौबीस घंटे में 5 सेंटीमीटर जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई। इसके बावजूद अखलॉक नगर, झब्बूपुरवा, गुर्रीपुरवा, सोलह बीघा, चंपापुरवा, गोताखोर, तेजीपुरवा, सैय्यद कंपाउंड, शाही नगर, हुसैन नगर, कर्बला, रविदास नगर, श्रीनगर, मालवीय नगर, अहमद नगर, गंगा नगर और शक्ति नगर मोहल्लों में पानी भरा हुआ है। जिससे यहां के लोगों को नारकीय जीवन जीना पड़ रहा है। इसके साथ ही गगनी खेड़ा, हरिहरपुर मार्ग व फत्तेखेड़ा के मुख्य मार्ग पर पानी भरा होने से कई गांवों के लोगों को आवागमन में दिक्कतें उठानी पड़ रही है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे और ईओ मुकेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर सफाई अभियान चलाया गया।

शिक्षामित्रों ने नियमित करने की मांग उठाई

उन्नाव। उप्र प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के प्रदेशीय आह्वान पर शिक्षक दिवस पर जिलाध्यक्ष सुधाकर तिवारी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को दिया गया। इसमें मांग की गई कि शिक्षामित्रों को नियमित करते हुए उनके वेतन में वृद्धि की जाए तथा मृतक शिक्षामित्रों के आश्रित के रूप में नौकरी प्रदान की जाए। साथ ही स्वास्थ्य संबंधी लाभ भी दिये जाएं। ज्ञापन देने के पहले शिक्षामित्रों ने निराला पार्क में एक बैठक की। जिसमें उन्हें नियमित करने, वेतन वृद्धि, मृतक शिक्षामित्रों को आश्रित में नौकरी व स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवाएं दिये जाने पर चर्चा की गई। ज्ञापन देने वालों में कुलदीप शुक्ला, ज्ञान दीक्षित, भानु प्रताप सिंह, सरस्वती, रीता कुशवाहा, अवधेष अवस्थी, जगदम्बा तिवारी आदि मौजूद रहे।

भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने चखा प्रसाद

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

दुर्गा मंदिर में भडारे का प्रसाद चखते भक्त। ● अमृत विचार

अमृत विचार। राजधानी मार्ग स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर में शुक्रवार को गुरु के रूप में पूजे जाने वाले श्री मदन केशव आमडेकर की तिरोधान पर प्रतिवर्ष मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। जिसे देखते हुए शुक्रवार को मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद चखा। भंडारे के बारे में जानकारी देते हुए मंदिर अध्यक्ष आदित्य सिंह साधू ने बताया कि 5 सितंबर वर्ष 1983 में श्री मदन केशव राव आमडेकर का ब्रम्हलीन हो गये थे। मंदिर में पूजा पाठ करवाने के अलावा आरती का जिम्मा उनके ही पास था। माँ की विशेष कृपा व उनकी सेवा भाव देखते हुए लोग उन्हें गुरू जी कह कर पुकारने लगे थे। उनके शरीर त्यागने के बाद से ही उनकी स्मृति पर विशाल भंडारे का आयोजन करवाया जाता है। शुक्रवार सुबह ग्यारह बजे आचार्यों ने गुरु जी की विधि विधान से पूजा अर्चना कराई इसके साथ ही उनका अभिषेक कराया गया। जिसके बाद कन्या पूजन के साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन कराया गया। भंडारा सुबह से रात तक अनवरत चलता रहा। जिसमें कानपुर, लखनऊ, मुम्बई के अलावा प्रदेश व अन्य जिलों से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद चखा। भंडारा देर रात तक चलता रहा। इस मौके पर गुरु जी के पौत्र महेश मुकुंद आमडेकर, विजयकरन सिंह, जगन्नाथ कुशवाहा, शिवकुमार कुशवाहा, बब्बू मिश्रा, मनोज सिंह आदि मंदिर के सेवक मौजूद रहे।

गणपति की मूर्ति विसर्जन को निकाली शोभा यात्रा

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। गणेश महोत्सव अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है और नगर में प्रतिमाओं के विसर्जन का क्रम जारी है। शुक्रवार को गायत्री नगर में विराजमान गजानन महाराज की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा में आकर्षक झांकियां शामिल की गईं, जिन्हें देखने के लिए मार्गों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। पूरे मार्ग में गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारे गूंजते रहे। गणेश महोत्सव की शुरुआत नगर में 27 अगस्त से हुई थी। पोनीरोड, मिश्रा कॉलोनी, गायत्री नगर, रूपनगर, ब्रह्मनगर, कंचन नगर, भातूफार्म और चंपापुरवा समेत कई स्थानों पर गणेश प्रतिमाएं स्थापित कर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रतिदिन भक्ति गीतों की गूंज के बीच महाआरती और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बनाए रखा। शुक्रवार को राजधानी मार्ग से निकली शोभायात्रा में श्रद्धालु ढोल-ताशे और डीजे की भक्ति धुनों पर झूमते हुए शामिल हुए। महिलाएं और बच्चे भी पूरी श्रद्धा से यात्रा में सम्मिलित रहे। कुछ प्रतिमाओं का विसर्जन गगनी खेड़ा झील में विधि-विधान से किया गया।

दुर्गा मंदिर में 7 से होगी श्रीमद्भागवत कथा

शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार। गुरु महाराज श्री स्वामी उपेन्द्रानन्द सरस्वती जी के आदेशानुसार तथा श्री परमपिता परमात्मा की असीम कृपा से पितृ पक्ष में जनकल्याण और पितरों की शांति हेतु श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान कथा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 7 सितंबर से 14 सितंबर तक राधा कृष्ण दुर्गा मंदिर, पोनी रोड शुक्लागंज में होगा। कथा व्यास आचार्य सम्पूर्णानन्द जी के मुखारविंद से प्रवचन होंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ 7 सितंबर की सुबह 8 बजे कलश यात्रा से किया जाएगा। प्रतिदिन कथा का समय दोपहर 1:30 बजे निर्धारित है। 13 सितंबर को कथा का समापन होगा।

प्रस्तावित नए पुल निर्माण को लेकर विधायक व अधिकारियों ने की चर्चा

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। गंगानदी पर लंबे समय से बंद और क्षतिग्रस्त पुराने यातायात पुल के स्थान पर मिश्रा कॉलोनी की ओर लगभग 50 मीटर दूरी पर 235 करोड़ रुपये की लागत से नया पुल बनने जा रहा है। शासनादेश पहले ही जारी हो चुका है और निर्माण कार्य के लिए शासन से 82 करोड़ 33 लाख 97 हजार रुपये की धनराशि भी अवमुक्त हो चुकी है। निर्माण कार्य की जद में कुल 37 मकान आने हैं, जिन्हें देखते हुए शुक्रवार को सदर विधायक पंकज गुप्ता और ब्रिज कारपोरेशन के असिस्टेंट मैनेजर सागर पुराने यातायात पुल चौराहे पर पहुंचे और नए पुल के ब्लू प्रिंट का निरीक्षण किया।

इस दौरान यह विशेष रूप से ध्यान रखा गया कि पुल निर्माण के दौरान कम से कम घरों और परिवारों को प्रभावित होना पड़े। विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि विकास कार्यों की राह में आमजन की जिंदगी और आजीविका पर न्यूनतम असर पड़े। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जिन लोगों के मकान निर्माण की जद में आएंगे, उनके उचित मुआवजे के लिए मुख्यमंत्री से संपर्क कर उन्हें मुआवजा दिलाया जाएगा। नए पुल के महत्व को रेखांकित करते हुए विधायक ने कहा कि यह केवल दो छोरों को जोड़ने वाला साधन नहीं होगा, बल्कि यह उन्नाव और आसपास के क्षेत्रों के व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए अवसर खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस दौरान पुल के दोनों छोरों पर सर्विस लेन बनाने और पुल के उतार की योजना पर भी चर्चा की गई। वहीं पश्चिमी क्षेत्र के लोगों ने मिश्रा कॉलोनी की ओर पुल के उतार की मांग की।

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों व कर्मियों ने रखा उपवास

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। शिक्षक दिवस पर शिक्षकों व कर्मचारियों ने अटेवा, एनएमओपीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु के आह्वान पर विकासखंड औरास के शिक्षकों व कर्मचारियों ने एक दिन का सामूहिक उपवास रख सरकार से कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की।

ब्लॉक संयोजक प्रदीप यादव ने पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की। उपवास कार्यक्रम में उपस्थित राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उप्र के प्रदेश महामंत्री संजय शुक्ल ने पुरानी पेंशन का समर्थन करते हुए सरकार से पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की। पीएसपीएसए के जिला व मांडलिक महामंत्री प्रदीप वर्मा ने कहा कि देश में जनप्रतिनिधि कई कई पेंशन ले रहे हैं और वहीं, शिक्षकों व कर्मचारियों को सरकार पुरानी पेंशन देने से भी कतरा रही है। कार्यक्रम में मो. सुफियान महामंत्री अटेवा, विनोद कुमार, राकेश बघेल, प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष उमेश चंद, शिव स्वरूप, रहीसुल गौहर, संतोष आदि ने शिक्षकों ने पुरानी पेंशन बहाली हेतु एक दिन का उपवास रखा।

कार्यक्रम

इंटर कॉलेज में नवनिर्मित कक्षों का डीआईओएस ने किया लोकार्पण

शिक्षा के मंदिर होते हैं विद्यालय : सुनील

संवाददाता, पाटन उन्नाव

शिक्षक को सम्मानित करते आयोजक। ● अमृत विचार

अमृत विचार। बीघापुर क्षेत्र के श्री स्वामी ईश्वरानंद इंटर कालेज बाबूखेड़ा में शिक्षक विधायक निधि से नवनिर्मित कक्षों का लोकार्पण डीआईओएस ने किया। इसमें विद्यालय प्रबंध समिति ने सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया।

डीआईओएस सुनील दत्त ने कहा कि विद्यालय शिक्षा के मंदिर होते हैं। यहां से निकलने वाली युवा पीढ़ी देश का कर्णधार होती हैं। सरकार विद्यालयों को हाईटेक बनाने व स्मार्ट क्लास चलाने के लिए प्रोजेक्टर व बड़ी एलईडी उपलब्ध करवा रही है। स्मार्ट क्लास से बच्चे आधुनिक शिक्षा पा रहे हैं। विद्यालय में शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह की निधि से नवनिर्मित कक्षों का लोकार्पण उनकी अनुपस्थिति में डीआईओएस ने किया। विद्यालय परिवार द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षकों सतीश मिश्र, बीबी सिंह, रामहेत सिंह, उमाशंकर तिवारी, बीडी सिंह, रमेश सिंह आदि को अंगवस्त्र व प्रतीकचिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्षता शिक्षक नेता कमलेश नाथ अवस्थी व संचालन शिक्षक अभिषेक सिंह ने किया।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का देखा सीधा प्रसारण

उन्नाव, अमृत विचार। शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ में शिक्षकों का सम्मान किया गया। जिसका सजीव प्रसारण बीएसए संगीता सिंह द्वारा नगर क्षेत्र कार्यालय में आयोजित किया गया। इसमें शिक्षकों, बच्चों व कार्यालय स्टाफ के साथ मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। इसमें उदयवीर सिंह, सोनू सिंह, सुजाता, सरिता, स्मिता, रामजी, नेहा, गौरव सिंह, संदीप वर्मा, एआरपी, शिवम आदि रहे।

रोटरी क्लब ने किया शिक्षकों को सम्मानित

उन्नाव। रोटरी क्लब उन्नाव सिटी द्वारा नेशन बिल्डर्स अवार्ड कार्यक्रम मुस्कान हॉस्पिटल में हुआ। इसमें 18 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। शुभारंभ सदर विधायक पंकज गुप्ता ने गणेश, मां सरस्वती व रोटरी संस्थापक पॉल हैरिस की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से किया। विधायक ने समाज निर्माण में शिक्षक की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में 18 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इसमें नेहा श्रीवास्तव, फरहा इस्लाम, अर्चना, रुहीना जबीन, सावित्री सिंह, अर्चना यादव, धर्मेंद्र सिंह, पंकज कुमार, कमलेश अवस्थी, प्रदीप द्विवेदी, एसएस शर्मा, शैलेन्द्र वर्मा, सुधीर निगम, अध्यक्ष दिनेश चंद्र जैन, रोटरी डॉ. डीपी सिंह, आनंद आहूजा, धीरज श्रीवास्तव आदि रहे।

गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन संपन्न

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

कार्यक्रम में मौजूद विधायक व सम्मानित किये गए शिक्षक आदि। ● अमृत विचार

अमृत विचार। भारत विकास परिषद चंद्रशेखर आज़ाद शाखा उन्नाव द्वारा गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन मोती नगर स्थित एक गेस्ट हाउस में हुआ। इसका उद्देश्य समाज में शिक्षा का महत्व उजागर करना व विद्यार्थियों में गुरुओं के प्रति सम्मान की भावना को प्रोत्साहित करना था। मुख्य अथिति सदर विधायक पंकज गुप्ता ने गणेश पूजा, दीप प्रज्वलन व वन्दे मातरम के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की।

अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष आरके श्रीवास्तव ने की व विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रवीण मिश्रा नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण कर व मोमेंटो देकर किया गया। अतिथियों ने गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डाला तथा भारत विकास परिषद द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इसमें स्थानीय विद्यालयों से हाईस्कूल व इंटर के चयनित 22 मेधावी छात्रों व 26 गुरुओं का सम्मान माल्यार्पण कर व प्रशस्तिपत्र और मोमेंटो देकर किया गया। अध्यक्ष केजी अग्रवाल व सचिव आशीष शुक्ला ने कहा गुरु-शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति की आत्मा है। सचिव आशीष शुक्ला, अभिनय बाजपेयी, संजय शुक्ला, अखिलेश अवस्थी, नीरज श्रीवास्तव, विश्वनाथ तिवारी ने कविताओं से दिल जीत लिया।

न्यूज ब्रीफ

छात्रा ने मिर्जापुर में जीता गोल्ड मेडल

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। शिक्षक दिवस पर मिर्जापुर में आयोजित मंडल स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में विकासखंड फतेहपुर चौरासी के गांव कठिघरा स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्रा ने गोल्डमेडल जीतकर विद्यालय सहित जिले का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में भाग लेने विद्यालय से चार छात्राएं गई थीं। गोल्डमेडल जीतने वाली कक्षा 7 की छात्रा विकासखंड बांगरमऊ के गांव नसीरपुर निवासी याशिनी है। उसके पिता रमेश कुमार राजगीर व मां आशा देवी गृहिणी हैं। गोल्ड मेडल जीतने वाली छात्रा कमजोर परिवार से है। आर्थिक कमजोर होने से यह छात्राएं कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय फतेहपुर चौरासी में अध्यनरत है। छात्राओं के साथ गई कोच टीचर पद्मिनी अवस्थी ने गोल्ड जीतने वाली छात्रा याशिनी को बधाई देते हुए प्रदेश स्तर पर भी नाम रोशन करने के लिए हर सम्भव मदद व मार्गदर्शन का अश्वासन दिया है। वहीं वार्डेन सुधा गुप्ता समेत टीचर सरवनी बाजपेई आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने दबोचा

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। एसपी दीपक भूकर के निर्देश पर महिला सम्बन्धी अपराधों में वांछितों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को गुरुवार देररात ऊगू कस्बा क्षेत्र में निरंजन सिंह महाविद्यालय के पास से मुखबिर की सूचना पर पकड़कर कोर्ट भेजने की कार्यवाही की है। एक गांव निवासी युवती ने बुधवार को पड़ोसी पुत्तीलाल पर शौच जाते समय दुष्कर्म करने का आरोप लगा रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने पुत्तीलाल को पकड़ा और उसे कोर्ट भेजा।

शानो-शौकत से निकाला जुलूसे मोहम्मदी

संवाददाता बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार। पैगंबरे इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के जन्म दिवस बारह रबीउल अव्वल के मौके पर काजी हर सैयद जियाउल आरफीन व पूर्व नपा अध्यक्ष इज़हार खान गुड्डू की अगुवाई में शानो शौकत के साथ जुलूसे मोहम्मदी निकाला गया।

मस्जिद आलिम शाह से जुलूसे मोहम्मदी उठाया गया। हाथों में इस्लामी परचम थामे आशिकी ने रसूल मरहबा-मरहबा, सरकार की आमद मरहबा, लब्बैक या रसूल अल्लाह, नारए रिसालत या रसूल अल्लाह के नारे बुलंद करते हुए आगे बढ़े। लखनऊ रोड चौराहा पहुंचकर उलमाए इकराम ने मोहम्मद साहब के जीवन पर प्रकाश डाला। वहीं नात ख्वाहो ने मोहम्मद साहब की शान में नाते पेश की। यहां से चूड़ी वाली गली, मोहल्ला भटपुरी होते हुए जुलूस मोहल्ला मुकरियाना पहुंचा। जहां पर जुलूस में शामिल लोगों ने जुमा की नमाज अदा की। बाद नमाज जुमा जुलूस मोहल्ला गुलाम मुस्तफा, हटिया घूरे टोला होते हुए मोहल्ला दरगाह शरीफ पहुंचा। जुलूस में शामिल लोग दरगाह मीर सैयद अलाउद्दीन शाह मीरा बाबा के उर्स में शामिल हुए। इसके बाद जुलूस सैयद वाडा होते हुए नानामऊ रोड पहुंचा। जहां शाम पांच बजे फिर मस्जिद आलिम शाह पहुंचकर जुलूसे मोहम्मदी का समापन हुआ। जुलूस में सरकार खान सिक्की, रेहान खान, महमूद एडवोकेट, आफताब, मुन्ना मंसूरी, अहमद हसन जिलानी, युसूफ मलिक, अल्ताफ हुसैन, हाफिज मोहम्मद दिलशाद आदि शामिल हुए। जुलूस के दौरान युवा सपा नेता इमरान सिद्दीकी, सपा नेता डॉ. मुन्ना अल्वी, सपा नेता सुरेश पाल व अनम मन्सूरी आदि ने हरदोई उन्नाव मार्ग पर शिविर लगाकर जायरीनो को तबर्रुक तकसीम किया। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में भी हर्षोल्लास के साथ जुलूसे मोहम्मदी उठाया गया। 12 रबीउल अव्वल की पूर्व संध्या पर नगर व क्षेत्र में लोगों ने दरगाहों, मस्जिदों, घरों व गलियों को रंगबिरंगी झालरों से सजाया। नगर में कई जगह बैतुल्लाह, मस्जिद नबवी व मक्का व मदीना पर आधारित झांकियां सजाई गईं। मोहल्ला दरगाह में बच्चों द्वारा सजाई गई झांकी देखने को रातभर भीड़ उमड़ती रही।

जुलूस में शामिल लोग। अमृत विचार

अकीदत के साथ निकाला गया जुलूस

पाटन, उन्नाव। जुलूस-ए-ईद मिलादुन्नबी क्षेत्र में अकीदत व एहतराम संग मनाया गया। सुबह से ही मस्जिदों में महफिल-ए-मिलाद का आयोजन हुआ। इसमें नबी-ए-पाक के पैगाम-ए-इंसानियत को याद किया गया। नगर व ग्रामीण क्षेत्रों से जुलूस निकाले गए। बच्चे, नौजवान व बुजुर्ग हाथों में झंडे लेकर नात व सलाम पढ़ते चल रहे थे। इस दौरान घरों, ईदगाहों, इमामबाड़ों व मस्जिदों में रोशनी की गई। अकीदतमंदों ने मोहब्बत व भाईचारे के साथ अमन-ओ-शांति की दुआ की। जुलूस पाटन, बिहार, मनिकापुर, सवाइन, लिलिया, बरवलिया, भगवंत नगर आदि स्थानों पर भी निकले।

जुलूस में शामिल सज्जाद नसीन मो . अफजल फारुकी, पूर्व मंत्री सुधीर रावत व अन्य।

चांद रात पर मस्जिदों, घरों व चौराहों में हुई रोशनी

सफीपुर, उन्नाव। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर इमामबाड़ा फजल अजीम में मिलादुन्नबी का आयोजन हुआ। अधिवक्ता आफताब हैदर के संचालन में हुए कार्यक्रम में मौलाना ने संबोधन कर मोहम्मद साहब की शिक्षाओं को याद दिलाया। इसके बाद आठ बजे झंडे का जुलूस उठाया गया। जो कस्बे के विभिन्न मोहल्लों से गुजरते हुए शाम को वापस इमामबाड़े पहुंचा। चांद रात पर कस्बे की मस्जिदों, घरों व चौराहों को सजाकर रोशनी की गई। जगह-जगह हुए मिलाद-उन-नबी कार्यक्रमों में मोहम्मद साहब के बताए रास्ते पर चलने की प्रेरणा दी गई। जुलूस मोहल्ला कजियाना, किलाबाजार, मियाबाजार, चालकन टोला, पीरजादगान, सय्यदवाड़ा, राहतगंज व उम्मेदाराय बाजार से होकर इमामबाड़े पहुंचा। इस दौरान अंजुमन के सदस्य नारे लगाते रहे। कार्यक्रम में मखदूम शाह सफी मजार के सज्जादा नशी नवाजिश, अफजाल मोहम्मद फारूकी, पूर्व मंत्री सुधीर रावत, चेयरमैन प्रतिनिधि सौरभ बाजपेई, लायक नाजिम, शारिक सफवी, ताबिश बकाई, वकार अहमद, एसडीएम शिवेंद्र वर्मा, सीओ सोनम सिंह, कोतवाली प्रभारी सुब्रत त्रिपाठी आदि रहे।

फोरलेन पर जाम में फंसे वाहन सवार। अमृत विचार

जुलूस के कारण फोरलेन पर लगता रहा जाम

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। जुलूस-ए-मोहम्मदी के चलते दोपहर से शाम तक फोरलेन पर यातायात बाधित रहा। रुक-रुक कर लगने वाले जाम से वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। गंगाघाट क्षेत्र के विभिन्न मुस्लिम इलाकों से भारी संख्या में लोग झंडे लेकर जुलूस में शामिल हुए। जुलूस गुजरते ही शुक्लागंज से उन्नाव की ओर जाने वाली लेन पर वाहनों की कतारें लग गईं। हालात को देखते हुए पुलिस ने वाहनों को दूसरी लेन से डायवर्ट किया, लेकिन एक ही लेन पर वाहनों का दबाव बढ़ने से स्थिति और बिगड़ गई। वहीं पुलिसकर्मियों को जाम हटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी और पसीने छूट गए। दोपहर से शाम तक कई बार फोरलेन पर यातायात ठप हो गया, जिससे एम्बुलेंस और बसों तक की रफ्तार थम गई।

जुलूस-ए-मोहम्मदी में फहराए झंडे, हुआ इस्तकबाल

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। पैगम्बर हज़रत मोहम्मद साहब की पैदाइश के उपलक्ष्य में बारावफात के मौके पर दूसरे दिन निकाले जाने वाले जुलूस-ए-मोहम्मदी ने शुक्रवार को नगर की सड़कों पर उत्सवी माहौल बना दिया। दोपहर दो बजे के बाद से ही जामा मस्जिद परिसर में बड़ी संख्या में लोग झंडे-बैनर लेकर एकत्र होने लगे। अहमदनगर, मदनीनगर, रहमत नगर, अलीनगर, गोताखोर, रसीद कॉलोनी, करीमुल्ला कॉलोनी, अखलॉक नगर, चंपापुरवा और मनोहर नगर समेत विभिन्न मुस्लिम इलाकों से जुलूस में शामिल होने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी।

जुलूस-ए-मोहम्मदी में शामिल लोग। अमृत विचार

जुलूस राजधानी मार्ग होते हुए सब्जी मंडी, पोनी रोड और टेलीफोन एक्सचेंज तक पहुंचा। जगह-जगह पर लोगों ने पंडाल लगाकर जुलूस का स्वागत किया और बिस्कुट, पेठा व अन्य प्रसाद का वितरण किया। फुरकान शाह, हाजी सैय्यद इरफान, महताब आलम ने विशेष तौर पर जुलूस का इस्तकबाल किया। शाम करीब साढ़े छह बजे जुलूस गोताखोर पहुंचा और वहीं अखलॉक नगर में अलग से निकाले गए जुलूस का स्वागत जावेद अख्तर, जिशान, आसिफ और सैफ ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल और फायर बिग्रेड की गाड़ी जुलूस के साथ चल रही थी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नगर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। मौके पर नायब तहसीलदार धीरज त्रिपाठी, कोतवाल अजय कुमार सिंह और लेखपाल अशोक सैनी भारी पुलिस फोर्स के साथ मौजूद रहे। जुलूस में जकाउल्ला सना, शमीम अहमद, मौलाना मुस्ताक बरकाती, तहसीन रज़ा कादरी, मौ. अब्दुल गफूर, हाफिज गुलाम मोहम्मद और मो. असगर अली आदि मौजूद रहे।

एएसपी-सीओ ने ड्यूटी की जांच की

बारावफात के जुलूस को लेकर पुलिस-प्रशासन की चौकसी देखते ही बनी। दोपहर में एएसपी अखिलेश सिंह और सीओ सिटी दीपक यादव राजधानी मार्ग स्थित जामा मस्जिद पहुंचे और वहां तैनात पुलिस अधिकारियों व जवानों की ड्यूटी चेक की।

टेलीफोन एक्सचेंज पर नोक-झोंक

जुलूस में शाम चार बजे टेलीफोन एक्सचेंज के पास हल्की नोक-झोंक देखने को मिला। जुलूस का एक हिस्सा आगे बढ़कर आजाद नगर मोड़ की ओर मुड़ गया। इस पर पुलिस ने हस्तक्षेप कर शेष जुलूस को रोककर मुड़वा दिया। कुछ देर तक पुलिस और जुलूस में शामिल लोगों के बीच नोक-झोंक हुई।

डॉ. राधाकृष्णन का मना जन्मदिवस

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। गायत्री शक्तिपीठ कॉलेज रोड में सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन का जन्मदिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों को शक्तिपीठ के व्यवस्थापक सिद्धनाथ श्रीवास्तव (एडवोकेट) ने गायत्री महामंत्र की पट्टिका भेंटकर सम्मानित किया।

वरिष्ठ शिक्षक एके दीक्षित, विनय दीक्षित, रवींद्र तिवारी ने कहा कि जन्म तो माता-पिता देते हैं किन्तु शिक्षक बालक को इंसान बनाकर जीवन जीने की कला सिखाते है। शिक्षा व शिक्षक के प्रति सम्मान ही डॉ. राधा कृष्णन के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। शिक्षक राष्ट्र के निर्माण कर्ताओं का निर्माता कहा जाता है। सिद्धनाथ श्रीवास्तव ने सभी शिक्षकों का आभार जताते हुए कहा कि जब तक नैतिक मूल्यों व सदाचार को शिक्षा का उपदेश नहीं बनाया जाएगा तब तक देश व समाज का सर्वांगीण विकास असंभव है। इस दौरान शिक्षकों एके दीक्षित, विनय दीक्षित, रवींद्र तिवारी, कामता सिंह, सत्येंद्र त्रिपाठी, सुधा द्विवेदी, पूनम, राम किशोर बाजपेई को सम्मानित किया गया। डॉ. जगदीप निगम, प्रीति निगम, श्याम द्विवेदी, सीके द्विवेदी (संचालक), पूर्णिमा निगम, कृष्णा देवी शर्मा आदि उपस्थित रहे।

डॉ. राधाकृष्णन के जन्मदिन पर सम्मानित शिक्षक व अन्य। अमृत विचार

युवती को भगाने की शिकायत पर परिजनों को जमकर पीटा

पाटन उन्नाव, अमृत विचार। बिहार थाना क्षेत्र के गांव नटवरगंज के मजरे ककरारी में छह दिन पूर्व युवती को भगाने के मामले में की गई शिकायत पर पुलिस की लापरवाही से आरोपियों के हौसले इतने बुलंद हो गए कि शुक्रवार को बारावफात के जुलूस में शामिल लड़की पक्ष के लोगों पर विपक्षियों ने लाठी-डंडों व ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में दोनों पक्षों से आधा दर्जन लोग घायल हो गए। इसमें चार को गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर किया गया। बता दें शुक्रवार को लड़की पक्ष के कुछ लोग जुलूस में शामिल होने को घर से निकल रहे थे। तभी विपक्ष के निजाम पुत्र नजरू, पप्पू पुत्र नजर मोहम्मद, राहुल पुत्र निजाम, रोहित पुत्र चांद आदि ने उन पर हमला कर दिया। इसमें प्रथम पक्ष के कुछ लोग घायल हो गए। इनमें दो को गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा गया।

वहीं दूसरे पक्ष से रफीकुन पत्नी गुलफाम व समन बाबू को जिला अस्पताल रेफर किया गया। रोहित पुत्र चांद आदि को हल्की चोटें आईं। यह विवाद उस घटना से जुड़ा बताया जा रहा है जिसमें छह दिन पूर्व निजाम का बेटा शाहरुख खान युवती को भगा ले गया था।

अटेवा ने किया सामूहिक उपवास

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। अटेवा (ऑल टीचर्स एंड एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन) के प्रदेशीय नेतृत्व के आह्वान पर शिक्षक दिवस पर भारतरत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क के पास ओल्ड पेंशन स्कीम के समर्थन में व यूपीएस/एनपीएस के विरोध में एक दिवसीय सामूहिक उपवास कार्यक्रम आयोजित किया। सर्वप्रथम डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर अटेवा जिला संयोजक अर्पित मिश्रा, महामंत्री राजकरन व कार्यक्रम प्रभारी सौरभ राज भारती ने माल्यार्पण किया। सामूहिक उपवास में अटेवा जिला शाखा की जिला व तहसील कार्यकारिणी और ब्लॉक स्तर पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। सभी शिक्षकों व कर्मचारियों ने एक सुर में पुरानी पेंशन बहाल करने के लिए आंदोलन और तेज गति से बढ़ाने की बात की। उपवास में राजू सरोज, महेंद्र सिंह, संरक्षक उमेश मौर्य, भरत चित्रांशी, अनुपम मिश्रा, राघवेंद्र सिंह, राजबहादुर, अनिल भारती, शिव सहाय तिवारी, सुरेंद्र कुमार, डीजी कुरील, हेमंत रंजन आदि ने प्रतिभाग किया।

आंबेडकर पार्क में उपवास पर बैठे अटेवा समर्थक। अमृत विचार

रोटरी क्लब की ओर से शिक्षकों को किया गया सम्मानित। अमृत विचार

रोटरी क्लब गंगाघाट ने किया शिक्षक सम्मान समारोह

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। शिक्षक दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब गंगाघाट की ओर से राजधानी मार्ग स्थित डीएसएम पब्लिक स्कूल में पथ प्रदर्शक गुरुजन सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के 46 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब अध्यक्ष रो . अवनीश शुक्ला को कॉलर पहनाकर किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंडलाध्यक्ष रो . दिनेश चंद्र शुक्ला, सेठ आनंदराम जयपुरिया ग्रुप की सदस्य एवं पूर्व प्रधानाचार्या शिखा बनर्जी तथा डॉ . सौरभ मिश्रा मौजूद रहे। मुख्य अतिथियों ने सभी चयनित शिक्षकों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया। समारोह के दौरान शिक्षकों के योगदान को समाज के लिए अमूल्य बताते हुए उन्हें नई पीढ़ी का सच्चा पथप्रदर्शक करार दिया गया। इस अवसर पर क्लब सचिव रो . आनंद पांडेय, रो . संतोष तिवारी, रो . अशोक तिवारी, रो . विवेक शुक्ला, रो . विवेक गुप्ता, रो . पारस गुप्ता, रो . ध्रुव प्रकाश अवस्थी और रो . अनुराग बाजपेयी सहित बड़ी संख्या में रोटेरियन बंधु उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर गुरुजनों का सम्मान

संवाददाता बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार। ब्लॉक रोड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि राजयोग केंद्र में शिक्षक दिवस पर प्राथमिक व जूनियर शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित हुआ। केंद्र संचालिका बीके सरला बहन ने कहा बच्चों को अल्प अवधि के लिए मेडीटेशन अवश्य कराएं। उन्होंने शिक्षकों को सहज राजयोग से तनावमुक्त जीवन व अपनी कार्यक्षमता को बढ़ाने का तरीका बताया। कहा शिक्षक मूल्यनिष्ठ बनकर बच्चों को भौतिक शिक्षा के साथ नैतिक शिक्षा भी दें। सभी बच्चे कच्चे घड़े के समान होते हैं। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों को शिक्षण कार्य से कुछ समय बचाकर राजयोग अवश्य कराएं। जिससे जहां बच्चे शांत, शालीन और निर्मल स्वभाव के बनेंगे, वहीं उनकी बुद्धि और तर्कशक्ति भी प्रखर हो जाएगी। उन्होंने राजयोग की व्याख्या करते हुए बताया कि आत्मा को परमपिता परमात्मा से जोड़ना ही राजयोग है। उन्होंने सभी शिक्षकों से प्रतिदिन मेडीटेशन अवश्य करने की अपील की। अंत में सभी शिक्षकों को 15 मिनट मेडीटेशन भी कराया गया।

समारोह में परिषदीय विद्यालय के श्यामेंद्र सिंह, अनुज विश्वकर्मा, अखिलेश प्रताप सिंह, अंकित शर्मा, विकास गुप्ता, उमा कनौजिया, समीर गुप्ता, हरि श्वरूप, नरेंद्र कुमार, शुभम गुप्ता व निर्मल बाबू को सम्मानित किया गया।

समारोह में सम्मानित किये गए शिक्षक। अमृत विचार

कार्यक्रम के दौरान मौजूद मुख्य अतिथि। अमृत विचार

विद्यार्थी परिषद ने कार्यक्रम आयोजित कर मनाया शिक्षक दिवस

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। दयानंद सरस्वती इंटर कॉलेज में शुक्रवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तत्वावधान में राष्ट्र निर्माण सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर के सम्मानित शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रबंधिका सुधा तिवारी, मुख्य अतिथि वेणुरंजन भदौरिया, अभाविप जिला संयोजक अनंत शुक्ला और नगर अध्यक्ष सुधीर सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अभाविप तहसील प्रमुख अभिषेक तिवारी ने कार्यक्रम का विषय रखते हुए बताया कि संगठन अपने स्थापना काल से ही शिक्षकों के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्य अतिथि वेणुरंजन भदौरिया ने कहा कि विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा और जिम्मेदार छात्र संगठन है, जो शिक्षकों को सदैव अपना पथ प्रदर्शक मानते हुए राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर अग्रसर रहता है। जिला संयोजक ने शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा क्षेत्र में अभाविप की सक्रिय भूमिका को रेखांकित किया। नगर अध्यक्ष सुधीर सिंह ने भी शिक्षक समाज को संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्षता कर रही विद्यालय की प्रबंधिका ने अपने विचार रखते हुए समापन की घोषणा की। इस दौरान विपिन कुमार आदि मौजूद रहे।

पूर्व एमएलसी अजीत सिंह को 21वीं पुण्यतिथि पर दी गयी श्रद्धांजलि

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। अरोरा रिसार्ट में पूर्व एमएलसी अजीत सिंह की 21वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने को विभिन्न दलों व समाज के लोग पहुंचे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, प्रदेश सरकार के कई कैबिनेट व राज्यमंत्रियों के अलावा, नामचीन हस्तियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। दिव्यांगों को ट्राई साइकिल भी दी गई। मेधावी बच्चों, शिक्षकों व समाजसेवा से जुड़े लोगों को सम्मानित किया गया। जिला अस्पताल में रोगियों को फल, दूध आदि का वितरण किया गया। पैतृक गांव मुलाहिमपुर स्थित उनके प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कुछ लोग भले ही हमारे बीच न रहे हों लेकिन उनके कार्य व व्यवहार हमारे बीच हमेशा जीवित रहते हैं। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा उन्होंने समाज को नई दिशा दी। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश अंसारी, उद्यान मंत्री दिनेश सिंह, सरोजनी नगर विधायक राजेश्वर सिंह, पूर्व एमएलसी ब्रजेश सिंह, पूर्व सांसद धनंजय सिंह, प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्र, प्रदेश मंत्री शंकरलाल लोधी, पैकफैड अध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, विधायक राजेश्वर सिंह, अमरीश रावत, अभिजीत सिंह सांगा, आशुतोष शुक्ला, ब्रजेश रावत, श्रीकांत कटियार, बंबालाल दिवाकर, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, पूर्व अध्यक्ष अवधेश कटियार, राजकिशोर रावत, नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा, पंकज त्रिपाठी, प्रवीण भानू मिश्रा आदि पहुंचे। उधर, मुलाहिमपुर स्थित पैतृक गांव में उनकी प्रतिमा स्थल पर बेटे शशांक शेखर सिंह सनी ने श्रद्धांजलि दी। पूर्व एमएलसी बाबू रंजीत सिंह, जिपं अध्यक्ष शकुन सिंह व शुभम सिंह ने सभी का आभार जताते हुए धन्यवाद दिया।

अजीत सिंह को श्रद्धांजलि देते देते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, जिपं अध्यक्ष व अन्य।

कार्यक्रम में छात्रा को किया गया सम्मानित। अमृत विचार

अजीत सिंह को पुष्प अर्पित करते विधायक बंबालाल दिवाकर व अन्य। अमृत विचार

रिसॉर्ट में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

सफीपुर, उन्नाव। कस्बा स्थित एक रिसॉर्ट में अजीत सिंह की पुण्यतिथि पर कुंवर पप्पू सिंह के संयोजन में श्रद्धांजलि सभा हुई। विधायक बंबालाल दिवाकर ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर नागेंद्र सेंगर, कमलेश गुप्ता, राजू द्विवेदी, सतीश चंद्र गुप्ता, गुड्डू सेठ, योगेंद्र दीक्षित, शिव बक्श सिंह, अवधेश सिंह फौजी, अशोक गुप्ता, राजीव शर्मा, वीरेंद्र मिश्रा, अभिनव शर्मा, बेचेलाल गुप्ता, संजीव गुप्ता, सतगुरु शरण मिश्र, विमल विश्वकर्मा, अमित कुशवाहा, बीपी सिंह सेंगर, वीरेंद्र मिश्र, अजय यादव, गिरीश प्रसाद शुक्ला, तनय अवस्थी, राहुल पटेल, अनुराग तिवारी, अनूप सिंह चंदेल आदि रहे।

ट्रेन में बिगड़ी श्रमिक की हालत, हुई मौत

नवाबगंज, उन्नाव। जैतीपुर स्टेशन के पास पटरी बिछाने का काम चल रहा है। जहां झांसी जिले के थाना सकरार के गांव घोराट तेजपुर निवासी सुरेन्द्र (26), उसकी मां लड़ैती व बहन सरस्वती काम करते थे। कुछ दिन पहले सुरेंद्र बहन को लेकर गांव गया था। उसके साथ काम करने वाले चतुर्भुज ने बताया कि सुरेंद्र व सरस्वती जैतीपुर आने के लिए चले थे। रास्ते में सुरेंद्र की तबीयत खराब हो गई तो सरस्वती ने फोन कर बताया। वह और धर्मेंद्र, संजू आदि साथी जैतीपुर पहुंचे और सुरेंद्र को अचेतावस्था में उतारा। उसे नवाबगंज सीएचसी ले गये। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अमृत विचार

शनिवार, 6 सितंबर 2025

यह नियम बना लीजिए कि आप कभी भी अपने बच्चे को ऐसी किताब न दें, जिसे आप खुद न पढ़ें।
–**जॉर्ज बर्नार्ड शॉ,** नोबेल साहित्य पुरस्कार विजेता

पर्यावरणीय अनुशासन जरूरी

उच्चतम न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड तथा पंजाब में बार-बार हो रहे अभूतपूर्व भूस्खलनों एवं प्रलयंकारी बाढ़ के संदर्भ में पहाड़ों पर हो रही पेड़ों की अंधाधुंध अवैध कटाई को जिम्मेदार ठहराया है। उसने इसके लिए एसआईटी जांच कराने का आदेश दिया और केंद्र सरकार तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण जैसी एजेंसियों को नोटिस जारी करते हुए चेतावनी दी कि हमारी संबंधित एजेंसियां पारिस्थितिकी और हिमालयी क्षेत्र में जमीन तथा नदियों को क्षरण से बचाने में विफल रही हैं। यह चेतावनी समयोचित भी है और आवश्यक भी, क्योंकि इस कठोर सच्चाई से हम आंखें नहीं मूंद सकते कि हमारी विकास नीतियों और उपभोग की प्रवृत्तियों ने प्रकृति के संतुलन को लगातार अस्थिर किया है। अब अति हो जाने के बाद वह जवाब देने लगी है, हालांकि केवल वनों की कटाई ही इसका कारण नहीं है। मैदानी इलाकों में नदी के पाटों या उसके मार्ग का अतिक्रमण, जल निकासी तंत्र का लोप, अवैज्ञानिक बांध निर्माण, अतिक्रमणकारी शहरीकरण और औद्योगिक प्रदूषण भी बाढ़ की गंभीरता को कई गुना बढ़ाते हैं। इसी तरह पहाड़ों में अनियंत्रित सड़क निर्माण, बिना भूगर्भीय अध्ययन के सुरंग और बांध परियोजनाएं, अनियोजित पर्यटन ढांचा और निर्माण सामग्री के लिए अनवरत खनन भूस्खलनों को आमंत्रित करते हैं। पर सतत विकास भी एक अनिवार्य तत्व है, उसकी अनदेखी कैसे की जा सकती है? पर्यटन, सड़क और बिजली जैसी आधारभूत सुविधाएं पहाड़ी राज्यों की प्रगति के लिए आवश्यक हैं। सवाल यह है कि संतुलन कैसे बने!

इसका उत्तर नीतिगत अनुशासन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और समन्वित प्रबंधन में निहित है। सबसे पहले, केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर दीर्घकालिक पर्यावरणीय योजना बनानी होगी, जिसमें स्थानीय भौगोलिक स्थिति के अनुसार निर्माण मानक तय किए जाएं और उन्हें सख्ती से लागू किया जाए। पहाड़ी क्षेत्रों में भूगर्भीय सर्वेक्षण के बिना किसी बड़ी परियोजना को अनुमति न दी जाए। पर्यटन को 'कैरीइंग कैपेसिटी' के सिद्धांत पर आधारित किया जाए, यानी जितनी संख्या तक पर्यावरण वहन कर सकता है, उतनी ही अनुमति हो। दूसरा, वनों की पुनर्स्थापना और जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन को गंभीरता से लागू किया जाए और नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करने वाले अतिक्रमणों को हटाकर शहरी जल निकासी तंत्र को दुरुस्त किया जाए। तीसरा, आपदा प्रबंधन एजेंसियों की जवाबदेही और क्षमता दोनों को मजबूत करना होगा। केवल चेतावनी देने वाली व्यवस्थाएं पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि स्थानीय समुदायों की भागीदारी से त्वरित प्रतिक्रिया और पुनर्वास तंत्र को भी सशक्त किया जाना चाहिए, निःसंदेह इसके लिए जन जागरूकता अत्यावश्यक है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि सरकारें और एजेंसियां विकास को पर्यावरणीय अनुशासन और संतुलन के अनुरूप रखें। स्थायी विकास प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण होता है। सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी हमें याद दिलाती है कि हम या तो समय रहते इस संतुलन को साध लें, या फिर बार-बार आपदाओं की कीमत चुकाते रहें। यह वक्त है जब नीति और नियमन की सख्ती को विकास की गति के साथ जोड़ा जाए, तभी पहाड़ों की मजबूती और मैदानों की सुरक्षा व समृद्धि दोनों सुनिश्चित हो पाएंगे।

बदलती विश्व की राजनीति और क्वाड का भविष्य

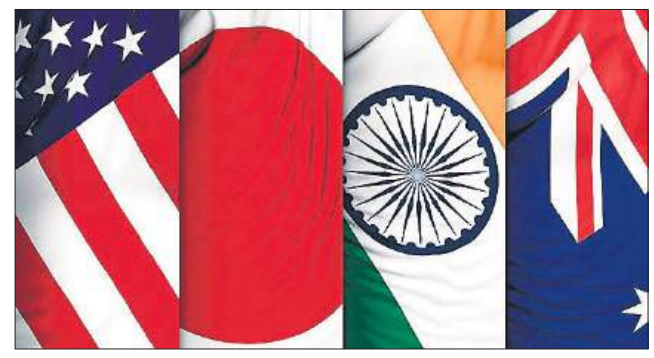

दिग्विजय सिंह
कानपुर

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए अमेरिका की अगुवाई में गठित क्वाड का भविष्य अनिश्चितता की तरफ बढ़ चला है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद के निरोध, साइबर सुरक्षा और आर्थिक व बुनियादी ढांचा बढ़ाने में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त प्रयास करने के उद्देश्य से अमेरिकी नेतृत्व वाली सबसे महत्वपूर्ण बहुपक्षीय पहल चतुर्भज सुरक्षा संवाद (क्वाड) के अस्तित्व पर संकट मंडराता दिख रहा है। क्वाड में अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। इसे चीन की आक्रामकता पर संतुलन बनाने के लिए साल 2007 में गठित किया गया था, हालांकि फिर कुछ सालों के लिए इसे रोक दिया गया।

साल 2017 में क्वाड के महत्व को दोबारा संजीवनी दी गई। इसके बाद डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने तक लगातार क्वाड देशों की बैठकें और शिखर सम्मेलन होते रहे हैं। यहां तक कि ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने पर उनके प्रशासन ने सबसे पहले क्वाड की ही बैठक बुलाई थी, जिसमें चारों सदस्य देशों के विदेश मंत्री शामिल हुए थे, लेकिन अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ विवाद के बाद भारत में होने वाली क्वाड की बैठक को लेकर फिलहाल असमंजस के हालात बने हुए हैं।

टैरिफ विवाद को लेकर अमेरिका के जापान और भारत के साथ रिश्ते लगातार बिगड़ते नजर आ रहे हैं। भारत ने अमेरिका के सामने न झुकने का जो संकल्प लिया है, उससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चिढ़े हुए हैं। अब ऐसी खबरें हैं कि भारत में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन में ट्रंप शामिल नहीं होंगे। अमेरिका के प्रमुख अखबार न्यूयार्क टाइम्स में प्रकाशित लेख में दावा किया गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप 2025 के अंत में भारत में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे, हालांकि इस तरह की मीडिया रिपोर्ट को ट्रंप प्रशासन की ओर से भारत पर दबाव की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। रूस से तेल खरीद के नाम पर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा थोपे गए मनमाने टैरिफ के आगे भारत नहीं झुका। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर अलग-अलग मंचों पर कह चुके हैं कि भारत के किसानों, मछुआरों का हित उनके लिए सर्वोपरि है। राष्ट्रपति ट्रंप को यह भलीभांति पता है कि मोदी जो कहते हैं करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिकी दौरे के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्हें 'टफ नेगोशिएटर' कहा था। यह भी माना था कि प्रधानमंत्री मोदी उनसे कहीं ज्यादा बेहतर वार्ताकार हैं और अपने देश के हित को सबसे ऊपर रखते हैं।

ट्रंप अभी तक भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा चुके हैं। यही नहीं उनके सलाहकार जिस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं, उससे आशंका है कि ट्रंप टैरिफ के दबाव को और आगे ले जाने की मंशा रखते हैं। जापान पर भी ट्रंप ने 15 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। यही नहीं, ऑस्ट्रेलिया पर स्टील/एल्युमिनियम टैक्स लगाकर साफ कर दिया है कि उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति से अमेरिका की 'ग्लोबल स्ट्रैटजी' गायब हो चुकी है। यह कहना गलत नहीं होगा कि आर्थिक राष्ट्रवाद के कठोर रास्ते पर चलते हुए ट्रंप ने अमेरिका की विदेश नीति को इंडो-पैसिफिक के रास्ते से उतार दिया है।

इन हालात में हालिया एससीओ शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन की जुगलबंदी भी ट्रंप को रास नहीं आई है। भारत के टैरिफ पर कड़े रुख को देखते हुए जापान ने भी अपने शीर्ष वार्ताकार को अंतिम समय में अमेरिका जाने से रोक दिया है। ट्रंप टैरिफ की मार से जापान की आटोमोबाइल व स्ट्रील इंडस्ट्री पर बुरा प्रभाव पड़ा है। दो प्रमुख सदस्य देशों की टैरिफ को लेकर अमेरिका से तनातनी के बढ़ने के बाद अब आर्थिक विशेषज्ञ यह कहने लगे हैं कि ट्रंप की जिद के कारण क्वाड का अस्तित्व संकट में पड़ सकता है। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा का रुख चीन के प्रति नरम है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि भारत की तरह जापान से भी चीन रिश्ते मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

अगर ऐसा होता है तो क्वाड का अस्तित्व बना रहेगा, कहना थोड़ा मुश्किल है, क्योंकि क्वाड का गठन ही इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को चुनौती देने के लिए किया गया था। राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों ने न सिर्फ क्वाड के सदस्य देशों में अमेरिका के प्रति अविश्वास की खाई को गहरा किया है बल्कि नए विकल्प तलाशने पर उन्हें मजबूर भी किया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पर्दे के पीछे से पाकिस्तान की मदद करने वाले चीन ने अमेरिका और भारत के बीच उत्पन्न अविश्वास की खाई का ही लाभ उठाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए एससीओ सम्मेलन में रेड कॉर्पेट बिछाया था।

इस सम्मेलन पर अमेरिका लगातार बारीक नजर रखे था। अब सम्मेलन की समाप्ति पर अमेरिकी प्रशासन मोदी, जिनपिंग और पुतिन की केमिस्ट्री को लेकर नफा और नुकसान का नए सिरे से आकलन करने को बाध्य हो गया है। ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो तो इतना बौखला गए कि एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में भारत पर अमर्यादित जातिगत टिप्पणी तक कर बैठे। रूस से भारत द्वारा किए जा रहे तेल आयात के संदर्भ में उनका यह कहना कि भारतीयों की कीमत पर ब्राह्मण मुनाफा कमा रहे हैं, दर्शाता है कि भारत की बढ़ती साख और चीन से गाढ़ी होती दोस्ती अमेरिका को रास नहीं आ रही है। ऐसे में जबकि नए समीकरणों की बिसात बिछ रही है, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन को काउंटर करने के लिए बनाया गया क्वाड अपने ही संस्थापक देश अमेरिका की अस्थिर विदेश नीति की वजह से खतरे में नजर आ रहा है।

आमने

अखिलेश यादव हर किसी से हिसाब मांगते रहते हैं, लेकिन अपनी टोटियों का कभी हिसाब नहीं दिया। टोटियां उठाकर जो ले गए हो साहब, वो यूपी की जनता को वापस करो। जनता खोज रही है।
–**केतकी सिंह**
भाजपा विधायक

सामने

अपनी बेटी का दुःख है, तो दूसरे की बेटियों का भी सम्मान करें। टोटी चोरी का आरोप मैं नहीं भूल सकता। एक अखबार ने स्टिंग किया। ये बात हम लोग भूलने वाले नहीं हैं। ये सरकार भी जान ले और सरकार चलाने वाले भी जान लें।
–**अखिलेश यादव**
पूर्व मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश

जीएसटी 2.0: अर्थव्यवस्था को गति की उम्मीद

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

दरों में कटौती से जीएसटी संग्रह में लगभग 15,000 करोड़ रुपये की कमी आ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ी हुई बिक्री और खपत से यह कमी आंशिक रूप से पूरी हो जाएगी।

भारत की अर्थव्यवस्था इस समय कई चुनौतियों से गुजर रही है। वैश्विक स्तर पर टैरिफ युद्ध, महंगाई का दबाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और घरेलू स्तर पर उपभोग की सुस्ती। ऐसे में सरकार ने त्यौहारों से पहले कुछ आवश्यक और उपभोक्ता वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कटौती का फैसला लिया है। यह कदम न केवल आम आदमी की जेब पर बोझ को कम करेगा, बल्कि खपत और मांग को भी बढ़ा सकता है। सवाल यह है कि क्या यह वास्तव में भारतीय मध्यमवर्ग के लिए बड़ी राहत साबित होगा और क्या इससे अर्थव्यवस्था को अतिरिक्त गति मिल पाएगी।

जीएसटी काउंसिल की हालिया बैठक में इलेक्ट्रॉनिक्स, घरेलू उपकरण, मिठाई एवं मिठाई बनाने वाले उत्पाद, परिधान और कुछ ऑटो एक्सेसरीज पर कर दरों को घटाया गया है। उदाहरण के लिए, छोटे टेलीविजन (32 इंच तक) पर जीएसटी को 28% से घटाकर 18% कर दिया गया, वॉशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर पर कर दर 28% से घटाकर 18%, मिठाई और नमकीन पर 12% से घटाकर 5%, और बच्चों के कपड़ों पर कर दर 12% से घटाकर 5% कर दी गई है। सरकारी अनुमान के अनुसार, इन कटौतियों से उपभोक्ताओं को 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की सीधी वार्षिक राहत मिलेगी। वहीं, घरेलू उपकरण निर्माताओं का कहना है कि इस कदम से त्यौहारों के सीजन (अक्टूबर–दिसंबर) में उनकी बिक्री में 10–15% तक की बढ़ोतरी संभव है।

भारत की आबादी में मध्यमवर्ग की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है और यह समूह अर्थव्यवस्था की 60% से अधिक खपत का चालक है। 2023–24 में निजी अंतिम उपभोग व्यय- भारत के जीडीपी का 57% रहा, जिसमें त्यौहारों का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। हाल के वर्षों में बढ़ती महंगाई और लगातार बढ़ते ब्याज दरों के कारण मध्यमवर्ग की वास्तविक आय पर दबाव बढ़ा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार, 2022–23 में ग्रामीण और शहरी परिवारों की वास्तविक उपभोग वृद्धि मात्र 2.5% रही, जबकि 2015–16 से 2019–20 के बीच यह औसतन 6–7% थी। ऐसे में जीएसटी कटौती से उपभोक्ता वस्तुएं सस्ती होकर इस दबाव को कम कर सकती हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था में खपत की मांग एक अहम इंजन है। विश्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि भारत में घरेलू खपत का जीडीपी में योगदान चीन (39%) और ब्राजील (53%) से कहीं अधिक है। जब खपत घटती है तो इसका सीधा असर विनिर्माण, सेवा क्षेत्र और रोजगार पर पड़ता है। त्यौहारों के मौसम में उपभोग स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। अनुमान है कि 2024 के त्यौहार सीजन में खुदरा बिक्री 8–10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। यदि जीएसटी कटौती से वस्तुएं सस्ती होती हैं और मांग में 5–7% अतिरिक्त वृद्धि आती है, तो यह चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर को 0.2–0.3% तक बढ़ा सकती है।

हालांकि, कर दरों में कटौती से सरकार के राजस्व पर असर पड़ना तय है। वित्त मंत्रालय का अनुमान है कि जीएसटी संग्रह में लगभग 15,000–18,000 करोड़ रुपये की कमी आ सकती है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ी हुई बिक्री और खपत से यह कमी आंशिक रूप से पूरी हो जाएगी। पिछले वर्ष 2023–24 में जीएसटी संग्रह का औसत 1.68 लाख करोड़ प्रति माह रहा था। यदि खपत में वृद्धि होती है तो यह औसत बरकरार रह सकता है। इस प्रकार, सरकार अल्पकालिक राजस्व हानि उठाकर दीर्घकालिक वृद्धि को प्रोत्साहित करने का जोखिम ले रही है।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका और यूरोप द्वारा लगाए गए नए टैरिफ, कच्चे तेल के ऊंचे दाम और रुपये की गिरावट ने भारत में आयात लागत को बढ़ा दिया है। इससे महंगाई पर दबाव बना है। ऐसे में जीएसटी कटौती एक संतुलित नीति कदम है, जो घरेलू खपत को बढ़ाकर बाहरी झटकों से उत्पन्न दबाव को कम करने का प्रयास करता है। बढ़ती खपत का एक अन्य लाभ यह है कि इससे उत्पादन और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में कंपनियां उत्पादन बढ़ाने की योजना बना रही हैं। इससे न केवल 2–3 लाख अतिरिक्त मौसमी रोजगार सृजित हो सकते हैं, बल्कि विनिर्माण क्षेत्र की क्षमता उपयोग दर भी बेहतर होगी।

त्यौहारों से पहले की गई जीएसटी दरों में कटौती को केवल एक कर राहत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे अर्थव्यवस्था में मांग और विश्वास पैदा करने वाले कदम के रूप में समझा जाना चाहिए। मध्यमवर्ग के लिए यह कदम निश्चित रूप से जेब पर सीधी राहत है। घरेलू उपकरणों से लेकर परिधानों और खाद्य पदार्थों तक की चीजें सस्ती होंगी। साथ ही, बढ़ी हुई खपत से विनिर्माण और सेवा क्षेत्र को सहारा मिलेगा और सरकार को अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर में अतिरिक्त बढ़त मिल सकती है। यदि महंगाई और वैश्विक टैरिफ दबाव जारी रहे तो इस राहत का प्रभाव सीमित हो सकता है। इसलिए, सरकार को दीर्घकालिक रूप से कर ढांचे को स्थिर रखने, आय बढ़ाने और टिकाऊ उपभोग बढ़ाने वाली नीतियों पर भी काम करना होगा।

प्रसंगवश

गिद्धों की कमी से हर साल एक लाख लोगों की मौत

गिद्ध पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा होते हैं, जो अन्य मांसाहारी जीवों, जैसे कि कुत्तों और चीलों की जनसंख्या को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। जब गिद्ध कम हो जाते हैं, तो अन्य मांसाहारी जीवों की संख्या बढ़ जाती है, जो असंतुलन पैदा कर सकती है। गिद्ध, मृत जानवरों का अवशेष सहजता से नष्ट कर पारिस्थितिकी को स्वच्छ बनाए रखते हैं। पिछले कुछ दशकों में, गिद्धों की कई प्रजातियां जैसे कि व्हाइट-बैक्ड गिद्ध, लॉन्ग-बिल्ड गिद्ध और स्लेंडर-बिल्ड गिद्ध विलुप्त होने की कगार पर आ गई हैं।

इनके अनुपस्थित रहने से न सिर्फ जैव-विविधता खतरे में पड़ती है, बल्कि मानव स्वास्थ्य और सामाजिक तंत्र पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है। उनकी संख्या में गिरावट से उत्पन्न यह संकट अब एक आपातकालीन सवाल बन चुका है। भारत में, एक अध्ययन के अनुसार गिद्धों की गिरती संख्या के कारण 2000 से 2005 के बीच हर साल लगभग एक लाख अतिरिक्त लोगों की मृत्यु हुई।

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

1980 के दशक में भारत में गिद्धों की संख्या करोड़ों में थी, लेकिन 1990 के दशक के अंत तक यह संख्या तेजी से गिरने लगी। गिद्धों की गिरती संख्या के पीछे सबसे बड़ा कारण डाइक्लोफेनैक नामक एक दर्द निवारक दवा है, डाइक्लोफेनाक का प्रयोग शुरू में मनुष्यों के लिए किया गया था, लेकिन पशुपालन में इसके प्रयोग ने अनजाने में गिद्धों की जनसंख्या को भारी नुकसान पहुंचाया। यह मानवीय भूल प्रकृति के इस अनमोल घटक के लिए एक गंभीर संकट साबित हुई। इसके परिणामस्वरूप, पिछले तीन दशकों में गिद्धों की जनसंख्या में लगभग 95% तक की गिरावट आई है। भारत सरकार ने 2006 में पशु उपयोग के लिए डाइक्लोफेनैक पर प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में डाइक्लोफेनैक अब भी गैर कानूनी रूप से उपलब्ध है और इसका उपयोग जारी है। गिद्धों की संख्या में गिरावट का एक अन्य प्रमुख कारण उनका आवास नष्ट होना है। शहरीकरण, सड़क निर्माण, वनों की कटाई और औद्योगिक विकास ने इनके प्राकृतिक घोंसला बनाने वाले स्थानों को नष्ट कर दिया है। साथ ही, कीटनाशकों के प्रयोग ने इनके अंडों की खोल पतली हो गई है, जिससे इनका प्रजनन प्रभावित हुआ है।

गिद्धों की विलुप्ति को रोकने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। इसके लिए सरकार, वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और जनता के बीच समन्वय आवश्यक है। गिद्धों के स्वास्थ्य, प्रजनन, और पर्यावरणीय भूमिका पर अधिक अनुसंधान किया जाना चाहिए। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि गिद्धों को कैसे बेहतर रूप से संरक्षित किया जा सकता है। डाइक्लोफेनाक जैसे खतरनाक दवाओं के बजाय मेलोक्सीकैम जैसी सुरक्षित दवाओं का उपयोग बढ़ावा देना चाहिए। इसके लिए किसानों और पशुपालकों को जागरूक किया जाना चाहिए। गिद्धों के संरक्षण में स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उनके बिना, गिद्धों के प्राकृतिक आवास की रक्षा करना और उनके संरक्षण प्रयासों को सफल बनाना मुश्किल होगा। सरकारों को सख्त नीतियां और कानून बनाने चाहिए। गिद्ध संरक्षण सिर्फ एक पक्षी की सुरक्षा नहीं, यह मानव जीवन, स्वास्थ्य, संस्कृति, और पारिस्थितिकी की रक्षा का सवाल है। यह एक भविष्यगत आवश्यकता है, जो हमें तत्काल कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करती है। अब समय है कि वैश्विक समुदाय मिलकर साझेदारी करे ताकि गिद्ध फिर से आकाश में निरंतर मंडराते दिखें।

सोशल फोरम

वो मूंगफलियों वाले दिन

देश का मूंगफली-प्रेम अब भी यथावत है क्या? क्योंकि एक समय था, जब भुनी हुई मूंगफलियां चबाना भारतीयों का प्रिय शगल हुआ करता था और मूंगफलियों के छिलके यत्र-तत्र-सर्वत्र दिखलाई देते थे। सिनेमाघर और रेलगाड़ी के फर्श पर तो सबसे अधिक। कूड़े में ये ही तब सबसे अधिक बुहारे जाते होंगे। गरीबों का बादाम कहलाने वाला यह मेवा उन दिनों का पॉपकॉर्न था, पर इन 'उचक्की-मकई' में वो बात कहां? कोई रामलीला या दशहरे का रावण दहन देख रहा हो, गणेशोत्सव की झांकी में जा रहा हो, नदी के घाट पर जाकर अकेला बैठा हो या किसी बागीचे में लेटा ट्रांजिस्टर सुन रहा हो, पैदल ही बेसबब कहीं चला जा रहा हो या किसी से बतिया रहा हो- एक समय था, जब इस सबके साथ में मूंगफलियां अकसर खाया करता था।

सुशोभित
ब्लॉगर

मूंगफलियों के साथ एक शब्द जुड़ गया है- 'टाइमपास'। मुझे इस शब्द से विरक्ति है। एक बार मैं रेलगाड़ी से चला जा रहा था। एक मूंगफली वाला 'टाइमपास मूंगफली' की हांक लगाते हुए आया। मैं एक किताब पढ़ रहा था, उसे मैंने रखा और उसे अपने पास बुलाकर कहा- "ये कहो कि गर्मागर्म मूंगफलियाँ लाया हूं, ये मत कहो कि टाइमपास मूंगफली है।" उसने पूछा, "क्यों?" मैंने कहा, "क्योंकि यह न केवल मूंगफलियों का अपमान है, यह उन्हें खाने वालों का भी तिरस्कार है। इससे ऐसा मालूम होता है कि लोग निठल्ले बैठे हैं, उनके पास करने को कोई काम-धाम नहीं, जो अब मूंगफली चबाकर समय काटेंगे।" वह "ठीक भाई" कहकर आगे बढ़ गया, पता नहीं उसने मेरी बात मानी या नहीं।

मूंगफली पूर्व-भूमंडलीकृत भारत की दीनता और सरलता का प्रतीक है। यों यह भारतीय-मूल का दाना नहीं, लातीन-अमरीका की तरफ से आया है। रवींद्र कालिया की एक कहानी में एक बेरोजगार युवा मूंगफली वाले के खोमचे के पास खड़ा रहता था, ताकि उसके जाने पर नीचे गिर पड़ी मूंगफलियां चुनकर खा सके। प्रभाष जोशी ने लिखा है, 'सिंकी हुई गीली मूंगफली के सलवटभरे दानों का स्वाद अद्भुत होता है!' अपने एक व्यंग्य में उन्होंने 'चवन्नी-क्लास' व्यक्ति को 'मुम्फली-छाप' कहकर पुकारा है और 'सोयाबीन-छाप' आदमी से उसका द्वैत उभारा है। मूंगफली के तेल- जिसको मीठा तेल कहा जाता था- को इधर सोयाबीन के तेल ने ही बाजार में हाशिये पर धकेला है। निमाड़ तरफ यह सींगदाना कहलाई है। गुजरात में भी। महाराष्ट्र में शेंगदाना-चटनी बहुत बिकती है। मूंगफली-गुड़ की चिक्की भी बहुत प्रसिद्ध है। अलबत्ता पीनट-बटर कुलीन-वर्ग का शगल है, किंतु उसका डेयरी-फ्री बटर होना मुझे आश्वस्त करता है।

सामयिकी

रफ्तार से हर दिन टूट रही 500 के जीवन की डोर

भारत में सड़क हादसों की बढ़ती संख्या चिंताजनक है। देश में प्रतिदिन 474 से अधिक लोग सड़क हादसे में जान गंवा देते हैं। भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी 'सड़क हादसे 2023' की रिपोर्ट में ये आंकड़े सामने आए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में हर घंटे लगभग 55 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें 20 लोगों की जान जाती है। 2023 में लगभग 4.80 लाख सड़क हादसे हुए, जिनमें 1.72 लाख लोगों की मृत्यु हो गई। मंत्रालय ने युवाओं की मौतों पर चिंता व्यक्त की है, जिनमें 18-45 वर्ष के 66.4% युवा शामिल हैं। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौत के मामले में भारत विश्व में सबसे आगे है। सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद देश में सड़क हादसों में कमी नहीं आई है, बल्कि साल दर साल इसमें इजाफा हो रहा है।

मनोज अग्रवाल
वरिष्ठ पत्रकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की सड़क दुर्घटनाएं, 2023 शीर्षक की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में हर घंटे 55 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। देश में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस विभागों ने वर्ष 2023 के दौरान कुल 4,80,583 सड़क दुर्घटनाओं की सूचना दी है, जिनमें 1,72,890 लोगों की जान गई और 4,62,825 लोग घायल हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2023 में लगातार चौथे वर्ष तक सड़क दुर्घटना के शिकार ज्यादातर युवा थे। 18-45 वर्ष आयु वर्ग के वयस्कों की संख्या 66.4 प्रतिशत है। राजस्थान की बात करें तो इस अवधि में 24 हजार 694 सड़क हादसों में 11 हजार 400 लोगों की मौतें हुईं। भारत में सड़कों और हाईवे के साथ हादसों की रफ्तार भी धमने का नाम नहीं ले रही। सड़क पर ट्रक पार्क करना दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण है और लोग यातायात अनुशासन का पालन नहीं करते।

मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 2023 में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली 1,72,890 मौतों में से 40% से अधिक मौतें हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग न करने और नशे में वाहन चलाने के कारण हुई हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2023 में मारे गए 54,568 दोपहिया वाहन चालकों ने हेलमेट नहीं पहना था, जिनमें 39,160 चालक और 15,408 यात्री शामिल थे। यह 2023 में सड़क दुर्घटनाओं में हुई कुल मौतों का 31.6% था। इसी तरह, सीट बेल्ट का उपयोग नहीं करने वाले वाहन सवारों में 16,025 मौतें दर्ज की गईं, जिनमें 8,441 चालक और 7,584 यात्री शामिल थे, जो वर्ष के दौरान दर्ज कुल मौतों का 9.3% हैं।

देश में मोटर वाहन कानून 2019 लागू होने के बाद भले ही सरकार के राजस्व में वृद्धि हुई हो, मगर दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या में कमी नहीं आई। नीति आयोग की रिपोर्ट है कि सड़क हादसों के शिकार 30 प्रतिशत लोगों की मौत जीवन रक्षक उपचार नहीं मिल पाने के कारण होती है। 2023 में सबसे ज्यादा सड़क हादसों में मौतें उत्तर प्रदेश में हुईं। यहां 23,652 लोगों की सड़क हादसे में जान गई है, जो 2022 (22,595) और 2021 (21, 227) से अधिक है। सबसे कम मौतें अंडमान और निकोबार में दर्ज की गईं। यहां सिर्फ 24 लोगों की जान गई है। 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में दिल्ली 1457, बेंगलुरु 915 और जयपुर 849 में सबसे ज्यादा मौतें हुईं। अमृतसर, चंडीगढ़ और श्रीनगर में सबसे कम लोगों की जान गई है। मौतों के ये आंकड़े चिंतित करते हैं। सरकार ने सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन जमीन पर वास्तविक बदलाव लाने के लिए अभी और बहुत कुछ करना बाकी है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

200
से ज्यादा प्रजातियां पक्षियों की और वनस्पतियों की विविधता यहां का आकर्षण और बढ़ाती है।

872.24
वर्ग किमी है कुल क्षेत्रफल बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान का

3000
रुपये प्रति व्यक्ति है जीप सफारी का किराया

स्लॉथ बियर

बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान पहुंचकर होता है 'जंगल बुक' जैसा एहसास

जंगल की गोद में बाघ और हाथियों की धरती पर अद्भुत सफर

इंडियन रॉक पायथन

सफारी, सन्नाटा और सरप्राइज जैसा
बांदीपुर का जादुई संसार

पश्चिमी घाट की सुरम्य पहाड़ियों में बसा बांदीपुर दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य में स्थित प्रकृति प्रेमियों और रोमांच चाहने वालों के लिए एक आदर्श पर्यटन स्थल है। हरे-भरे जंगलों, कल-कल करती नदियों और नीरवता बढ़ाते प्राकृतिक दृश्यों से घिरे इस सुरम्य व सुंदर रमणीक स्थल पर पहुंचकर आप आज की भागदौड़ भरी जिंदगी की कशमकश कुछ देर के लिए भूलकर यहीं के हो जाएंगे। यह देश का बाघ आरक्षित राष्ट्रीय उद्यान है। यहां बंगाल टाइगर, एशियाई हाथी, तेंदुआ और गौर जैसे जीवों तथा तमाम दुर्लभ पक्षियों के साथ अजगर, किंग कोबरा और मगरमच्छ पाए जाते हैं। बांदीपुर पहुंचने के लिए हमने अपनी यात्रा कार द्वारा मैसूर से शुरू की। करीब 82 किलोमीटर की यात्रा दो घंटे में पूरी करके हम बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान के गेट पर थे। बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान को देश के सबसे सुंदर और बेहतर प्रबंधित राष्ट्रीय उद्यानों में गिना जाता है। कर्नाटक में मैसूर-ऊटी राजमार्ग पर विशाल पश्चिमी घाट के सुरम्य परिवेश में स्थित यह नीलगिरि रिजर्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके उत्तर-पश्चिम में कर्नाटक का राजीव गांधी राष्ट्रीय उद्यान (नागरहोल), दक्षिण में तमिलनाडु का मुदुमलाई वन्यजीव अभयारण्य और दक्षिण-पश्चिम में केरल का वायनाड वन्यजीव अभयारण्य है। बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान का कुल क्षेत्रफल 872.24 वर्ग किमी है। यह आंशिक रूप से चामराजनगर जिले के गुंडलुपेट तालुका और आंशिक रूप से मैसूर जिले के एचडीकोटे और नंजनगुड तालुका में आता है।

बाघों व हाथियों का यह प्रजनन स्थल, राजाओं का था शिकारगाह

- कभी यह उद्यान राजा-महाराजाओं का शिकारगाह था। बाद में आसपास के आरक्षित वन क्षेत्रों को इसमें शामिल कर दिया गया और इसका नाम बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान रखा गया। यह राष्ट्रीय उद्यान बाघों और हाथियों का प्रजनन स्थल था, इसलिए इन्हें बचाने के लिए इस अभयारण्य को देश भर के 30 अभयारण्यों में चिह्नित किया गया। बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान बाघ, हाथी, भालू और भारतीय गौर जैसे अनोखे और तमाम लुप्तप्राय वन्यजीव प्रजातियों का घर है। यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है। नीलगिरी की तलहटी में बसे बांदीपुर का बाघों से पुराना नाता है। यह लुप्तप्राय एशियाई जंगली हाथियों का अंतिम आश्रय स्थल है। इस राष्ट्रीय उद्यान में स्लॉथ बियर, गौर, भारतीय रॉक अजगर, सियार, मगर और चार सींग वाले मृग जैसी कई अन्य लुप्तप्राय प्रजातियां देखने को मिलती हैं। यहां सांभर, चूहा हिरण, चीतल, सुस्त भालू और उड़ने वाली दुर्लभ छिपकली भी पाई जाती है। पक्षियों की 200 से ज्यादा प्रजातियां और वनस्पतियों की विविधता यहां का आकर्षण और बढ़ाती है। बांदीपुर में सागौन, शीशम, चंदन, भारतीय लॉरेल और कीनो के पेड़, गुच्छेदार बांस सहित इमारती लकड़ियों के पेड़ भी हैं।

नीली आंखों वाला तेंदुआ

अविश्वसनीय! सावधान!
यहां मिलते अलग-अलग रंग की आंखों वाले तेंदुए

इस तेंदुए की आंखें आपको सम्मोहित कर देंगी। बांदीपुर टाइगर रिजर्व में भारत में अपनी तरह के पहले दो अलग-अलग रंग की आंखों वाले तेंदुए भी हैं। एक आंख नीली-हरी तो दूसरी भूरी। यह एक जेनेटिक विशेषता हेटेरोक्रोमिया है, जिसके कारण तेंदुए की दोनों आंखों का रंग अलग-अलग होता है।

प्रकृति की अद्भुत दुनिया में वन्य जीवों के घर देखने को सफारी

- उद्यान के द्वार से भीतर प्रवेश करते ही हमें घने जंगलों, लुढ़कती पहाड़ियों और विशाल घास के मैदानों के साथ एक अद्भुत दुनिया के दर्शन हुए। पक्षियों की चहचहाहट, बंदरों की खों-खों और पत्तों की सरसराहट से प्राकृतिक वन्य जीवन जीवंत हो उठा। जंगली फूलों की खुशबू हवा के साथ बहकर स्वर्ग जैसा अहसास दिला रही थी। बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान वनस्पतियों और जीवों की एक समृद्ध विविधता का घर है, जिसमें बाघ, हाथी, तेंदुए, हिरण, जंगली सूअर और पक्षियों की कई प्रजातियां शामिल हैं।
- यहां के जीवों को उनके प्राकृतिक आवास में देखने के लिए उद्यान में सफारी की सुविधा उपलब्ध है। हमने वन विभाग द्वारा संचालित मिनी-बस सफारी की यात्रा रेंज कार्यालय से शुरू की। यहां से बस सफारी सुबह 6.15 से 9 बजे और दोपहर 2.15 से शाम 5 बजे के बीच चलती है। शुल्क 350 रुपये प्रति व्यक्ति है। जीप सफारी का किराया तीन हजार रुपये प्रति व्यक्ति है। जीप सफारी सुबह 6.15 से 8 बजे, सुबह 8 से 9.45 बजे, दोपहर 2.30 से 4.30 बजे और शाम 4.30 से 6.30 बजे के बीच संचालित होती है। पूर्व में चलने वाली हाथी सफारी अब यहां बंद की जा चुकी है। जीप और मिनी बस सफारी का समय भी मौसम और सुरक्षा कारणों से बदलता रहता है।

आदिवासी गांवों की परंपराएं और रीति-रिवाजों को नजदीक से देखें

प्राकृतिक सुंदरता के अलावा, बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए भी जाना जाता है। यह उद्यान कई आदिवासी गांवों से घिरा हुआ है। हर एक गांव की अपनी अनूठी परंपराएं और रीति-रिवाज हैं। आपको इन गांवों में घूमते समय ऐसा लगेगा जैसे एक या दो शताब्दी पीछे चले गए हैं। आदिवासी गांवों का भ्रमण समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव दिलाता है। यहां लोगों की जीवन शैली बहुत करीब से देखी जा सकती है। हालांकि समय की कमी से हम इस अनूठे अवसर को बहुत थोड़े समय के लिए कार से ही देख पाए। लेकिन बांदीपुर घूमने के दौरान आसपास के आदिवासी गांवों में लोगों के रीति-रिवाजों और परंपराओं के बारे में जरूर काफी जानकारी हासिल की।

लेखक - शिव कुमार अवस्थी, ब्रह्मावर्त, कानपुर
उप वन संरक्षक (सेवानिवृत्त)

200 रुपये मूल्य वर्ग के नोट पर कहानी सांची स्तूप की
रुपया बताता नीचे संसार ऊपर मोक्ष

भारतीय रिजर्व बैंक ने 25 अगस्त, 2017 को महात्मा गांधी नई श्रृंखला में रुपये 200 मूल्य वर्ग का नोट जारी किया था। यह नोट अपने पृष्ठ भाग में सांची के स्तूप की कहानी सुनाता है। सांची स्तूप मध्य प्रदेश में स्थित है। यह स्थान भोपाल से लगभग 40 किमी दूर एक पहाड़ी पर है। सांची स्थल में बौद्ध स्मारकों (एकाश्म स्तंभ, महल, मंदिर और मठ) का एक समूह है। इनमें से अधिकांश दूसरी और पहली शताब्दी ईसा पूर्व के हैं। यह सबसे पुराना बौद्ध अभयारण्य है और 12वीं शताब्दी ईस्वी तक भारत में एक प्रमुख बौद्ध केंद्र था। सांची के स्तूप, मंदिर, विहार और स्तंभ, प्राचीनतम और सबसे परिपक्व, प्राचीन कलाओं और स्वतंत्र वास्तुकला के उदाहरण हैं, जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से बारहवीं शताब्दी ईस्वी तक बौद्ध धर्म के इतिहास का विस्तृत दस्तावेजीकरण करते हैं। सांची स्तूप बुद्ध की निर्माण अवस्था मोक्ष को दर्शाता है। इसका ऊपर की ओर गोलाकार गुम्बद मोक्ष और नीचे की चौड़ी आधारशिला भौतिक संसार को दिखाती है।

- **सम्राट अशोक के पुत्र से जुड़ा पवित्र स्थान :** शांत और मनोरम वनीय पठार पर स्थित सांची के बौद्ध स्मारकों को श्रीलंकाई बौद्ध इतिहास में पवित्र चेतियागिरि भी माना जाता है। यहां सम्राट अशोक के पुत्र महेंद्र, श्रीलंका की अपनी धर्मप्रचारक यात्रा शुरू करने से पहले रुके थे। सांची में स्थापित सारिपुत्र और मौद्गल्यायन (बुद्ध के प्रमुख शिष्य) के अवशेषों की थेरवादियों द्वारा पूजा की जाती थी और आज भी उनका सम्मान किया जाता है।
- **शुंग और सातवाहन वंश ने अलंकृत किए स्तंभ व स्तूप :** सांची के एक पवित्र केंद्र के रूप में आरंभ का श्रेय मौर्य सम्राट अशोक को है। अत्यधिक विस्तृत शीर्ष वाले अखंड अशोक स्तम्भ की स्थापना के साथ, सम्राट अशोक ने सांची को एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल के रूप में प्रतिष्ठित किया। स्तम्भ के समकालीन एक ईंट का स्तूप था, जिसका आकार बाद में शुंग वंश के दौरान बढ़ाया गया, पत्थर की परत से ढका गया और अलंकृत कठघरा, हर्मिका, यष्टि, छत्र और चार तोरण युक्त प्रदक्षिणा पथों और सीढ़ियों से संवर्धित किया गया, जिन्हें बाद में पहली शताब्दी ईस्वी में सातवाहन वंश के दौरान अलंकृत किया गया।

- अजय त्रिवेदी, उप निदेशक युवा कल्याण विभाग।

घरों में हरियाली का तरीका वर्टिकल गार्डनिंग

शहरों में खासकर अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों के पास बागवानी के लिए जगह नहीं होती है। लेकिन अपना खुद का बगीचा उगाना एक ऐसा सपना होता है, जिसे अधिकतर लोग कभी छोड़ना नहीं चाहते हैं। ऐसे में वर्टिकल गार्डन हमेशा से उन सभी लोगों के लिए आकर्षण का बड़ा केंद्र रहे हैं, जिन्होंने इन्हें देखा है। बेबीलोन के बगीचों से शुरू हुए वर्टिकल गार्डन के विचार का इस्तेमाल जगह बचाने और सुंदर दिखने वाले स्थान बनाने के लिए किया गया था, लेकिन आज, इस बागवानी तकनीक का दुनिया भर में इस्तेमाल किया जा रहा है।

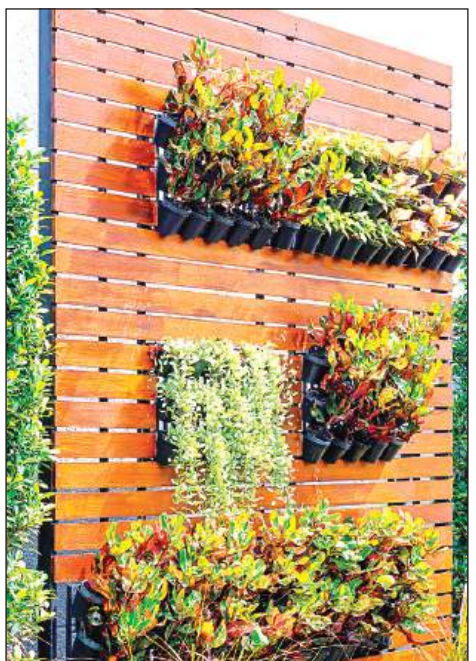

पौधों को दीवार, छत, पिलर या बालकनी में उगाने की विधि

वर्टिकल गार्डनिंग पौधों को ऊपर की ओर उगाने की एक विधि है, जिसमें अक्सर दीवारों, जालीदार ढांचों या विशेष रूप से डिजाइन किए गए गमलों जैसी संरचनाओं का उपयोग किया जाता है। यह तरीका छोटी जगह का अधिकतम उपयोग करता है, जिससे यह छोटे क्षेत्रों या शहरी परिवेश के लिए आदर्श बन जाता है। ज्यादातर फ्लैटों या छोटे घरों के अंदर वर्टिकल गार्डनिंग आज एक चलन के रूप में स्थापित हो गई है। यह एक ऐसी तकनीक है जिसमें पौधों को वर्टिकल जगह पर जैसे दीवार, छत, पिलर या बालकनी की रेलिंग आदि पर उगाया जाता है। वास्तव में यह बागबानी का अर्बन तरीका है, जिसमें कम जगह में ज्यादा पौधे उगाए जाने की कोशिश की जाती है। लटकते पौधों के साथ-साथ गमलों में लगे पौधों से भी वर्टिकल गार्डनिंग की जा सकती है। घर के अंदर और बाहर होने वाली वर्टिकल गार्डनिंग को ग्रीन वॉल भी कहा जाता है। शहरों में हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रीन वॉल कई शहरों में पुलों के नीचे, महत्वपूर्ण स्थलों पर देखी जा सकती है।

- **सबसे पहले उचित स्थान चुनें :** वर्टिकल गार्डनिंग के लिए पर्याप्त रोशनी वाली एक अच्छी जगह चुनना बेहद जरूरी है। यह देखें कि कौन से पौधे किस स्थान के लिए उपयुक्त होंगे और उन्हें लगाने के लिए दीवार, छत या बॉलकनी कितनी मजबूत है। पौधे चाहे किसी भी किस्म के चुने गए हों, इनडोर वर्टिकल गार्डनिंग की बदौलत हवा की गुणवत्ता और ड्राइंग रूम या कमरे के वातावरण में सुधार किया जा सकता है। इसके साथ ही यह भी महत्वपूर्ण तथ्य है कि पौधे अलग-अलग ध्वनि अवरोधक के रूप में भी काम कर सकते हैं।
- **पौधों का चयन और पानी देने की व्यवस्था महत्वपूर्ण :** घर के अंदर पौधों की अच्छी वृद्धि के लिए पौधों को पर्याप्त पानी देना जरूरी है। इसके लिए कई तरह की सिंचाई प्रणालियां उपलब्ध हैं। वर्टिकल गार्डनिंग में यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि पौधे उगाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बर्तन जलरोधी हों। पहले दीवार पर एक वाटरप्रूफ इंसुलेशन परत लगाना भी बेहतर विकल्प है। इससे दीवार पर नमी या फफूंदी लगने से बच सकते हैं।

बालकनी के लिए करें व्यापक तैयारी

- बालकनी पर वर्टिकल गार्डनिंग की योजना बनाते समय, व्यापक तैयारी जरूरी है। बालकनी में प्रकाश की स्थिति पर विचार करना और उसके अनुसार पौधों का चयन करना महत्वपूर्ण है। बालकनी पर ऊर्ध्वाधर बागवानी के लिए जड़ी-बूटियां और सब्जियां, दोनों ही बेहतरीन विकल्प हैं। गर्मियों में अपनी उपज खुद इकट्ठा करने का आनंद अद्भुत हो सकता है। उदाहरण के लिए जुकनी और टमाटर धूप वाली जगह पर खूब फलते-फूलते हैं। फूल वाले पौधे बालकनी में रंग भर देते हैं। बालकनी पर ऊर्ध्वाधर बागवानी के लिए लोकप्रिय फूल वाले पौधों में चढ़ने वाले नास्टर्टियम शामिल हैं, जो खाने योग्य भी होते हैं। इसके साथ ही ट्रेलिंग पेटुनिया, जेरेनियम और मैंडेविला भी हैं। बालकनी पर बारहमासी फूल वाले पौधों के लिए, बौना झाड़ू या शीतकालीन चमेली अच्छे विकल्प हैं। खिलती हुई बालकनी का लंबे समय तक आनंद सुनिश्चित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उर्वरकों जैसे उर्वरकों और पोषक तत्वों के मिश्रण का उपयोग करना बेहतर रहेगा।

फीचर डेस्क, कानपुर

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,710	24,741
गिरावट	7.25	6.70
प्रतिशत में	0.01	0.03

सोना -1,06970 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,25,600 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 6 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

ब्रीफ न्यूज

हिंदुजा समूह करेगा 5,176 करोड़ का निवेश

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने हिंदुजा समूह और एस्ट्राज़ेनका कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिनमें कुल 5,176 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई है। इन दिनों तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ब्रिटेन यात्रा पर हैं। लंदन में श्री स्टालिन की उपस्थिति में हुये समझौते के तहत हिंदुजा समूह ई-वाहन, बैटरी प्रौद्योगिकी और स्पेयर पार्ट्स निर्माण में 5,000 करोड़ रुपये के निवेश से संयंत्र स्थापित करेगा और राज्य में 1,000 से अधिक रोज़गार के अवसर पैदा करेगा। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्री स्टालिन की जर्मनी और ब्रिटेन की यात्रा से अब तक 13,016 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ है और राज्य में 17,813 नौकरियां सृजित होंगी।

ओयो का पहली तिमाही का लाभ 200 करोड़

नई दिल्ली। ऑनलाइन यात्रा बुकिंग मंच ओयो के संस्थापक रितेश अग्रवाल ने शुक्रवार को शीर्ष प्रबंधन को भेजे एक ईमेल में बताया कि मजबूत राजस्व वृद्धि से पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 200 करोड़ रुपये रहा। अग्रवाल ने ईमेल में कहा कि राजस्व वृद्धि की मुख्य वजह होटल 'इन्वेंट्री' का प्रीमियमीकरण और कमरों का बेहतर उपयोग है। ओयो ने पिछले वर्ष की इसी (अप्रैल-जून) तिमाही में 87 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। शेयरधारकों को भेजी अधिसूचना के अनुसार समूचे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ओयो ने 16,250 करोड़ रुपये के बुकिंग मूल्य (जीबीवी) और 6,252 करोड़ रुपये तक के राजस्व के साथ मजबूत परिचालन प्रदर्शन किया।

नथिंग इस साल भारत में पहला स्टोर खोलेगी

नई दिल्ली। लंदन स्थित उपभोक्ता प्रौद्योगिकी कंपनी नथिंग इस साल भारत में अपना पहला स्टोर खोलेगी जबकि इसका सहयोगी ब्रांड सीएमएफ यहां पर अपना वैश्विक मुख्यालय खोलने जा रहा है। नथिंग के सह-संस्थापक एकिस इवान्जेलिडिस ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। नथिंग का स्मार्टफोन फोन (3) भारत में ही बनाया जा रहा है और अब इसका निर्यात भी शुरू हो गया है।

जीएसटी दरों में कटौती का लाभ आम लोगों को

सीबीआईसी ने कहा- अभी की कीमत और जीएसटी में सुधारों के बाद की कीमतों पर रहेगी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी दरों में बदलाव के बाद कटौती का लाभ आम लोगों तक पहुंच पाएगा, इसको लेकर कयासों का दौर जारी है। इसी बीच केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि कटौती का लाभ आम लोगों तक पहुंचे इसके लिए उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर कीमतों समेत समूची स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

सीबीआईसी के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि सरकार जीएसटी दरों में कटौती का लाभ ग्राहकों को दिलाने के लिए काम कर रही है। इसके लिए सीबीआईसी, उपभोक्ता मामलों के मंत्रालयों समेत सभी संबंधित विभागों के साथ मिलकर कीमतों और पूरी स्थिति पर नजर रख रहा है। अग्रवाल ने एक बातचीत में कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधारों के तहत एक तरह के सामान को एक ही कर दायरे में लाने और प्रक्रियाओं को सरल बनाने से विवादों में कमी आने की उम्मीद है। केंद्र और राज्यों के वित्त मंत्रियों की भागीदारी वाली जीएसटी परिषद ने बुधवार को जीएसटी के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया। अब कर की दरें पांच और 18 प्रतिशत होंगी जबकि विलासिता एवं सिगरेट जैसी अहितकर वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी। हम कीमतों के रुख पर कड़ी नजर रख रहे हैं। हम देख रहे हैं कि अभी सामानों की क्या कीमत है और जीएसटी में सुधारों के बाद आगे क्या रुझान रहने वाला है। कंपनियों पर भी हमारी नजर होगी।

सीबीआईसी चेयरमैन ने कहा कि अगर दर कटौती का लाभ ग्राहकों को नहीं मिलने की शिकायत आती है, हम उसे उद्योग संगठनों के पास ले जाएंगे। उद्योग संगठनों ने कहा है कि दरों में कटौती से जो भी लाभ होगा, उसका फायदा ग्राहकों को दिया जाएगा। अग्रवाल ने कहा कि सरकार ने कदम उठाया है, प्रक्रिया को सरल किया गया है। उद्याोगों को एक निश्चितता दी गयी है। ऐसे में उनका भी दायित्व बनता है। हमें पूरा विश्वास है कि वे जो भी लाभ हैं, ग्राहकों को देंगे।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''जो माल पहले से बाजार में है और उस पर एमआरपी छपा है, उनमें 10 से 15 दिनों में बदलाव कर पाना थोड़ा मुश्किल लगता है लेकिन आपूर्ति श्रृंखला में बाजार में माल ज्यादा होते नहीं हैं। जो भी नई खेप आएगी, उसमें चीजें ठीक हो जाएंगी। अग्रवाल ने कहा कि चूंकि बाजार में काफी प्रतिस्पर्धा है, ऐसे में एक कंपनी ग्राहकों को लाभ दे और कोई दूसरी नहीं देती है तो यह बात सामने आ जाएगी। कंपनियों के लिए ऐसा कर पाना मुश्किल है। अगर कोई टीवी खरीदता है उसे तुंरत लाभ मिल जाएगा। एमआरपी पर बेचे जाने वाले छोटे सामानों पर हो सकता है कि कंपनियां डीलर के जरिये खुदरा दुकानदारों को छूट दें। विवादों के समाधान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि दरों को युक्तिसंत बनाया गया है। पहले चार दरें होती थी, अब दो हो गयी हैं। एक तरह के सामान को एक ही कर श्रेणी में रखा गया है, जैसे खाने के सामान पर अब पांच प्रतिशत कर लगेंगे। पहले एक ही तरह की वस्तुओं पर अलग-अलग दरें होने से कई नोटिस जाते थे। जीएसटी सुधारों से वह समस्या समाप्त होगी।

अब विवाद की संभावना नहीं : अग्रवाल

अग्रवाल ने कहा कि कंपनियों के लिए जीएसटी वास्तव में सरल और पारदर्शी हो गया है और विवाद की संभावना लगभग खत्म हो गयी है। रिफंड, पंजीकरण प्रक्रियाओं को तेज और सरल बनाया गया है ताकि उन्हें कोई दिक्कत नहीं हो। नयी दरों के दिवाली से पहले लागू करने के बारे में पूछे जाने पर अग्रवाल ने कहा कि ग्राहक दरों में कटौती की उम्मीद में अपनी खरीदारी टाल रहे थे और उद्योग जगत से जल्द कर सुधार लागू करने की मांग आने लगी थी। उन्होंने कहा कि इस बात को ध्यान में रखते हुए जीएसटी परिषद की बैठक तुरंत आयोजित की गई और यह निर्णय लिया गया कि नई दरें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी, जो नवरात्रि का पहला दिन है जिसके साथ त्योहारी मौसम शुरू हो जाता है।

सरकार को 3,700 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान होगा

कोलकाता। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी नवीनतम शोध रिपोर्ट में कहा कि दरों में कमी के जरिये माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधार से 3,700 करोड़ रुपये का न्यूनतम राजस्व नुकसान होगा। सरकार का अनुमान है कि जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने का शुद्ध राजकोषीय प्रभाव वार्षिक आधार पर 48,000 करोड़ रुपये होगा। रिपोर्ट के अनुसार, विकास और उपभोग में वृद्धि को देखते हुए न्यूनतम राजस्व हानि 3,700 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। इसका राजकोषीय घाटे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

जीएसटी कटौती से दोपहिया वाहनों की बिक्री पांच से छह प्रतिशत बढ़ेगी: क्रिसिल

नई दिल्ली, एजेंसी

- **छोटे वाहनों पर 30 हजार से 60 हजार व दोपहिया पर 3,000 से 7,000 की कटौती की उम्मीद**

वाहनों पर जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से चालू वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों की बिक्री पांच से छह प्रतिशत बढ़ जाने की उम्मीद है जबकि यात्री वाहनों की बिक्री में दो से तीन प्रतिशत का इजाफा हो सकता है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने एक बयान में कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की 22 सितंबर से प्रभावी होने वाली पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की नई दर संरचना से मोटर वाहन क्षेत्र में मांग फिर से बढ़ेगी।

क्रिसिल रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक अनुज सेठी ने कहा कि जीएसटी कटौती का पूरा लाभ मिलने से वाहनों की कीमतों में पांच-10 प्रतिशत (छोटे यात्री वाहनों पर 30 हजार से 60 हजार रुपये और दोपहिया वाहनों पर 3,000 से 7,000 रुपये) की कमी आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि और आगामी त्योहारों को देखते हुए इस दर कटौती से बाजार की धारणा को बल मिलेगा। नए उत्पादों की पेशकश, कम ब्याज दरों और बेहतर सामर्थ्य से मोटर वाहन क्षेत्र में दूसरी छमाही में मजबूती आनी चाहिए। बयान के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों की बिक्री में पांच से छह प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है जबकि यात्री वाहनों की बिक्री में दो से तीन बढ़ सकती है। अप्रैल-अगस्त अवधि में दोपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि दर शून्य से एक प्रतिशत के साथ लगभग स्थिर रही जबकि यात्री वाहनों की बिक्री में तीन से चार प्रतिशत की गिरावट आई। संशोधित जीएसटी ढांचे के तहत, छोटे यात्री वाहनों, 350 सीसी तक के दोपहिया वाहन (इस खंड की बिक्री का लगभग 90 प्रतिशत), वाणिज्यिक वाहन (सीवी) और तिपहिया वाहनों पर कर की दरें 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो जाएंगी।

जीएसटी में कटौती से स्वास्थ्य सेवाएं होंगी सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी दरों में कटौती करने के फैसले का चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों ने स्वागत करते हुए कहा कि इससे स्वास्थ्य सेवाएं सस्ती होंगी।

आरजी हॉस्पिटल्स के प्रबंध निदेशक अविनाश ओझा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के वित्तीय बोझ को कम करने के लिए आवश्यक दवाओं और चिकित्सकीय उपकरणों पर जीएसटी में सरकार का हालिया सुधार स्वास्थ्य सेवाओं को किफायती बनाने को लेकर मजबूत प्रतिबद्धता को बताता है। 33 जीवन रक्षक दवाओं पर जीएसटी को पूरी तरह से माफ करना, साथ ही कैंसर, दुर्लभ बीमारियों और पुरानी बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली महत्वपूर्ण दवाओं के लिए इसे घटाकर शून्य करना स्वागत योग्य राहत है। पारस हेल्थ के मुख्य परिचालन अधिकारी (ग्रुप) विनीत अग्रवाल ने कहा कि जीएसटी सुधार भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने और देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

आईएचसीएल की आईटी पर मैलवेयर हमला

नई दिल्ली। इंडियन होटल्स कंपनी लि. (आईएचसीएल) ने अपनी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणाली पर एक मैलवेयर हमला होने की जानकारी देते हुए कहा है कि इसके प्रभाव को कम करने के लिए तुरंत कार्रवाई की गई। देश की आतिथ्य क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी आईएचसीएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इस साइबर हमले का प्रभाव कम करने और आईटी प्रणाली को सुरक्षित करने के लिए तुरंत जरूरी कदम उठाए गए हैं।

- **साइबर हमले के बाद स्थिति पर रखी जा रही है करीबी नजर : इंडियन होटल्स**

नोएडा से दिल्ली एयरपोर्ट के लिए शुरू होगी सीधी लग्जरी बस सेवा

नई दिल्ली, एजेंसी

- **संचालन के लिए फ्लेक्सीबस नामक कंपनी से किया करार**

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लोगों के लिए अब दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक पहुंचना बेहद आसान हो जायेगा क्योंकि जल्द ही इसके लिए सीधी लग्जरी बस सेवा शुरू होने वाली है।

एयरपोर्ट का संचालन करने वाली कंपनी दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने शुक्रवार को बताया कि इस बस सेवा के संचालन के लिए उसने फ्लेक्सीबस नामक कंपनी से करार किया है। इसका किराया 199 रुपये होगा। इस बस सेवा के अगले सप्ताह शुरू होने की उम्मीद है। बुकिंग फ्लेक्सीबस के ऐप या वेबसाइट के अलावा रेडबस, मेकमाईट्रिप और पेटीएम के माध्यम से भी कराई जा सकती है। बस के ठहराव नोएडा सेक्टर 16, बोटैनिकल गार्डेन, गोल्फ कोर्स, गौड़ सिटी, जेपी विशटाउन और परी चौक पर होंगे। यह सेवा चौबीसों घंटे उपलब्ध होगी। हवाई अड्डे से ग्रेटर नोएडा के परी चौक तक के सफर में 130 से 180 मिनट का समय लगेगा। डायल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विदेह कुमार जयपुरियार ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सार्वजनिक वाहन के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है।

लेज के पैकिंग पर किसान

नई दिल्ली। स्वदेशी की अपनी छवि को बढ़ावा देने के लिए अमेरिकी कंपनी पेप्सीको की भारतीय इकाई पेप्सिको इंडिया ने लेज चिप्स के पैक पर किसानों को जगह दी है। पेप्सीको इंडिया ने शुक्रवार को बताया कि उसके आलू चिप्स ब्रांड लेज ने भारतीय किसानों को सम्मानित करने वाली अपनी पहल ''मिट्टी की चिट्ठी'' के तहत यह शुरुआत की है। लेज ने पहली बार लिमिटेड एडिशन पैक पेश किया है जिनमें भारतीय किसानों को दर्शाया गया है। इन पैकेट्स पर पुरुष और महिला किसानों के हाथ से बने चित्र है।

राष्ट्रीय

सम्मान और सुरक्षा के लिए शिक्षा जरूरी: मुर्मू

राष्ट्रपति ने कहा - सुविधाओं का अपना महत्व है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है स्मार्ट शिक्षक

नई दिल्ली, एजेंसी

शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में अमृत उद्यान के अपने विशेष दौरे के दौरान शिक्षकों से बातचीत करती हुईं राष्ट्रपति।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को शिक्षक दिवस पर यहां एक समारोह में देश भर के शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये। राष्ट्रपति मुर्मु ने इस मौके पर कहा कि भोजन, वस्त्र और आवास की तरह शिक्षा भी व्यक्ति के सम्मान और सुरक्षा के लिए आवश्यक है। समझदार शिक्षक बच्चों में सम्मान और सुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। उन्होंने एक शिक्षक के रूप में अपने वक्त को याद किया और उस समय को अपने जीवन का एक बहुत ही सार्थक काल बताया।

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को सक्षम बनाती है। शिक्षा की शक्ति से गरीब से गरीब पृष्ठभूमि के बच्चे भी उन्नति के आसमान को छू सकते हैं। बच्चों की उड़ान को बल देने में स्नेही और समर्पित शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों का सबसे बड़ा पुरस्कार यही है कि उनके विद्यार्थी उन्हें जीवन भर याद रखें और परिवार, समाज और देश के लिए सराहनीय योगदान दें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण एक शिक्षक का प्राथमिक कर्तव्य है। नैतिक आचरण का पालन करने वाले संवेदनशील, जिम्मेदार और समर्पित विद्यार्थी उन विद्यार्थियों से बेहतर होते हैं, जो केवल प्रतिस्पर्धा, किताबी ज्ञान और स्वार्थ में रुचि रखते हैं। एक अच्छे शिक्षक में भावनायें और बुद्धि दोनों होती हैं।

भावनाओं और बुद्धि का समन्वय विद्यार्थियों पर भी प्रभाव डालता है। राष्ट्रपति ने कहा कि स्मार्ट ब्लैकबोर्ड, स्मार्ट कक्षायें और अन्य आधुनिक सुविधाओं का अपना महत्व है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है स्मार्ट शिक्षक। उन्होंने कहा कि स्मार्ट शिक्षक वे शिक्षक होते हैं जो अपने विद्यार्थियों के विकास की आवश्यकताओं को समझते हैं। स्मार्ट शिक्षक स्नेह और संवेदनशीलता के साथ अध्ययन की प्रक्रिया को रोचक और प्रभावी बनाते हैं। ऐसे शिक्षक छात्रों को समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए। बालिकाओं की शिक्षा में निवेश करके, हम अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में एक अमूल्य निवेश करते हैं। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे बालिकाओं की शिक्षा में जितना अधिक योगदान देंगे, शिक्षक के रूप में उनका जीवन उतना ही सार्थक होगा। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बालिकाओं सहित उन सभी विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दें, जो अपेक्षाकृत शर्मीले हैं, या कम सुविधा प्राप्त पृष्ठभूमि से आते हैं।

राष्ट्रपति ने प्रो. गणेश टी. पण्डित को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से किया सम्मानित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को यहां विज्ञान भवन में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक परियोजनाएं एवं प्रकाशन अनुभाग) प्रो. गणेश तिम्मण्ण पण्डित को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया। गौरतलब है की प्रो. गणेश टी. पण्डित उच्च शिक्षा में राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित होने वाले अकेले शिक्षक होने के साथ ही पूरे भारत से अकेले संस्कृत शिक्षक हैं। उनको पुरस्कार स्वरूप प्रशस्ति-पत्र, 50,000 रुपये की नकद राशि एवं रजत पदक प्रदान किया गया। ज्ञात रहे कि प्रो. पण्डित ने संस्कृत शिक्षा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने और शिक्षण में नवाचार लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

राहत

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में आपदा के बाद राहत कार्यों के तहत सेना के जवान हेलीकॉप्टर से राशन की आपूर्ति उतारते हुए। शुक्रवार को वायु सेना के तीन हेलिकाप्टर कुल्लू के भुंतर हवाई अड्डे पहुंचे। इसमें दो एम-17 और एक चिनूक हेलिकाप्टर को राहत कार्य में लगाया गया है। इनमें खाने-पीने के राशन के साथ तिरपाल व दवाइयों को भेजा गया। सैंज घाटी के शाक्टी गांव में 13 बैग और मरोड़ गांव में 6 बैग राशन सेना हेलिकॉप्टर के माध्यम से एयर ड्रॉप किया।

बच्चे का डीएनए परीक्षण मातृत्व का अपमान: कोर्ट

भुवनेश्वर, एजेंसी

- **हाईकोर्ट ने कहा - डीएनए परीक्षण के लिए मजबूर करने से निजता का अधिकार प्रभावित होता है**

उड़ीसा उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के उस आदेश बरकरार रखा है जिसमें एक पुरुष के डीएनए परीक्षण की मांग को अस्वीकार कर दिया गया था। न्यायमूर्ति बी.पी. राउत्रे की एकल पीठ ने कहा कि बच्चे के डीएनए परीक्षण का निर्देश देना एक महिला के मातृत्व का अपमान होगा जो साक्ष्य अधिनियम की धारा 112 में वर्णित कानून के खिलाफ है।

न्यायमूर्ति ने सिविल विविध याचिका को खारिज करते हुए कहा कि यह ध्यान में रखना चाहिए कि किसी व्यक्ति को डीएनए परीक्षण के लिए मजबूर करने से उसकी निजता का अधिकार प्रभावित होता है। यह मुक़दमा एक संयुक्त परिवार की संपत्ति के बंटवारे के मुकदमे को लेकर शुरू हुआ जिसमें प्रतिद्वंदी पक्ष के माता-पिता का पता लगाने के लिए डीएनए परीक्षण की मांग की गई थी। कुचिंडा के दीवानी मामलों के न्यायाधीश (वरिष्ठ खंड) ने इस मांग को ठुकरा दिया था। न्यायमूर्ति राउत्रे ने अपने फैसले में कहा कि यह समझ से परे है कि बंटवारे के मामले में डीएनए परीक्षण कैसे प्रासंगिक होगा।

सुप्रीम आदेश

शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय को पुन : सुनवाई करने को कहा

जमानत रद्द करने की 40 याचिकाओं में एक जैसे आदेश, सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने एक कड़े आदेश में इलाहाबाद उच्च न्यायालय से नाराजगी जताई कि उसने पिछले दो वर्षों से जमानत रद्द करने के लिए कम से कम 40 याचिकाओं में पूर्व निर्धारित आदेश (साइक्लोस्टाइल्ड टेम्पलेट ऑर्डर) पारित किए हैं, जिसमें शिकायतकर्ताओं को गवाह संरक्षण योजना, 2018 के तहत उपाय तलाशने के लिए कहा गया है।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि हमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के कई आदेश मिले हैं, जो कानून की गलत धारणा पर आधारित हैं, खासकर यह कि गवाह संरक्षण योजना जमानत रद्द करने का एक विकल्प है। उच्च न्यायालय के अनुसार, यह एक वैकल्पिक उपाय है। पीठ ने कहना था कि हमें यह जानकर दुख हो रहा है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार, हमें कम से कम 40 हाल के आदेश मिले हैं, जो पिछले एक साल में ही पारित किए गए हैं। न्यायमूर्ति पारदीवाला के नेतृत्व वाली पीठ ने ही इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश प्रशांत कुमार की एक दीवानी विवाद मामले में आपराधिक कार्यवाही की अनुमति देने के लिए आलोचना की थी तथा सेवानिवृत्ति तक उनसे आपराधिक मामलों को वापस ले लिया गया था।

- **उच्च न्यायालय को गुण-दोष के आधार पर याचिका पर निर्णय लेना चाहिए था**

इस विवादास्पद आदेश को बाद में प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई के आदेश पर संशोधित किया गया था। इस मामले में, न्यायमूर्ति पारदीवाला ने कड़े शब्दों में फैसला सुनाया और उच्च न्यायालय के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें हत्या के मुकदमे का सामना कर रहे एक आरोपी की जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया गया था, और इसके बजाय शिकायतकर्ता को गवाह संरक्षण योजना के तहत सहायता लेने के लिए कहा गया था। मूल शिकायतकर्ता फिरेराम ने इस आधार पर आरोपी की जमानत रद्द करने का अनुरोध किया कि उसने हत्या के एक मामले के गवाहों को धमकी देकर जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया है। उच्च न्यायालय ने जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया और इसके बजाय शिकायतकर्ता को गवाह संरक्षण योजना के तहत आवेदन करने का निर्देश दिया।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि हम इस तथ्य पर गौर करते हैं कि उच्च न्यायालय ने एक बहुत ही अजीब आदेश पारित किया है... उच्च न्यायालय का कहना है कि अपीलकर्ता के मामले में पीड़ित व्यक्ति के रूप में मूल प्रथम सूचनाकर्ता होने के नाते उपाय गवाह संरक्षण योजना के तहत है। दूसरे शब्दों में, इस आदेश को पढ़कर हम यही समझ पाए हैं कि उच्च न्यायालय चाहता है कि अपीलकर्ता इस योजना के प्रावधानों का लाभ उठाए। यही कहते हुए उच्च न्यायालय ने जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय को 'कानून के सुस्थापित सिद्धांतों को लागू करते हुए' गुण-दोष के आधार पर जमानत रद्द करने की याचिका पर निर्णय लेना चाहिए था। शीर्ष अदालत ने आरोपी को जमानत देने संबंधी उच्च न्यायालय के पिछले आदेश का हवाला दिया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

अनुतिन होंगे थाइलैंड के अगले प्रधानमंत्री

बैंकॉक। थाईलैंड के वरिष्ठ नेता अनुतिन चार्नविराकुल देश के अगले प्रधानमंत्री होंगे। संसद में हुए मतदान में शुक्रवार को उन्होंने बहुमत हासिल कर लिया। भूमजैथाई पार्टी के नेता अनुतिन ने प्रतिनिधि सभा के 492 सदस्यों में से 247 वोट हासिल किए हैं जो कि बहुमत के लिए जरूरी आंकड़ा है। मतदान पूरा होने के बाद उनके कुल मतों की पुष्टि होनी है। राजा महा वजीरालोंगकोर्न द्वारा औपचारिक तौर पर नियुक्ति किए जाने के बाद, अनुतिन और उनकी सरकार के कुछ ही दिन में पदभार ग्रहण करने की उम्मीद है। अनुतिन ने पैतोंगटार्न शिनावात्रा का स्थान लिया है, जिन्हें पिछले सप्ताह अदालत के आदेश पर प्रधानमंत्री पद से बर्खास्त कर दिया गया था।

अफगानिस्तान में फिर लगे भूकंप के झटके

काबुल। अफगानिस्तान के नांगरहार प्रांत में गुरुवार की रात आए भूकंप से 13 लोग घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सभी घायल व्यक्ति दारा ए नूर जिले के हैं। प्रांतीय राजधानी जलालाबाद सहित कई जिलों में भी भूकंप का असर पड़ा है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक गुरुवार सुबह और रात को नांगरहार में क्रमशः 4.7 और 5.6 तीव्रता वाले दो भूकंप के झटके महसूस हुए। इससे पहले रविवार की रात पड़ोसी प्रांत कुनार में 6.0 की तीव्रता वाले भूकंप में 2,200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, 3,600 से अधिक घायल हुए और 7000 घर नष्ट हो गए।

जॉर्जिया में आव्रजन छापे, 475 हिरासत में

सवाना। अमेरिका के जॉर्जिया में आव्रजन अधिकारियों की छापेमारी के दौरान लगभग 475 लोगों को हिरासत में लिया गया। जिस जगह छापेमारी की गयी, वहां दक्षिण कोरियाई ऑटो कंपनी हुंदै इलेक्ट्रिक वाहन बनाती है। गृह विभाग के तहत विशेष अधिकारी स्टीवन श्रैंक ने शुक्रवार को सवाना में संवाददाताओं से यह बात कही। हालांकि लोगों पर लगाए गए आरोपों की घोषणा नहीं की गई। श्रैंक ने बताया, यह कार्रवाई जॉर्जिया और अमेरिकी लोगों के लिए रोजगार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

चीन ने किया नए परीक्षण उपग्रह का प्रक्षेपण

शीचांग। चीन ने शुक्रवार को दक्षिण-पश्चिमी प्रांत सिचुआन के शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से एक नया परीक्षण उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया। शियान-29 उपग्रह को बीजिंग समयानुसार प्रातः 10:34 बजे लॉन्ग मार्च-3सी रॉकेट के माध्यम से प्रक्षेपित किया गया, जिसमें युआनझेंग-1 (एक्सपीडिशन-1) का ऊपरी हिस्सा ले जाने वाले रॉकेट से जुड़ा हुआ था। उपग्रह सफलतापूर्वक पूर्व निर्धारित कक्ष में पहुंच गया।

ब्रिटेनः टैक्स चोरी मामले में घिरीं उपप्रधानमंत्री एंजेला का इस्तीफा

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन की उपप्रधानमंत्री एंजेला रेनर ने घर खरीद पर कर का कम भुगतान जाने के मामले में स्वतंत्र जांच के बाद शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया। लेबर पार्टी की एक प्रभावशाली नेता रेनर के खिलाफ इंग्लैंड के दक्षिणी तट पर स्थित घर पर सही स्टाम्प ड्यूटी का भुगतान के लिए विशेषज्ञ कर सलाह न लेकर मंत्री आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप है।

रेनर ने अपना मामला मंत्रिस्तरीय मानकों पर स्वतंत्र सलाहकार लॉरी मैग्नस के पास भेजा, जिन्होंने शुक्रवार को प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर को अपनी रिपोर्ट सौंपी। केअर स्टार्मर अब अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल को औपचारिक रूप दे रहे हैं। उन्होंने

● इंग्लैंड के दक्षिणी तट पर खरीदे घर की नहीं दी गई स्टांप ड्यूटी

वरिष्ठ मंत्री रेनर के इस्तीफे पर अफसोस जताया। स्टार्मर ने कहा, निजी तौर पर मुझे आपके सरकार से बाहर जाने पर बहुत दुख हो रहा है। रेनर ने प्रधानमंत्री को लिखे त्यागपत्र में कहा, मैं दोहराना चाहती हूं कि उचित राशि के भुगतान के अलावा कुछ और करने का मेरा कभी इरादा नहीं था। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि मीडिया का दबाव मेरे परिवार पर कितना भारी पड़ रहा है।

हिमालयी क्षेत्रों में मानवीय छेड़छाड़ का नतीजा

जलवायु परिवर्तन, अनियोजित विकास और शहरीकरण, वनों की कटाई और भूमि उपयोग में बदलाव, पर्यटन के दबाव और संसाधनों पर बढ़ते बोझ जैसे कई कारण हैं जिनके कारण भारत के हिमालयी क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं की न सिर्फ संख्या बल्कि भयावहता भी बढ़ी है। इसमें सबसे ज्यादा तबाही जल मौसम संबंधी घटनाओं की वजह से हुई है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध हिमालयी क्षेत्रों में मानवीय हस्तक्षेप सबसे ज्यादा विनाशकारी साबित हुआ है। भारतीय वन सर्वेक्षण, नीति आयोग और कई गैर सरकारी संगठनों की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में इनके गंभीर प्रभावों का साफ उल्लेख है। वनों के नुकसान, भूस्खलन में वृद्धि और प्राकृतिक झरनों के सूखने जैसे इनके दुष्परिणाम इन क्षेत्रों में बसे लोगों को झेलने पड़ रहे हैं। विडंबना यह है इसे रोकने के लिए अब तक कोई सख्त कदम भी नहीं उठाए गए हैं।

प्राकृतिक आपदाएं

लगातार बढ़ता संकट

- वर्ष 2024-25 में बाढ़, सूखा और तापमान वृद्धि जैसी अत्यधिक प्राकृतिक घटनाओं से 3,000 से अधिक लोगों की जान गई, जो पिछले 11 सालों में सबसे ज्यादा है।
- वर्ष 2019 से 2023 के बीच 281 प्राकृतिक आपदाएं दर्ज की गईं, जबकि केवल 2024 में 400 से अधिक घटनाएं सामने आईं, जो घटनाओं में तीव्र वृद्धि दर्शाती है।
- वर्ष 2023 में भारत को आपदाओं से 12 अरब अमेरिकी डॉलर (एक लाख करोड़ रुपये से अधिक) का नुकसान हुआ, जो पिछले दशक से काफी ज्यादा था।
- वर्ष 2015 से 2024 के बीच बाढ़, तूफान, भूस्खलन जैसी आपदाओं से 3.2 करोड़ लोग विस्थापित हुए, मगर 2024 में 4.58 करोड़ लोगों को घर छोड़ना पड़ा।
- हाल के कुछ वर्षों में आपदा राहत के लिए सरकारी खर्च में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती संख्या और तीव्रता को दर्शाता है।

हाल ही में आईं आपदाएं

- जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में 17 अगस्त को बादल फटने से भूस्खलन होने के बाद भारी तबाही हुई जिसमें सात लोग मारे गए।
- उत्तरकाशी के धराली गांव में 5 अगस्त को आई अचानक बाढ़ ने पूरे गांव को तबाह कर दिया, यहां सैकड़ों लोग बेघर हो गए।
- आंध्र प्रदेश में आपदाओं में 343, मध्य प्रदेश में 243 और हिमाचल प्रदेश में 195 लोगों की मौत हुई, आपदाओं का सिलसिला जारी है।

कहां कैसी आपदा

बादल फटना और बाढ़ जैसी घटनाओं की उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में वृद्धि हुई है। वनों की कटाई और अनियमित निर्माण के कारण भूस्खलन की घटनाओं में भी वृद्धि हुई है। हिमनदों का तेजी से पिघलना ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड को बढ़ा रहा है, सिक्किम में देखा गया।

मानवीय हस्तक्षेप

- भारतीय वन सर्वेक्षण की स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट के अनुसार हिमालयी राज्यों में 2019 की तुलना में 1,072 वर्ग किमी वन आवरण कम हुआ है।
- नीति आयोग ने बताया है कि भारतीय हिमालयी क्षेत्र में 50% प्राकृतिक झरने सूख रहे हैं, जो वन कटान और अनियोजित विकास के कारण है।
- सुदूर संवेदन संस्थान की रिपोर्ट में पश्चिमी हिमालय में शहरीकरण में भारी वृद्धि, वनों के कटान और जल निकायों में गिरावट की पुष्टि।

ये भी प्रमुख कारण

- ग्लोबल वार्मिंग से वर्षा की तीव्रता बढ़ रही है और तापमान में वृद्धि हो रही है, जिससे हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं।
- वन कटान से मिट्टी की पकड़ कमजोर होती है, इससे भूस्खलन का खतरा, जल निकासी पैटर्न भी प्रभावित।
- पर्यटकों की बढ़ती संख्या से संसाधनों पर दबाव पड़ता है जो नाजुक क्षेत्रों को और ज्यादा असुरक्षित बनाता है।

यूक्रेन युद्ध के परोक्ष परिणाम ग्लोबल साउथ के देशों पर डाल रहे हैं असर

भारत का संयुक्त राष्ट्र महासभा में संबोधन, ईंधन की कीमतों पर जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने यूक्रेन संघर्ष के 'परोक्ष प्रभावों' खासतौर पर ईंधन की कीमतों पर चिंता व्यक्त की और कहा है कि 'ग्लोबल साउथ' के देशों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। भारत ने साथ ही कहा कि कूटनीतिक प्रयासों के जरिए युद्ध को समाप्त किया जा सकता है और स्थाई शांति लाई जा सकती है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने बृहस्पतिवार को कहा, भारत यूक्रेन की स्थिति को लेकर चिंतित है। हमारा मानना है कि निर्दोष लोगों की जान जाना अस्वीकार्य है और युद्ध के मैदान में कोई समाधान नहीं निकलता। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्रों की स्थिति' विषय पर आयोजित चर्चा में हरीश ने कहा कि भारत को इस बात की चिंता है कि संघर्ष के परिणामस्वरूप ईंधन की कीमतें और अन्य चीजें पूरे विश्व को प्रभावित कर रहे हैं, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों को, जिन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। हमारा मानना है कि उनकी आवाज सुनी जाए और उनकी वैध चिंताओं का समुचित समाधान किया जाए।

'ग्लोबल साउथ' से तात्पर्य

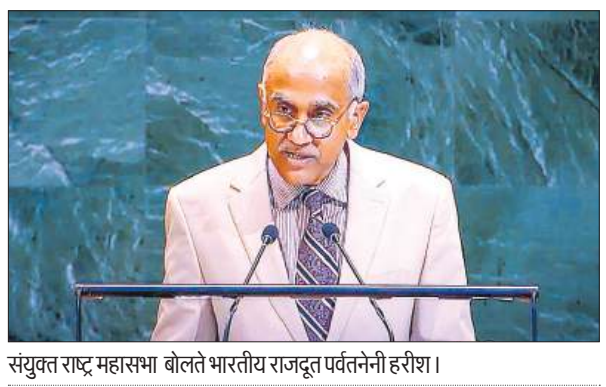

संयुक्त राष्ट्र महासभा बोलते भारतीय राजदूत पर्वतनेनी हरीश।

मोदी के संदेश का किया जिक्र - ये युद्ध का युग नहीं

राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन संघर्ष का शीघ्र अंत सभी के हित में है, साथ ही उन्होंने मोदी के इस संदेश का जिक्र किया कि यह युद्ध का युग नहीं है। हरीश ने कहा, हम यूक्रेन के राष्ट्रपति और यूरोपीय नेताओं के साथ बातचीत करने के अमेरिकी राष्ट्रपति के कूटनीतिक प्रयासों पर भी ध्यान देते हैं। उन्होंने कहा,हमारा मानना है कि ये सभी कूटनीतिक प्रयास यूक्रेन में जारी संघर्ष को समाप्त कराने और स्थायी शांति की संभावनाओं के लिए अहम हैं। हरीश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मौजूदा स्थिति पर पुतिन, जेलेंस्की और यूरोपीय नेतृत्व के संपर्क में हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के बयान से कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं एंटोनियो कोस्टा और उर्सुला वॉन डेर लेयेन से बातचीत की। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आपसी हितों के मुद्दों और यूक्रेन में संघर्ष को जल्द समाप्त कराने के प्रयासों पर विचार विमर्श किया।

उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप में जाना जाता है और ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं। भारत ने इस बात पर जोर दिया कि स्थाई शांति के लिए सभी हितधारकों की पूर्ण भागीदारी और प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण है। हरीश ने कहा कि भारत ने पिछले महीने अलास्का में अमेरिक के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई शिखर बैठक का समर्थन किया और उसमें हुई प्रगति की सराहना की।

जयशंकर ने की यूक्रेन के विदेश मंत्री से बात

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को अपने यूक्रेनी समकक्ष आंद्रेई सिबिहा के साथ यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा की। जयशंकर के साथ फोन पर बातचीत के बाद सिबिहा ने कहा कि उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष को वर्तमान युद्ध की स्थिति और यूक्रेन की ओर से न्यायोचित शांति प्राप्त किए जाने के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, हम शत्रुता की पूर्ण समाप्ति और व्यापक अंतरराष्ट्रीय शांति प्रयासों के समर्थन में भारत की बुलंद आवाज और सक्रिय भूमिका पर भरोसा करते हैं। यूक्रेनी विदेश मंत्री ने कहा कि वह और जयशंकर इस महीने के अंत में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान मुलाकात करने पर सहमत हुए हैं। जयशंकर-सिबिहा वार्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात किए जाने के तीन दिन बाद हुई। बैठक में मोदी ने पुतिन को बताया कि भारत यूक्रेन में शांति स्थापित करने की दिशा में हाल ही में किए गए सभी प्रयासों का स्वागत करता है और यह मानवता का आह्वान है कि यथाशीघ्र शत्रुता को समाप्त करने का रास्ता खोजा जाए।

पेंटागन का नया नाम युद्ध मंत्रालय, रक्षा मंत्री अब युद्ध मंत्री

वाशिंगटन। अमेरिकी के पेंटागन को युद्ध मंत्रालय और रक्षा मंत्री को युद्ध मंत्री के नाम से जाना जाएगा। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नया कानून बनाने जा रहे हैं जिसके अंतर्गत ये दोनों नाम बदल दिए जाएंगे।

नया नाम रक्षा मंत्रालय द्वितीयक पद के रूप में इस्तेमाल होगा। सरकार को इस पर कानून बनाने के लिए पहले अमेरिकी कांग्रेस की मंजूरी चाहिए होगी। नाम बदलने के तर्क में कहा गया है कि 'युद्ध मंत्रालय' नाम 'रक्षा मंत्रालय' की तुलना में कहीं अधिक तत्परता और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। रक्षा शब्द से केवल रक्षात्मक क्षमताओं पर ही ध्यान जाता है।

शिक्षक दिवस

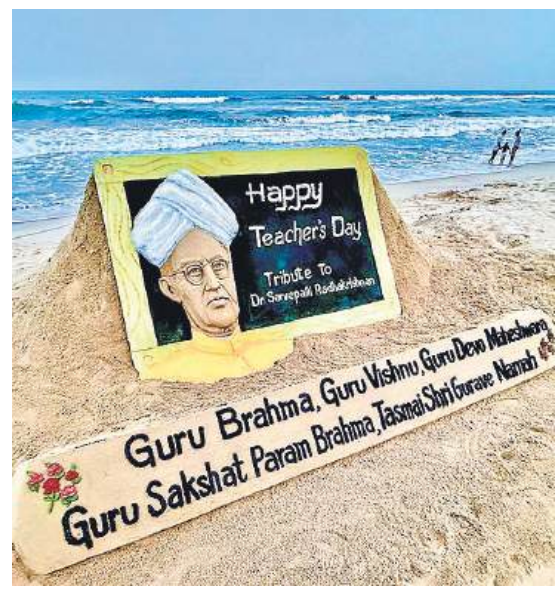

पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने ओडिशा के पुरी में रेत की मूर्ति बनाकर देश को शिक्षक दिवस की बधाई दी। एजेंसी

वैश्विक सद्भाव के लिए दुबई में शुरू हुआ 'आई एम पीसकीपर' अभियान

दुबई। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच, दुबई में एक नया अंतरराष्ट्रीय अभियान, 'आई एम पीसकीपर' शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य वैश्विक सद्भाव के लिए संवाद और समझ को बढ़ावा देने के इच्छुक व्यक्तियों और संस्थाओं को एक मंच पर लाना है।

भारतीय फार्मा दिग्गज वॉकहार्ट के कार्यकारी निदेशक और वॉकहार्ट फाउंडेशन के सीईओ डॉ. हुजैफा खोराकीवाला ने बृहस्पतिवार को एक कार्यक्रम में इस आंदोलन की शुरुआत की, जिसमें दो नोबेल पुरस्कार विजेताओं समेत कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियों ने हिस्सा लिया। यह घटनाक्रम गाजा में जारी संघर्ष और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच सामने आया है, जहां जून में ईरान और इजराइल के बीच कुछ समय तक युद्ध हुआ था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, खोराकीवाला ने कहा कि यह अभियान इस बात पर जोर देता है कि मानवीय मूल्यों की मुद्रा से अपने लिए आंतरिक शांति खरीदी जा सकती है, जो समाज में शांति की नींव रखती है।

भारतीय छात्रों की अमेरिका में घटी रुचि, यूरोपीय देश बन रहे नई पसंद

मुंबई। अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आवेदनों में साल-दर-साल 13 प्रतिशत की गिरावट आई है, क्योंकि भारतीय छात्र जर्मनी जैसे यूरोपीय देशों को पसंद कर रहे हैं, जहां 2024-25 में 32.6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

एडटेक कंपनी अपग्रेड की ट्रांसनेशनल एजुकेशन रिपोर्ट 2024-25 में कहा गया है कि अमेरिका अब भारतीय छात्रों के लिए स्वभाविक और सबे पसंदीदा शैक्षणिक गंतव्य नहीं रह गया है। इसमें कहा गया कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आवेदनों में साल-दर-साल 13 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि जर्मनी जैसे यूरोपीय गंतव्यों (2022 के 13.2 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 32.6 प्रतिशत) और संयुक्त अरब अमीरात में अभूतपूर्व वृद्धि देखी जा रही है जहां 42 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय छात्र भारतीय हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया तेजी से भारतीय छात्रों के लिए व्यावहारिक और सुलभ विदेश अध्ययन स्थल बनता जा रहा है, जहां वैश्विक परिसरों से डिग्री कार्यक्रम उपलब्ध हैं। दुबई और कतर के एजुकेशन सिटी में जॉर्जटाउन, जॉन्स हॉपकिन्स, आरआईटी, कार्नेगी मेलॉन और वेइल कॉर्नेल सहित अमेरिकी विश्वविद्यालयों के सैटेलाइट परिसर अपने घरेलू संस्थानों के समान ही डिग्री प्रदान करते हैं।

बोलीवियाः अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद पूर्व गृह मंत्री गिरफ्तार

ला पाज, एजेंसी

विवादों में रहने वाले बोलीविया के पूर्व गृह मंत्री आर्तुरो मुरिलो को कई आरोपों में अमेरिका से प्रत्यर्पित करने के बाद बृहस्पतिवार को हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया गया।

उनके खिलाफ आरोपों में 2019 में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर दमनकारी कार्रवाई का आदेश देने के लिए मानवता के खिलाफ अपराध शामिल है। मुरिलो जून में अमेरिकी जेल से चार साल सजा काटने के बाद रिहा हुए थे। उन पर फ्लोरिडा की एक कंपनी से 5.32 लाख डॉलर की रिश्वत लेने और आंसू गैस बेचने का

● मुरिलो पर हैं हत्या, गबन धनशोधन और सत्ता के दुरुपयोग के आरोप

अनुबंध दिलाने का आरोप था। बुधवार रात उन्हें मियामी से निष्कासित कर बोलीविया भेजा गया, जहां वह पहले से दो मामलों में दोषी ठहराए जा चुके हैं। उन पर हत्या, धनशोधन, सत्ता का दुरुपयोग, गबन और महंगी आंसू गैस की खरीद में पद का दुरुपयोग करने जैसे आरोप भी हैं। ला पाज पहुंचने पर अभियोजन पक्ष ने कहा कि उन्हें अधिकतम सुरक्षा वाली चोनचोकोरो जेल में भेजा जाएगा। अटॉर्नी जनरल रोजर मरिका ने कहा, मुरिलो को जेल में रहना ही होगा।

श्रीलंकाः बस दुर्घटना में 15 लोगों की मौत

कोलंबो। श्रीलंका के उवा प्रांत के बडुल्ला ज़िले में एक बस दुर्घटना में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि इतने ही घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, 30 से अधिक लोग दक्षिणी श्रीलंकाई शहर तांगल्ले से पर्यटन यात्रा पर निकले थे, लेकिन बृहस्पतिवार रात करीब नौ बजे बस की टक्कर सामने से आ रही एक जीप से हुई, जिसके बाद बस सड़क की रेलिंग से टकराकर एल्ला कस्बे के पास 1000 फुट से अधिक गहरी खाई में गिर गई। मृतकों में नौ महिलाएं शामिल हैं। सभी लोग तांगाल्ले अर्बन काउंसिल (नगर परिषद) के कर्मचारी थे।

ट्रंप ने टेक दिग्गजों को दी दावत, मस्क को नहीं बुलाया

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस में प्रौद्योगिकी जगत (टेक) के दिग्गजों के एक समूह की मेजबानी की और उनकी कंपनियों द्वारा देश में किए जा रहे निवेश की जानकारी ली। ट्रंप के मेहमानों में उनके करीबी रहे एलन मस्क शामिल नहीं थे?

ट्रंप ने एक लंबी मेज के चारों ओर बैठे इन दिग्गजों को बेहद बुद्धिमान करार दिया। कंपनियों के सीईओ ट्रंप की तकनीकी प्रगति से जुड़ी आकांक्षाओं पर चर्चा करते रहे लेकिन ट्रंप ने पूरा ध्यान निवेश पर केंद्रित रखा। उन्होंने मेज के

व्हाइट हाउस में प्रौद्योगिकी जगत के दिग्गजों के साथ ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया।

चारों ओर घूमकर उनसे पूछा कि वे देश में कितना निवेश कर रहे हैं। ट्रंप के दाहिनी ओर बैठे मेटा के सहसंस्थापक मार्क जुकरबर्ग ने कहा कि वह 600 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश कर रहे हैं। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने भी 600 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश की बात कही। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने 250 अरब डॉलर के निवेश का अनुमान जताया। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने कहा निवेश 80 अरब डॉलर प्रति वर्ष के करीब है। ट्रंप ने यह सुनकर कहा, अच्छा है, काफी अच्छा।

● सभी कंपनियों के सीईओ से देश में निवेश के बारे में ली जानकारी

मेहमानों में ट्रंप के करीबी रहे एलन मस्क शामिल नहीं थे। इस साल के शुरू में मस्क और ट्रंप के बीच एक विधेयक को लेकर विवाद हुआ था और दोनों ने एक-दूसरे पर काफी कड़ी सार्वजनिक टिप्पणियां की थीं। मेहमानों के बीच एआई में मस्क के प्रतिद्वंद्वी रहे ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन और पेमेंट प्रॉसेसिंग कंपनी 'शिफ्ट4' के संस्थापक जेरेड इसाकमैन भी शामिल थे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 6 सितंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी 7 सितंबर 01.41 तक तत्पश्चात पूर्णिमा।

आज का पंचांग

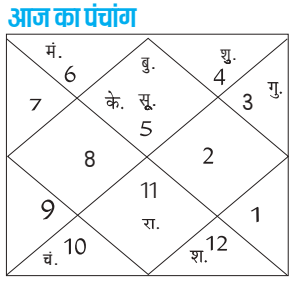

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-धनिष्ठा 22.55 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष आज सरकारी नौकरी कर रहे लोगों के ऊपर काम का दबाव कम होगा। महिलाएं खरीदारी पर काफी ध्यान दे सकती हैं। अपनी कल्पनाओं को साकार करने का अवसर मिलेगा। मन में नए कार्यों को लेकर उमंग-उत्साह की भावना रहेगी।

वृष आज कारोबार की स्थिति में सुधार आने की संभावना है। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। नए कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं। पुराने झगड़ों को लेकर दोबारा उलझने से बचें। आपको कोई गुमी हुई वस्तु वापस मिल सकती है।

मिथुन आज व्यवसाय में सावधानी रखने की आवश्यकता है। रुका हुआ धन आपको प्राप्त हो सकता है। परिवार के सदस्य आपके ऊपर गर्व करेंगे। उच्च अधिकारियों की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। अध्यात्मिक विषयों पर गूढ़ अध्ययन कर सकते हैं।

कर्क आज का दिन संघर्ष से युक्त हो सकता है। कुछ महत्वपूर्ण काम अटक सकते हैं। आपका मन किसी काम में नहीं लगेगा। आलस्य करने से बचें। प्रियजनों की सलाह पर गंभीरता से विचार करें। जीवनसाथी के साथ विश्वास में कमी आएगी।

सिंह आज व्यवसाय में दैनिक आय में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्च पद मिल सकता है। थोड़े ही प्रयासों से आपके कार्य सफल हो जाएंगे। आपके मन में अनेक सवाल एक साथ चलते रहेंगे। इंटरव्यू में सम्मिलित हो रहे हैं तो दिन सौभाग्यशाली रहेगा।

कन्या आज प्रेम-संबंधों को पारिवारिक सहमति मिल सकती है। आपकी बातों से मित्र नाराज हो सकते हैं। जीवन के प्रति अपने दृष्टिकोण में कुछ परिवर्तन ला सकते हैं। जीवनसाथी के साथ तालमेल बहुत ही अच्छा रहेगा।

तुला आज सहकर्मी आपको अपमानित करने का प्रयास करेंगे। प्रतियोगी परीक्षा में शुभ परिणाम प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। दोस्तों के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। परिवार के लोग आपके निर्णयों से अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक आज आपको अकारण यात्रा करनी पड़ सकती है। आपको अपनी छवि की चिंता हो सकती है। व्यवसाय में धन की कमी होने की आशंका है। आपके घरेलू खर्चों में वृद्धि होगी। घर में अचानक बिना बुलाए मेहमान आ सकते हैं।

धनु आज मनोरंजन के संसाधनों पर धन खर्च करेंगे। शांतिपूर्ण तरीके से समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास करें। किसी रिश्तेदार के घर मिलने के लिए जा सकते हैं। प्रभावशाली लोगों के बीच आपका उठना-बैठना रहेगा।

मकर आज गरिष्ठ व तला-भुना भोजन कब्ज व माइग्रेन का कारण बन सकता है। विरोधी आपके विरुद्ध षड्यंत्र रच सकते हैं। कार्यक्षेत्र में तनाव बढ़ने की संभावना है। नई संपत्ति खरीदने का विचार बना सकते हैं। अपनी नकारात्मक आदतों पर नियंत्रण रखें।

कुंभ आज आपके करियर में नया मोड़ आ सकता है। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिलेगा। यदि आप किसी समस्या से परेशान हैं तो आपको उसका समाधान मिल सकता है। धैर्यवान होकर कार्य पूर्ण करें।

मीन आज पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद उपजने की आशंका है। स्वभाव में क्रोध और चिड़चिड़ापन अधिक हो सकता है। आपकी राय लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। अधीनस्थ कर्मचारी उच्च अधिकारियों से असंतुष्ट हो सकते हैं।

सुडोकू-91

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2					3	
6				1		4		
	8				9		5	
4			2				6	
	5						4	
			8		5		1	7
	6		7			8		
		3		5				4
	9					6		

सुडोकू - 90 का हल

6	1	9	2	8	3	7	4	5
3	4	8	7	5	6	1	2	9
7	5	2	4	9	1	3	6	8
8	7	3	9	6	4	5	1	2
9	2	5	1	7	8	4	3	6
1	6	4	3	2	5	8	9	7
2	3	7	5	1	9	6	8	4
5	8	1	6	4	2	9	7	3
4	9	6	8	3	7	2	5	1

मुझे गर्व है कि मैं क्रिकेट में नीली जर्सी पहनकर समोआ का प्रतिनिधित्व करने जा रहा हूं। यह ना सिर्फ मेरे पसंदीदा खेल में मेरी वापसी है, बल्कि अपनी विरासत, संस्कृति, गांव और परिवार का प्रतिनिधित्व करने का बड़ा सम्मान भी है। -रॉस टेलर

स्टेडियम

लखनऊ, शनिवार, 6 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

महिला हॉकी टीम का शानदार आगाज

हांगझोउ (चीन) : उदिता दुहान और ब्यूटी डुंग डुंग के दो-दो गोल की मदद से भारत ने महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में शुक्रवार को यहां थाईलैंड को 11-0 से करारी शिकस्त देकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। उदिता ने 30वें और 52वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर जबकि डुंग डुंग ने 45वें और 54वें मिनट में गोल किए। इन दोनों के अलावा भारत की तरफ से मुमताज खान (सातवें मिनट), संगीता कुमारी (10वें), नवनीत कौर (16वें), लालरेम्सियामी (18वें), थौदाम सुमन देवी (49वें), शर्मिला देवी (57वें) और रुतुजा दादासो पिसल (60वें) ने गोल दागे। वर्तमान में भारत टीम विश्व में नौवें स्थान पर काबिज है।

मुक्केबाज खिलाड़ियों की जीत शुरुआत

लिवरपूल : भारतीय मुक्केबाज सुमित कुंडू ने शुक्रवार को यहां पुरुष मिडिलवेट वर्ग में जॉर्डन के मोहम्मद अल हुसैन को सर्वसम्मत निर्णय से हराकर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के अंतिम 16 में प्रवेश किया। सुमित ने मुकाबले के शुरुआती दौर से ही दबदबा कायम करते हुए अल हुसैन को रक्षात्मक होने पर मजबूर कर दिया। दोनों मुक्केबाजों ने कई बार सटीक मुक्के मारे लेकिन सुमित लगातार हावी रहे। उनके दमदार बैकहैंड ने जॉर्डन के मुक्केबाज के रक्षण को लगातार भेदा। भारतीय मुक्केबाज ने दूसरे चरण में बड़ी बढ़त कायम कर ली।

रॉस टेलर ने ली संन्यास से वापसी

नई दिल्ली : न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान रॉस टेलर ने संन्यास से वापसी कर ली है। हालांकि अब वह न्यूजीलैंड से नहीं बल्कि समोआ की तरफ से खेलते हुए दिखाई देंगे। 41-वर्षीय मध्य क्रम के बल्लेबाज टेलर आगामी ईस्ट एशिया-पैसिफ़िक टी20 विश्व कप 2026 के क्वालिफ़ायर टूर्नामेंट में समोआ का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर इसकी घोषणा करते हुए लिखा मैं इस अवसर के लिए उत्साहित हूं। टेलर को अपनी मां की विरासत के चलते समोआ का पासपोर्ट मिला हुआ है। वह अप्रैल 2022 में न्यूजीलैंड के लिए आख़िरी बार खेले थे। इससे उनका तीन साल का कूलिंग ऑफ पीरियड भी पूरा हो गया है और अब वह समोआ के लिए खेलने के पात्र हैं।

हॉकी एशिया कप के एक मैच में जीत के बाद जश्न मनाते भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

एशिया कप फाइनल से एक कदम दूर भारतीय हॉकी टीम

राजगीर (बिहार), एजेंसी

फाइनल में जगह बनाने से एक कदम दूर भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एशिया कप में शनिवार को सुपर 4 चरण के आखिरी मैच में आत्मविश्वास से ओतप्रोत चीन के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। पांच बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया से 2-2 से ड्रॉ के बाद भारत ने दूसरे सुपर 4 मैच में मलेशिया को 4-1 से हराया। इस जीत से चीन के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले हरमनप्रीत सिंह की टीम का मनोबल बढ़ा होगा।

भारत दो मैचों में चार अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि चीन और मलेशिया के तीन अंक है। कोरिया एक अंक लेकर फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया है। सुपर 4 चरण से शीर्ष दो टीमें फाइनल में जाएंगी और भारत के लिए एक ड्रॉ भी काफी होगा। कोरिया के खिलाफ औसत प्रदर्शन के बाद भारत ने मलेशिया के खिलाफ बेहतर खेल दिखाया हालांकि शुरूआत बहुत अच्छी नहीं रही । भारत ने शुरूआती गोल गंवा दिया लेकिन इसके बाद शानदार वापसी की। मलेशिया पर मिली जीत के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि अभी भी यह टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं है और भारतीय खिलाड़ियों को पता है कि उनसे अपेक्षायें बहुत ज्यादा है।

- चीन के खिलाफ अहम मुकाबले में आज करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

समय : शाम 7:30 से।

सवाल यह है कि वे अपेक्षाओं पर कैसे खरे उतरें और इसका जवाब भी आसान है कि बारीकियों पर ध्यान देकर अपने प्रदर्शन में और सुधार किया जाए।

टूर्नामेंट में अभी तक मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद और राजिंदर सिंह ने मिडफील्ड में अच्छा खेल दिखाया है। मलेशिया के खिलाफ फॉरवर्ड पंक्ति से उनका तालमेल कमाल का था। हार्दिक ने खास तौर पर तेज ड्रिबलिंग और अकेले गेंद लेकर दौड़ते हुए कई मौके बनाए। बरसों से भारतीय हॉकी की सेवा कर रहे मनप्रीत ने दिखा दिया कि अभी भी उनके भीतर जीत की भूख कम नहीं हुई है । उन्होंने न सिर्फ मौके बनाए बल्कि गोल के सूत्रधार भी रहे। अभिषेक, सुखजीत सिंह और मनदीप सिंह ने आक्रमण का जिम्मा बखूबी संभाला और आगे भी इस लय को कायम रखना चाहेंगे। भारत को हालांकि सर्कल के भीतर मिले हर मौके को भुनाना होगा और इसके लिए हड़बड़ाने से बचना जरूरी है। सुपर 4 चरण के एक अन्य मैच में मलेशिया का सामना दक्षिण कोरिया से होगा।

पेनल्टी कॉर्नर है परेशानी का सबब

- पेनल्टी कॉर्नर कोच फुल्टोन की परेशानी का सबब होगा। अच्छी शुरुआत के बाद कप्तान हरमनप्रीत पेनल्टी कॉर्नर भुनाने में नाकाम रहे। जुगराज सिंह, संजय और अमित रोहिदास का भी यही हाल था। मलेशिया के खिलाफ छह में से एक ही पेनल्टी कॉर्नर पर गोल हो सका और वह भी रिबाउंड पर था। दूसरी ओर पूल चरण में भारत से 3-4 से हारने के बाद से चीन ने अपने प्रदर्शन में काफी सुधार किया है।

सबालेंका और अमांडा के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

यूएस ओपन : सेमीफाइनल में सबालेंका ने पेगुला और अमांडा ने ओसाका को हराया

न्यूयॉर्क, एजेंसी

शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका और उभरती हुई अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा बीच यूएस ओपन में महिला एकल वर्ग में खिताबी भिड़ंत होगी। बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने अपनी विशिष्ट दृढ़ता और मानसिक शक्ति का परिचय देते हुए एक सेट से पिछड़ने के बाद चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर तीसरी बार यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश किया।

गुरुवार रात दो घंटे तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में बेलारुस की सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी पेगुला को 4-6, 6-3, 6-4 से हराया।

पेगुला ने न्यूयॉर्क के शोरगुल में उत्साहित दर्शकों के बीच पहला सेट जीतकर पासा पलटने की चेतावनी दी। अमेरिकी खिलाड़ी ने पेगुला ने सबालेंका की सहज गलतियों का फायदा उठाया और दो बार सर्विस ब्रेक करके 6-4 से पहला सेट अपने नाम कर लिया।

बेलारूस की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी पेगुला के खिलाफ शॉट लगाती हुईं। एजेंसी

इसके बाद बेलारूसी खिलाड़ी ने ऑफ-कोर्ट ब्रेक के बाद नए दृढ़ संकल्प के साथ वापसी की। उन्होंने अपने ग्राउंडस्ट्रोक की तीव्रता बढ़ाई और दूसरे सेट को 6-3 से जीत के साथ मैच को निर्णायक बना दिया। अंतिम सेट में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ने दबाव के क्षणों में अपना धैर्य बनाए रखा। अपने तीसरे मैच पॉइंट पर, उन्होंने राहत और जश्न की गर्जना के साथ जीत पक्की कर ली। 27 वर्षीय खिलाड़ी की इस जीत ने उन्हें सेरेना विलियम्स (2011-2014) के बाद लगातार तीन यूएस ओपन फाइनल में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी बना दिया है। मैच के बाद सबालेंका ने कहा यह वाकई एक कड़ा मुकाबला था। उसने अविश्वसनीय टेनिस खेला और मुझे यह जीत हासिल करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी। मैं बस अंदर ही अंदर प्रार्थना कर रही थी और अच्छे की उम्मीद कर रही थी। शनिवार को होने वाले चैंपियनशिप मैच में सबालेंका का सामना उभरती हुई अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा ने अपने करियर के सबसे उल्लेखनीय उलटफेरों में से एक की कहानी गढ़ते हुए रोमांचक मुकाबले में जापान की नाओमी ओसाका को 6-7(4), 7-6(3), 6-3 से हराकर पहली बार यूएस ओपन फाइनल में जगह बनाई। यह जीत अमेरिकी टेनिस प्रशंसकों के लिए, यह नई उम्मीद का क्षण है, क्योंकि अनिसिमोवा 2017 में स्लोएन स्टीफंस के बाद यूएस ओपन महिला एकल फाइनल में पहुंचने वाली पहली घरेलू खिलाड़ी बन गई हैं।

भांबरी और वीनस का सफर थमा

- **न्यूयॉर्क :** भारत के युकी भांबरी और न्यूजीलैंड के उनके जोड़ीदार माइकल वीनस अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के सेमीफाइनल में हार गए, जो किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भांबरी और वीनस को नील स्कूप्स्की और जो सैलिसबरी की छठी वरीयता प्राप्त ब्रिटिश जोड़ी से रोमांचक मुकाबले में 7-6(2) 6-7(5) 4-6 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इससे पहले भारतीय खिलाड़ी ने इतिहास रच दिया था। दिल्ली के रहने वाले 33 वर्षीय भांबरी ओपन युग में आनंद अमृतराज, विजय अमृतराज, लिएंडर पेस, महेश भूपति और रोहन बोपन्ना के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के युगल सेमीफाइनल में पहुंचने वाले केवल छठे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए। सानिया मिर्जा युगल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली, दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनने वाली और टेनिस ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाली एकमात्र अन्य भारतीय खिलाड़ी हैं। भांबरी और वीनस की जोड़ी ने फ्लशिंग मीडोज में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था और अंतिम चार तक के अपने सफ़र में वरीयता प्राप्त जोड़ियों को भी हराया। हार के बाद भांबरी ने कहा यह मेरे लिए एक विशेष सप्ताह रहा है। इस स्तर पर खेलना और किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचना एक बड़ा क्षण है। पिछले दशक में कई चोटों से जूझने वाले दिल्ली के इस खिलाड़ी के लिए सेमीफाइनल में पहुंचना एक बड़ी सफलता है।

अमांडा अनिसिमोवा।

स्लोवाकिया ने जर्मनी को उलटफेर का शिकार बनाया

लंदन : स्लोवाकिया ने जर्मनी को 2-0 से हराकर फुटबॉल विश्व कप के यूरोपीय क्वालीफायर में बड़ा उलटफेर किया। डेविड हैन्को और डेविड स्ट्रेलेक ने जर्मनी की रक्षापंक्ति की गलतियों का फायदा उठाकर स्लोवाकिया को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

स्लोवाकिया ने आखिरी बार 2010 में विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था। इस हार से जर्मनी की 2026 में होने वाले विश्व कप में जगह बनाने की राह मुश्किल हो गई है। प्लेऑफ से बचने के लिए जर्मनी को शेष सभी पांच मैच जीतने होंगे।

विश्व कप ग्रुप ए क्वालीफाइंग फुटबॉल मैच में जर्मनी को हराने के बाद जश्न मनाते स्लोवाकिया के खिलाड़ी। एजेंसी

बीसीसीआई ने टीम की जर्सी प्रायोजन की दरों में बढ़ोतरी की

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी को अब प्रायोजित करना और महंगा हो जाएगा। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने द्विपक्षीय सीरीजके लिए दाम प्रति मैच 3.5 करोड़ रुपये और बहुपक्षीय टूर्नामेंट में प्रति मैच 1.5 करोड़ रुपये कर दिए हैं।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, नई दरें अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा स्वीकृत और आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं पर लागू होंगी। रिपोर्ट में उद्योग से जुड़े सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि ये आंकड़े मौजूदा दरों से थोड़े ज्यादा हैं। पहले द्विपक्षीय मैचों के लिए 3.17 करोड़ रुपये और बहुपक्षीय मैचों के लिए 1.12 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाता था। यह बदलाव ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम, 2025 के आने के बाद ' ड्रीम 11' के जर्सी प्रायोजक के रूप में हटने के बाद हुआ है।

सरकार द्वारा हाल ही में पारित ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन अधिनियम, 2025 के बाद बीसीसीआई ने भारतीय टीम के प्रमुख प्रायोजक ड्रीम 11 का अनुबंध रद्द कर दिया। यह संशोधन आगामी एशिया कप के समाप्त होने के बाद ही लागू होगा। बीसीसीआई को हालांकि 400 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई होने का अनुमान है। बोली के परिणाम के आधार पर अंतिम आंकड़ा अधिक भी हो सकता है। नई दरें आगामी एशिया कप के बाद से प्रभावी होंगी। बीसीसीआई संभावित रूप से प्रति मैच 400 करोड़ रुपये से अधिक कमा सकता है। अंतिम आंकड़ा हालांकि बोली के परिणाम के आधार पर अधिक हो सकता है। ड्रीम 11 के हटने के बाद भारतीय टीम के मुख्य प्रायोजक अधिकारों के लिए बीसीसीआई ने मंगलवार को बोलियां आमंत्रित कीं। बीसीसीआई की एक विज्ञप्ति में कहा गया बोली लगाने वाले (जिसमें उसके समूह की कोई भी कंपनी शामिल है) को भारत में या दुनिया में कहीं भी ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी या जुआ या इसी तरह की सेवाओं में संलग्न नहीं होना चाहिए, भारत में किसी भी व्यक्ति को कोई ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी या जुआ या इसी तरह की सेवाएं प्रदान नहीं करनी चाहिए और भारत में सट्टेबाजी या जुए में संलग्न किसी भी व्यक्ति में कोई निवेश या स्वामित्व हित नहीं होना चाहिए। भारतीय टीम यूएई में नौ सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप में बिना किसी मुख्य प्रायोजक के खेलेगी, क्योंकि बोर्ड ने बोली जमा करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर तय की है। ड्रीम 11 ने हाल ही में ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम 2025 के कारण अपने वास्तविक धन से जुड़े ऑनलाइन गेम को बंद कर दिया है।

3.5 करोड़ रुपये दाम द्विपक्षीय सीरीज के लिए प्रति मैच होगा।

1.5 करोड़ रुपये बहुपक्षीय टूर्नामेंट में प्रति मैच के लिए होगा।

जगदीशन दोहरे शतक से चूके दक्षिण क्षेत्र ने बनाए 536 रन

बेंगलुरु, एजेंसी

नारायण जगदीशन (197 रन) अपना दोहरा शतक पूरा करने से महज तीन रन से चूक गए जिससे दक्षिण क्षेत्र ने शुक्रवार को यहां दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में दूसरे दिन उत्तर क्षेत्र के खिलाफ पहली पारी में 536 रनों का प्रभावशाली स्कोर बनाया।

दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 297 रन से करने के बाद दक्षिण क्षेत्र ने पूरे दिन (88.2 ओवर) बल्लेबाजी की लेकिन बाकी विकेट खोकर केवल 239 रन ही बना सका। जगदीशन ने रन आउट होने से पहले 352 गेंद में 16 चौके और तीन छक्के लगाए। दक्षिण के बाकी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके लेकिन टीम को सराहनीय स्कोर तक पहुंचाने में सफल रहे। उत्तर क्षेत्र के बल्लेबाजों के पास अब पहली पारी में 537 के स्कोर तक पहुंच कर फाइनल में जगह पक्की करने के लिए पूरे दो दिन हैं।

दलीप ट्रॉफी

नारायण जगदीशन। एजेंसी

मध्य क्षेत्र का पश्चिम क्षेत्र को माकूल जवाब

बेंगलुरु : दानिश मालेवार और शुभम शर्मा की अगुवाई में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से मध्य क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को उत्तर क्षेत्र के 438 रन के जवाब में अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 229 रन बनाकर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। दिन का खेल खत्म होते समय शुभम शर्मा (60) के साथ कप्तान रजत पाटीदार (47) क्रीज पर डटे हुए थे। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 69 रन की अटूट साझेदारी कर ली है। टीम पहली पारी में उत्तर क्षेत्र से 209 रन पीछे है और उसके आठ विकेट शेष है। क्वार्टर फाइनल में पूर्वोत्तर क्षेत्र के खिलाफ दोहरा शतक जड़ने वाले मालेवार ने धैर्य के साथ पारी की शुरुआत करते हुए 76 रन बनाये। उन्होंने पहले विकेट के लिए आयुष पांडे (40) के साथ 67 रन की साझेदारी कर ठोस शुरुआत दिलाई।

दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को हराकर वनडे सीरीज जीती

लंदन : दक्षिण अफ्रीका ने लॉर्ड्स में मैट ब्रीट्ज़के की 85 रन की रिकॉर्ड पारी की बदौलत दूसरे एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पांच रन से जीत हासिल कर इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की सीरीज एक मैच शेष रहते अपने नाम कर ली।

दक्षिण अफ्रीका में पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में आठ विकेट पर 330 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम नौ विकेट पर 325 रन ही बना सकी। उसकी तरफ से जो रूट (61), जैकब बैथेल (58) और जोस बटलर (61) ने अर्धशतक जमाए। मैच आखिरी ओवर तक गया, जिसमें इंग्लैंड को एक विकेट शेष रहते 16 रन चाहिए थे, पर पुछल्ले बल्लेबाज जोफ्रा आर्चर की शानदार बल्लेबाजी के बावजूद मेजबान टीम लक्ष्य तक पहुंचने से चूक गई।

विश्व चैंपियनशिप | आज से शुरू हो रही प्रतियोगिता में अनुभवी दीपिका और युवा गाथा पर रहेंगी सबकी निगाहें

तीरंदाजों की अगली पीढ़ी चमक बिखेरने को तैयार

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

अपने करियर के अंतिम पड़ाव में अनुभवी तीरंदाज दीपिका कुमारी एक बार फिर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने की कोशिश करेंगी। इसमें भारत 15 साल की गाथा खडके की अगुआई में अगली पीढ़ी का प्रदर्शन करने को तैयार है। पुणे की गाथा ने राष्ट्रीय ट्रायल्स में चमकदार प्रदर्शन की बदौलत शनिवार से शुरू हो रहे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए सीनियर टीम में अपनी जगह पक्की की।

अनुभवी दीपिका और अंकिता भकत के साथ गाथा की उपस्थिति ने अतीत और भविष्य की तीरंदाजों के लिए कंधे से कंधा मिलाकर प्रतिस्पर्धा करने का मंच तैयार कर दिया है। ट्रायल्स में अव्वल रहीं दीपिका के साथ अंकिता और गाथा ने भारत की तीन सदस्यीय रिकर्व महिला टीम बनाई। गाथा ने जुलाई में मैड्रिड में पदार्पण किया था और चीनी ताइपे की ओलंपियन और विश्व कप पदक विजेता चिउ यी-चिंग को हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

उनका अंतिम-16 में पहुंचना इस प्रतियोगिता में भारतीय महिलाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा जिससे वह दीपिका और अंकिता से आगे हो गईं।

वहीं मां बनने के बाद 31 वर्षीय दीपिका के लिए विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने का एक और मौका है क्योंकि ओलंपिक के साथ यह पदक भी उनकी कैबिनेट में नहीं है। 2011 में पहली बार हिस्सा लेने बाद से इस सबसे प्रतिष्ठित भारतीय तीरंदाज ने केवल टीम रजत पदक (2011, 2015) जीते हैं लेकिन कोई व्यक्तिगत पदक नहीं जीता है। यह उनकी छठी विश्व चैंपियनशिप होगी। अंकिता महिला टीम की तीसरी सदस्य हैं जिन्होंने दो साल पहले बर्लिन विश्व चैंपियनशिप में भाग लिया था लेकिन पहले ही दौर में बाहर हो गई थीं।

भारतीयों के सामने दक्षिण कोरिया की कड़ी चुनौती होगी जिसकी अगुआई तोक्यो ओलंपिक चैंपियन एन सान तथा मौजूदा ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की नंबर एक तीरंदाज लिम सिह्योन कर रही हैं। महिला रिकर्व में कोरियाई टीम प्रबल दावेदार हैं और यह देखना होगा कि क्या भारतीय उनकी बाधा पार कर पाते हैं। पुरुष रिकर्व में धीरज बोम्मादेवरा, नीरज चौहान और राहुल के साथ भारत की अगुवाई करेंगे।

दीपिका कुमारी। एजेंसी

भारतीय टीम

- **रिकर्व पुरुष :** धीरज बोम्मदेवरा, नीरज चौहान, राहुल। **रिकर्व महिला :** दीपिका कुमारी, अंकिता भकत, गाथा खडके। **कंपाउंड पुरुष :** प्रथमेश फुगे, अमन सैनी, ऋषभ यादव। **कंपाउंड महिला :** परनीत कौर, पृथिका प्रदीप, ज्योति सुरेखा वेन्नम।